रविवार
09 जून 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

केसी त्यागी का खुलासा... इंडी गठबंधन ने नीतीश को पीएम पद का दिया था ऑफर

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

गया ओटीए में 25वीं पासिंग आउट परेड का आयोजन, देश को मिले 118 सैन्य अधिकारी

केटी न्यूज/पटना

गया ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी में पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। इसमें 118 कैडेट्स शामिल हुए। जानकारी के मुताबिक 120 कैडेट को शामिल होना था। लेकिन दो कैडेट्स किसी कारणवश से शामिल नहीं हो सके। शनिवार को गया ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी में हुए पासिंग आउट परेड के बाद 118 कैडेट्स देश के सैन्य अफसर बने। देश के अलग-अलग हिस्सों में यह सेना के अधिकारी के रूप में योगदान देंगे और देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाएंगे। आरटीए में शुरू हुई पासिंग आउट परेड की सलामी उप सेना प्रमुख ने उपेंद्र द्विवेदी ने ली और

सफल कैडेट्स को ऑफिसर बनने पर बधाई और शुभकामनाएं दी। सैन्य ऑफिसर बनने वालों में देश के लगभग एक दर्जन से अधिक राज्यों के कैडेट शामिल हुए। जिसमें बिहार, यूपी समेत अन्य राज्यों के कैडेट्स शामिल हैं।

अब तक दो हजार बन चुके हैं सैन्य अधिकारी

गया ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी में 25वीं पासिंग आउट परेड शनिवार को आयोजित हुई। इस दौरान 118 जेंटलमैन कैडेट्स पास आउट हुए हैं और नए सैन्य अधिकारी बने हैं। गया के ओटीए से इस वर्ष तक लगभग 2 हजार सैन्य अधिकारी बन चुके हैं, जो देश के विभिन्न हिस्सों में योगदान दिया। मालूम हो कि 18 जुलाई 2011 को गया ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी की स्थापना हुई थी। इस बार 2024 में 25वीं पासिंग आउट परेड आयोजित हुई। ओटीए परिसर में आयोजित कार्यक्रम में देश के उप सेना प्रमुख मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए और परेड की सलामी ली। इस मौके पर 118 कैडेट्स के परिजन भी शामिल हुए और अपने आंखों के सामने पुत्र को सैन्य अधिकारी बनते देख, सभी भावुक हो गए।

उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ ने की मंत्रीमंडल की बैठक, दिए निर्देश

मंत्रीगण फील्ड में जाएं, जनता से संवाद करें उनकी समस्याओं का समाधान कराएं: योगी

- बोले - जनता के लिए है सरकार वीआईपी कल्चर नहीं स्वीकार
- केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों का सोशल मीडिया पर करें व्यापक प्रचार-प्रसार
- जनसुनवाई, आईजीआएस, सीएम हेल्पलाइन को बनाएं और प्रभावी

केटी न्यूज/लखनऊ

लोकसभा चुनाव संपन्न होने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रीगणों को 'संवाद, समन्वय और संवेदनशीलता' का मंत्र देकर एक बार फिर से जनता के बीच भ्रमण के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि सरकार जनता के लिए है, हमारे लिए जनहित सर्वोपरि है, ऐसे में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की समस्याओं, अपेक्षाओं और आवश्यकताओं का समाधान होना ही चाहिए। मंत्रिगण फील्ड में जाएं, संवेदनशीलता के साथ जनता से संवाद करें और स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा शासन-प्रशासन के साथ समन्वय बनाते हुए समस्याओं का समाधान कराएं। जहां भी समस्या हो, मुख्यमंत्री कार्यालय को अवगत कराएं, हर समय पूरा सहयोग मिलेगा।

आने वाले 05 वर्षों में हम कई कीर्तिमान रचने में सफल होंगे

शनिवार को मंत्रिमंडल की विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनने पर बधाई दी, साथ ही, सांसद निर्वाचित होने वाले मंत्रीगणों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के 10 वर्षों में जिस तरह उत्तर प्रदेश में विकास को रफ्तार मिली है, आने वाले 05 वर्षों में हम अनेक नए कीर्तिमान रचने में सफल होंगे। उन्होंने कहा कि सभी मंत्रीगण केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। सोशल मीडिया पर सक्रियता बढ़ाएं। डबल इंजन सरकार की नीतियों, निर्णयों और उनके सकारात्मक परिणाम से जनता को अवगत कराएं। मंत्रियों से संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि मंत्रिगण हों या कि अन्य जनप्रतिनिधि, सभी को वीआईपी कल्चर से परहेज करना होगा। हमारी कोई भी गतिविधि ऐसी न हो, जो वीआईपी संस्कृति को प्रदर्शित करती हो, इसके लिए सभी को सतर्क और सावधान रहना होगा। विभागीय कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार $1 ट्रिलियन इकॉनमी के लक्ष्य को लेकर कार्य कर रही है। इसमें हर विभाग की जिम्मेदारी पहले से तय है। यह मंत्रीगणों की जिम्मेदारी है कि वह लक्ष्य के अनुरूप प्रगति की समीक्षा करें, जहां गड़बड़ी हो तत्काल सुधार कराएं। वहीं भावी कार्यक्रमों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में वृहद पौधारोपण, स्कूल चलो अभियान और संचारी रोग नियंत्रण के कार्यक्रम होने हैं। इनकी सफलता के लिए सभी को प्रयास करना होगा। अपने-अपने क्षेत्रों में सभी माननीय मंत्रीगण इसके लिए अपना योगदान सुनिश्चित करें।

संबंधित मंत्री अपने विभागीय स्थिति की समीक्षा करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही समाप्त होने वाली है। सभी विभागों द्वारा वर्तमान बजट में प्राविधानित धनराशि का यथोचित खर्च किया जाना सुनिश्चित किया जाए। आवंटन और व्यय में तेजी की अपेक्षा है। विभाग स्तर भी पर खर्च की समीक्षा भी जाए। संबंधित मंत्रीगण अपने विभागीय स्थिति की समीक्षा करें। कहा कि केंद्र से सामंजस्य स्थापित कर अवशेष धनराशि प्राप्त करें। विभागीय मंत्री स्वयं भारत सरकार के मंत्रीगणों से संवाद करें। केन्द्रांश के अभाव में परियोजना बाधित न रखें। सभी विभाग शत-प्रतिशत उपयोगिता प्रमाण पत्र समय पर भेजना सुनिश्चित करें।

अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएं

उन्होंने कहा कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ हमने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन पर आने वाले आवेदनों को लेकर थाना, तहसील और जिला स्तर हो रही कार्यवाहियों की मंत्री भी समीक्षा करें। उन्होंने मंत्रिपरिषद की बैठकों के लिए ई-कैबिनेट व्यवस्था और सभी विभागों में ई- ऑफिस के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर दिया।

नीट रिजल्ट विवाद पर एनटीए ने रिपोर्ट की समीक्षा के लिए बनाई अपर लेवल कमेटी

एजेंसी/नई दिल्ली

इस वर्ष आयोजित हुई देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा को लेकर विवाद बढ़ रहा है। विवाद की शुरूआत परीक्षा के आयोजन से ही शुरू हो गई थी। पहले परीक्षा लीक के आरोप लगे और रिजल्ट आने के बाद उसमें गड़बड़ी के आरोप लगने शुरू हो गए। हालांकि, एनटीए ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा था कि परीक्षा सुचारू रूप से शुरू हुई और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। विवाद तेजी से तब बढ़ा जब, 4 जून को एनटीए ने नीट यूजी का रिजल्ट जारी किया। इस वर्ष रिकॉर्ड 67 उम्मीदवारों ने अखिल भारतीय रैंक - 1 हासिल की। रिजल्ट देखने के बाद कई अभ्यर्थियों ने अंकों में अनियमितता का आरोप लगाया। उनका कहना है कि इस अनियमितता के कारण ही शीर्ष 67 अभ्यर्थियों में एक ही केंद्र के 6 अभ्यर्थी शामिल हैं। यह आरोप अंकों में वृद्धि को लेकर लगाया गया। एनटीए ने किसी भी अनियमितता से इनकार किया और कहा कि छात्रों के उच्च अंक प्राप्त करने के पीछे एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में किए गए बदलाव और परीक्षा केंद्रों पर समय की बर्बादी के लिए दिए गए ग्रेस मार्क्स जैसे कुछ कारण हैं।

आईएमए जूनियर डॉक्टर्स बोले सीबीआई जांच हो

देशभर से इस मुद्दे पर टिप्पणियां आ रही हैं। आईएमए जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क ने एनटीए को पत्र लिखा और मामले की सीबीआई जांच की मांग की। पत्र में सभी छात्रों के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी मूल्यांकन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए पुनः परीक्षा का भी अनुरोध किया गया। मामले को तूल पकड़ता देख आखिरकार एनटीए ने सभी सवालों के स्पष्टीकरण के लिए 08 जून को एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया। इसमें सभी मुख्य सवालों पर स्पष्टीकरण दिया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा गया कि 'गड़बड़ी का जो मामला बताया जा रहा है, वो सिर्फ 6 सेंटर्स और 1600 उम्मीदवारों तक सीमित है। हमने एक्सपर्ट कमेटी बनाकर समीक्षा की थी। फिर से एक नई अपर लेवल कमेटी बनाई गई है, जो पहले की कमेटी (ग्रीवांस रीड्रेसल कमेटी) की रिपोर्ट की समीक्षा करेगी। समिति एक हफ्ते के अंदर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। उसके बाद फैसला लिया जाएगा।'

ग्रेस मार्क्स से पास हुए सिर्फ 50 प्रतिशत उम्मीदवार: शिक्षा सचिव ने कहा कि '1563 उम्मीदवारों को नीट में ग्रेस मार्क्स मिले। इनमें से 790 उम्मीदवार ग्रेस मार्क्स से क्वालिफाई हुए हैं। बाकी सभी के मार्क्स या तो निगेटिव में ही रहे या वो पास नहीं हो सके। ओवरऑल पर कोई फर्क नहीं पड़ा है। ग्रेस मार्क्स अलग-अलग होता है। आंसरिंग एफिशिएंसी वगैरह के आधार पर।

एनटीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हमें इस मुद्दे पर एक अभ्यावेदन भी मिला, जिसके कारण एनटीए को उन सभी छात्रों को पांच अंक देने पड़े जिन्होंने दो विकल्पों में से एक को चिह्नित किया था। इस कारण से कुल 44 छात्रों के अंक 715 से बढ़कर 720 हो गए, जिसके परिणामस्वरूप टॉपर्स की संख्या में वृद्धि हुई। नीट का पेपर 720 नंबर का होता है। हर सवाल चार नंबर का होता और गलत उत्तर पर एक अंक की नेगेटिव मार्किंग होती है। कोई छात्र अगर सभी सवाल सही करता है तो उसके पूरे 720 में से 720 आते हैं और अगर एक सवाल छोड़ देता है तो उसके 716 अंक आएंगे। ऐसे में तर्क दिया गया कि किसी भी छात्र के 718 और 719 अंक आना असंभव है। इसपर एनटीए की तरफ से कहा गया, "Loss of Time के क्राइटीरिया के आधार पर कंपेनसेटरी मार्क्स दिए गए हैं। इसलिए, उम्मीदवारों के अंक 718 या 719 भी हो सकते हैं।

नोटः विवाद संबंधित खबरें देखें पेज सात पर भी

पीएम के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर दिल्ली में धारा 144 लागू

एजेंसी/नई दिल्ली

देश में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनने जा रही है। रविवार की शाम सवा सात बजे नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। इसको लेकर दिल्ली में शपथ ग्रहण की तैयारियां तेज हो गई हैं। राष्ट्रीय राजधानी को किले में तब्दील कर दिया गया है। पूरी दिल्ली को नो फ्लाइंग जोन घोषित कर दिया गया है। इसके साथ ही 9 और 10 जून को दिल्ली में धारा-144 लागू रहेगी। राष्ट्रपति भवन के आसपास एनएसजी कमांडो, ड्रोन और स्नाइपर की तैनाती की गई है। वहीं, राष्ट्रपति भवन की सुरक्षा के लिए अर्धसैनिक बलों की पांच कंपनियां तैनात होंगी। इसके साथ ही कमांडो, ड्रोन और स्नाइपर की तैनाती भी होगी। इस बार शपथ ग्रहण समारोह में कई देशों के शीर्ष नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। ऐसे में शपथ ग्रहण को लेकर लीला, ताज, आईटीसी मौर्या, जैसे होटलों को पहले ही सुरक्षा घेरे में ले लिया गया है।

ज्यादा दिन नहीं चलेगी एनडीए सरकार, पार्टी छोड़ सकते हैं कई बीजेपी नेता: ममता बनर्जी

एजेंसी/कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को टीएमसी नेताओं और चुने गए सांसदों की मीटिंग में कहा कि विपक्षी दल इंडिया ने भले ही सरकार बनाने का दावा पेश न किया हो, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कल भी ऐसा नहीं होगा। उन्होंने लोकसभा में पार्टी की रणनीति पर चर्चा के लिए टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं और सांसदों की बैठक के बाद यह बात कही।

ममता बनर्जी ने कहा कि ये सरकार ज्यादा दिन नहीं चलेगी। ममता बनर्जी ने दावा करते हुए कहा, कुछ ही दिनों में कई बीजेपी के नेता पार्टी छोड़ सकते हैं। कई बीजेपी के नेता बहुत परेशान और नाखुश है। ये सरकार अधिक दिन नहीं चलेगी। ममता बनर्जी ने कहा कि देश को बदलाव की जरूरत है। पूरा देश बदलाव चाहता है। यह जनादेश बदलाव के लिए ही था। हम इंतजार कर रहे हैं और पूरी स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। टीएमसी मुखिया ने आगे कहा कि यह जनादेश नरेंद्र मोदी के खिलाफ था, इसलिए उन्हें इस बार प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहिए। किसी और को पीएम पद का पदभार संभालने देना चाहिए था। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने कहा कि पार्टी नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं होगी और उन्होंने इसे असंवैधानिक और अवैध करार दिया। ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा अलोकतांत्रिक और अवैध तरीके से सरकार बना रही है।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को फिर चुना गया पार्टी संसदीय दल का का प्रमुख

नरेंद्र मोदी ने नेतृत्व करने का अधिकार खो दिया है: सोनिया गांधी

- कार्य समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर राहुल गांधी से लोकसभा में नेता विपक्ष की जिम्मेदारी संभालने का किया गया आग्रह

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को शनिवार को एक बार फिर से पार्टी संसदीय दल का का प्रमुख चुना गया। संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में हुई कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोनिया गांधी को सीपीसी प्रमुख नियुक्त करने का प्रस्ताव पेश किया जिसका पार्टी के सांसदों ने सर्वसम्मति से अनुमोदन किया। सोनिया गांधी को सीपीसी प्रमुख चुने जाने से पहले पार्टी की कार्य समिति की बैठक में

सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर राहुल गांधी से आग्रह किया गया कि वह लोकसभा में नेता विपक्ष की जिम्मेदारी संभालें।

सीपीपी की अध्यक्ष चुने जाने के बाद सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर करारा प्रहार किया और कहा कि लोकसभा चुनाव में मोदी की राजनीतिक और नैतिक हार हुई है और उन्होंने नेतृत्व करने का अधिकार खो दिया है। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि संसद के सेंट्रल हॉल में कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोनिया गांधी को सीपीपी प्रमुख नियुक्त करने का प्रस्ताव पेश किया, जिसका पार्टी के तीन सांसदों गौरव गोगोई, तारिक अनवर और के. सुधाकरन ने अनुमोदन किया। फिर से सीपीपी प्रमुख चुने जाने पर सोनिया ने पार्टी नेताओं का आभार जताया और कहा कि कांग्रेस ने इस चुनाव में अपनी दृढ़ता का परिचय दिया है। सोनिया गांधी ने दावा भी किया कि लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी की राजनीतिक और नैतिक हार हुई है और ऐसे में उन्होंने न सिर्फ जनादेश बल्कि नेतृत्व करने का अधिकार भी खो दिया है। सोनिया ने कहा, 'देश की जनता ने विभाजन की राजनीति और तानाशाही को खारिज करने के लिए निर्णायक वोट दिया है। उन्होंने संसदीय राजनीति को मजबूत करने और संविधान की रक्षा के लिए मतदान किया।

केसी त्यागी का खुलासा... इंडी गठबंधन ने नीतीश को पीएम पद का दिया था ऑफर

केटी न्यूज/पटना

देश में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनने जा रही है। रविवार की शाम नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। हालांकि शपथ ग्रहण से पहले जेडीयू ने बड़ा दावा कर दिया है। जेडीयू नेता केसी त्यागी ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि इंडी गठबंधन ने नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री पद का ऑफर किया था लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया है।

दरअसल, लोकसभा चुनाव की मतगणना के बाद जैसे ही रूझान आने शुरू हुए, तब यह चर्चा होने लगी थी कि इंडी गठबंधन की तरफ से नीतीश कुमार को उप

प्रधानमंत्री बनाने का ऑफर दिया गया है। कहा जा रहा था कि शरद पवार ने नीतीश कुमार से फोन पर बात की है। इस खबर के सामने आने के बाद सियासी हलचल तेज हो गई थी। अब जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने खुलासा किया है कि इंडी गठबंधन की तरफ से नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री पद का ऑफर दिया गया था। लेकिन उन्होंने इससे सीधे तौर पर इनकार कर दिया। केसी त्यागी ने एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा कि नीतीश ने विपक्षी खेमे से मिलने वाले किसी भी तरह के ऑफर को सिरे से नकार दिया है। वरना प्रपोजल तो यहां तक आए थे कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बन जाएं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के पास ऐसे ऑफर उन लोगों की तरफ से आ रहे हैं, जिन्होंने कभी नीतीश को इंडी गठबंधन का संयोजक बनाने से इनकार कर दिया था। त्यागी ने कहा कि हमलोग इंडी गठबंधन के जन्मदाता थे। अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी जैसे लोग कांग्रेस के साथ मंच साझा करने को तैयार नहीं थे। लेकिन नीतीश कुमार सभी को एक मंच पर ले आए। जिस तरीके का व्यवहार उनके साथ किया गया, जिसका नतीजा हुआ कि जेडीयू इंडी गठबंधन से बाहर आ गई और एनडीए का हिस्सा बन गई।

त्यागी ने विपक्ष के नेता का नाम बताने से किया इनकार

विपक्ष का वह नेता कौन है जिन्होंने नीतीश कुमार को अपने साथ लाने के लिए उनसे संपर्क साधा था? इस सवाल पर केसी त्यागी ने कहा कि राजनीति में नाम बताना ठीक नहीं है। लेकिन विपक्ष के सभी बड़े नेता नीतीश कुमार से बात करना चाहते थे। ऐसे में जेडीयू ने तय किया कि अब पीछे मुड़कर झांकने का कोई सवाल नहीं है। हमने फैसला लिया है कि हम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए को मजबूत करेंगे।

कांग्रेस को कुछ नहीं मिला, तो अंगूर खट्टे लगने लगे: ललन

पटना। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे सामने आते ही विपक्ष एनडीए पर लगातार हमलावर है। विपक्ष का कहना है कि 400 पार का नारा लगाने वाली बीजेपी की सीटें पहले की तुलना इस बार कम हो गई हैं। जिसके कारण अपने दम पर बीजेपी सरकार नहीं बना सकती। सरकार बनाने के लिए उसे घटक दलों का सहारा लेना ही पड़ेगा। बिना घटक दलों का सहारा लिये नरेंद्र मोदी का प्रधानमंत्री बनना मुश्किल है। विपक्ष का यह भी कहना है कि सरकार बनाने में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। एनडीए पर लगातार हमले को लेकर जनता दल यूनाईटेड के मुंगेर सांसद ललन सिंह ने विपक्ष पर पलटवार किया है। ललन सिंह ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। कहा कि जब कांग्रेस को कुछ नहीं मिला, तो अंगूर खट्टे लगने लगे। वहीं पत्रकारों ने जब ललन सिंह पूछा कि क्या अब बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिल जाएगा? पत्रकारों के सवाल पर कन्नी काटते हुए मुंगेर सांसद ने कहा कि इसके बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ही बात कर लीजिए।

खबरें फटाफट

डेढ़ करोड़ रुपए का नकली कीटनाशक और क्लीनर बरामद

पटना। पूर्णिया में डेढ़ करोड़ का नकली कीटनाशक और बाथरूम क्लीनर जब्त किया गया है। घर में नकली बाथरूम क्लीनर बनाने का गोरख धंधा चल रहा था। छापेमारी होते ही धंधेबाज और उसकी पत्नी भाग निकले। मामला रूपौली थाना क्षेत्र के बिरौली बाजार का है। बायर कॉर्प साइंस लिमिटेड कंपनी के लीगल टीम ने करीब तीन महीने तक रेकी की। इसके बाद बिरौली बाजार मील चौक स्थित एक बंद घर में रेड कर लगभग डेढ़ करोड़ का नकली कीटनाशक और बाथरूम क्लीनर जब्त किया। लीगल टीम लीडर रंजीत कुमार ने बताया कि डुप्लीकेट 100 ग्राम का कीटनाशक बाजार में धड़ल्ले से बेचे जाने की शिकायत मिल रही थी। इसके खुलासे के लिए कंपनी के वरीय अधिकारी से बात कर एक टीम बनाई गई। टीम ने लगातार तीन महीने तक रेकी की। पुष्टि के बाद जैसे ही टीम को इस बात की भनक लगी कि कंपनी का कीटनाशक बिरौली बाजार के मील चौक स्थित सकील आलम के घर में तैयार हो रहा है। मामले की लिखित शिकायत जिला कृषि पदाधिकारी को दी। डीएओ ने सहायक निदेशक पौधा संरक्षण जय किशन कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित कर कार्रवाई की गई।

शराब तस्करों ने पैंथर पुलिस टीम पर चलाई गोली

पटना। बिहार के मधुबनी से एक सनसनीखेज मामला निकल कर सामने आया है। जहां कलुआही थानाक्षेत्र में शराब तस्करों ने पुलिस की पैंथर टीम के दो जवानो को गोली मार दी है। इस घटना में गोली लगने से घायल दो जवानों में से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, घायल जवान महमूद के सिर में गोली लगी है। जबकि राहुल के पैर में गोली लगी है। इस घटना के बाद दोनों को मधुबनी लाया गया है। जहां दोनों का इलाज किया जा रहा है। पुलिस शराब तस्करों की गिरफ्तारी में जुटी हुई है। घटना कलुआही थानाक्षेत्र के नरार ट्रेनिंग चौक के समीप की है। जहां गोली से घायल होने वाले दोनों जवान पैंथर टीम के जयनगर थाना के बताए जा रहें हैं।

पटना के एजी कॉलोनी मार्केट स्थित एक मकान के कमरे से मिला शव

दोस्त के घर पार्टी करने गए एसआई के बेटे की हत्या, दोस्तों पर ही जान लेने का है शक

- मृतक आर्यन राज दोस्त के यहां बर्थ डे पार्टी की बात कह निकला था घर से, अगले दिन मिली लाश

केटी न्यूज/पटना

राजधानी पटना में बिहार पुलिस मुख्यालय में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी की बेटे की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मामला पटना के शास्त्री नगर थाना क्षेत्र के एजी कॉलोनी मार्केट स्थित एक मकान के कमरे से शव बरामद हुआ है। बताया जा रहा है कि मृतक 18 वर्षीय आर्यन राज के पिता बिहार पुलिस मुख्यालय में एसआई के पद पर पदस्थापित हैं। मृतक अपने माता पिता के साथ पटेल नगर स्थित घर में साथ रहता था और डीएवी का छात्र था।

इस मामले में सचिवालय डीएसपी 2 साकेत कुमार ने बताया कि शुक्रवार को मृतक आर्यन राज घर में परिजनों को दोस्त के यहां बर्थ डे पार्टी की बात कह कर निकला था। जिसके सुबह तक नही घर पहुंचने के बाद उसके मोबाइल पर लगातार संपर्क साधा जा रहा था। किसी अनहोनी की आशंका से परिजनों द्वारा

पुलिस को इसकी सूचना दी गई। तकनीकी अनुसंधान से लोकेशन का पता चला। जहां पहुंचने पर एक कमरे में एएसआई श्याम रंजन सिंह के पुत्र आर्यन राज का बरामद हुआ। पुलिस की मानें तो कमरे के मुख्य दरवाजे पर ताला लगा था जिसको तोड़कर पुलिस अंदर दाखिल हुई। घटना स्थल पर कमरे से पुलिस ने अवैध शराब की खाली बोतल, यूज किया गया कंडोम और अपत्तिजनक सामान बरामद किया है। प्रारंभिक तौर पर पुलिस का कहना है कि रूम में पार्टी था और पार्टी के दौरान हुए विवाद में आर्यन राज की हत्या गला दबा कर किया गया है। डीएसपी ने कहा कि शुक्रवार की रात कमरे में तीन से चार अन्य लोगों के साथ एक महिला भी थी। आर्यन राज के एक दोस्त ने किराए पर कमरा ले रखा है।

पटना में भूमि विवाद को लेकर पोते ने ली दादा की जान

पटना। राजधानी पटना में एक युवक ने अपने चचेरा दादा की गोली मारकर हत्या कर दी। जमीनी विवाद को लेकर दोनों के बीच विवाद हुई था। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी पोते ने दादा के चेहरे पर गोली दाग दी। घटना फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के रानीपुर की है। मृतक की पहचन रानीपुर निवासी मंगरू पासवान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मंगरू पासवान फुलवारी शरीफ नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष चेतन पासवान के भाई थे। बताया जा रहा है कि मंगरू पासवान का उनके चचेरे भतीजे सुनील पासवान के साथ जमीन का विवाद चल रहा था। जमीनी विवाद को लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। इसी विवाद को लेकर दोनों पक्ष के बीच मारपीट हुई थी और मारपीट के दौरान ही मगरू पासवान के भतीजे सुनील पासवान ने उन्हें गोली मार दी। आनन-फानन में घायल मंगरू यादव को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी मौत हो गई।

दो इंच जमीन को लेकर गोलीबारी एक की मौत, दो घायल

पटना। समस्तीपुर में दो इंच जमीन को लेकर हुई पंचायत के बाद गोलीबारी हुई है। जिसमें एक शख्स देवनारायण राय की मौत हो गई है, जबकि इनके बेटे सुरेन्द्र राय और रिश्तेदार मुलायम सिंह घायल हैं। दोनों का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। मुलायम सिंह एबीवीपी के नगर मंत्री हैं। बताया जा रहा है कि जमीन विवाद में गोलीबारी की वारदात को अंजाम दिया गया है। पूरा विवाद सिर्फ 1 फीट की मेड़ को लेकर था, जिसके लिए शुक्रवार को पंचायत बुलाई गई थी। शनिवार को देवनारायण जमीन पर पिलर गाड़ने पहुंचे थे। इस दौरान दूसरा पक्ष भी पहुंच गया। पहले धक्का-मुक्की हुई, फिर विकास नाम के लड़के ने घर से पिस्टल लाकर फायरिंग शुरू कर दी। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र जितवारपुर चौथ पंचायत भवन के सामने की है। एएसपी संजय पाडे ने कहा कि जितवारपुर गांव में देव नारायण यादव का परिवार और विकास यादव का परिवार आसपास रहते हैं। स्थानीय मुखिया ने जमीन को लेकर पंचायती की थी। दोनों पक्षों में आपस में सहमती हो गई थी। शनिवार को पीलर गाड़नी थी। दोनों पक्ष साथ में थे, इसी क्रम में दोनों ओर से कहासुनी हो गई और यह घटना घटी।

एनएसएमसीएच के डॉक्टरों ने किया कमाल

ईआरसीपी के जरिए पित्ताशय की पथरी का किया सफल ऑपरेशन

केटी न्यूज/ पटना

पटना से सटे बिहटा के अमहरा स्थित नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एनएसएमसीएच) में पहली बार ईआरसीपी (एंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कोलेंजियोपैंक्रेटोग्राफी) द्वारा पित्त पथरी और पित्त नली का सफल ऑपरेशन किया गया। आरा के नवादा निवासी 22 वर्षीय अमन कुमार के लिवर में संक्रमण होने के कारण पित्त की नली एवं लिवर में मवाद भर गया था। जिसके कारण पेट में सूजन, पेट खराब होना, अपच और पेट के ऊपरी दाहिने हिस्से में अचानक या तेजी से तेज दर्द शुरू हो गया था। जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए एनएसएमसीएच में भर्ती करवाया गया था। जिसके बाद सर्जन डॉ अमितेश, डॉ पुलक तोष, दानिस ने उनका इलाज शुरू किया। जांच रिपोर्ट में पाया गया कि लिवर में संक्रमण है। सक्रमण से निकलने वाली पस पित्त की नली एवं लिवर में जमा हो गया है। जिसके बाद टीम ने मुंह के रास्ते एंडोस्कोपिक विधि का प्रयोग कर सफल सर्जरी की।

सर्जन डॉ अमितेश ने बताया कि पित्ताशय की पथरी बहुत आम बीमारी है लेकिन अगर समय से इलाज न किया जाए, तो यह जीवन-घातक स्थितियों को जन्म दे देती है। इसकी चेतावनी के लक्षण हैं सूजन, पेट में परेशानी या पेट खराब होना, अपच। कॉलेज के मैनेजिंग डायरेक्टर कृष्ण मुरारी सिंह ने सफल सर्जरी करने वाले डॉक्टरों की टीम को शुभकामनाएं दी हैं।

एग्जिट पोल की आड़ में शेयर बाजार में हुए 30 लाख करोड़ रु. के घोटाले की हो जांच: दीपंकर

केटी न्यूज/पटना

भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने एनडीए पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल की आड़ में 30 लाख करोड़ रुपए का एक बड़ा घोटाला सामने आया। चुनाव परिणाम के बाद शेयर बाजार काफी गिरा। इससे छोटी कंपनियों को काफी नुकसान हुआ और विदेश कंपनियों को फायदा हुआ। इसकी जांच ज्वाइंट पार्लियामेट्री कमेटी द्वारा करवानी चाहिए। उन्होंने मोदी और शाह पर आरोप लगाया कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री और गृह मंत्री शेयर खरीदने की बात कर रहे थे। इसके बाद लोग शेयर खरीदने लगते हैं। चार जून को जब परिणाम आया तो लोगों को काफी नुकसान हुआ। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र द्वारा अग्निवीर भर्ती योजना को तत्काल वापस लेने की मांग की। युवाओं के बीच आज भी

अग्निवीर योजना को लेकर काफी आक्रोश है। केंद्र सरकार इसपर विचार करे।

कहा कि केंद्र को जाति जनगणना कराने और राज्य के समग्र विकास के लिए बिहार को विशेष श्रेणी का दर्जा देने की भारत गुट की मांग पर विचार करना चाहिए। सीएम नीतीश कुमार को लेकर जो बातें हुई वह काफी दुखद है। नरेन्द्र मोदी से जाति जनगणना, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा जैसी गारंटी नीतीश कुमार को लेनी चाहिए। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की पार्टी की मांग के बारे में बताते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि केंद्र की एनडीए सरकार को बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देना चाहिए। हमें उम्मीद है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जो एनडीए गठबंधन का हिस्सा हैं, इस पर दबाव डालेंगे। बिहार को विशेष दर्जा देने से राज्य को तेज गति से विकास करने में मदद मिलेगी, इससे अधिक रोजगार भी पैदा होगा और राज्य में निवेश को भी आमंत्रित किया जा सकेगा।

कांस में भोजपुरी सिनेमा का प्रतिनिधित्व करने वाली फिल्म अग्निसाक्षी का ट्रेलर रिलीज

चिंटू के फैंस को अग्निसाक्षी का बेसब्री से इंतजार

केटी न्यूज/मुंबई

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार प्रदीप पांडेय चिंटू एक बार फिर चर्चा में हैं। उनकी आगामी फिल्म अग्निसाक्षी का ट्रेलर शनिवार को रिलीज हुआ। इसे दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। कांस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 में भोजपुरी सिनेमा का प्रतिनिधित्व करने वाली चिंटू की इस फिल्म को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है। फिल्म अग्निसाक्षी का पहला लुक पोस्टर फ्रांस के नीस सिटी कांस फिल्म फेस्टिवल में लॉच किया गया था। अब इस फिल्म का ट्रेलर देसी धुन यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है। फिल्म के निर्माता - निर्देशक- राजकुमार आर पांडेय हैं।

ट्रेलर में प्रदीप पांडेय चिंटू का जबरदस्त एक्शन और इमोशनल ड्रामा देखने को मिल रहा है। फिल्म की कहानी एक ऐसे युवक की है जो समाज में फैली बुराइयों के खिलाफ लड़ाई लड़ता है। ट्रेलर में बेहतरीन डायलॉग्स, दमदार एक्शन सीक्वेंस और इमोशनल सीन दर्शकों को बांधे रखने में कामयाब होते हैं। फिल्म में प्रदीप पांडेय चिंटू के साथ भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री अक्षरा सिंह और तनुश्री नजर आ रही हैं। इसके अलावा, फिल्म में न्यू लॉन्चिंग-राज सिंह राजपूत, आकाश यादव, विपिन सिंह, ग्लोरी महानता, मनोज द्विवेदी, लाखन भारद्वाज पंडित, उदय श्रीवास्तव, प्रिया पांडेय, के के गोस्वामी, शकीला मजीद, मंटू लाल, सुमित सिंह श्रीनेत्रा अजीत मंडल, ओम साव, जे नीलम तथा सुपर टैलेंटेड एक्टर संजय पांडेय कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं, जो कहानी को और भी अधिक रोमांचक बनाते हैं।

ट्रेलर लॉन्च के बाद से ही सोशल मीडिया पर इसे लेकर खूब चर्चा हो रही है। दर्शकों और चिंटू के फैंस को फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। कांस फिल्म फेस्टिवल में प्रदीप पांडेय चिंटू की उपस्थिति ने भोजपुरी सिनेमा को एक नई पहचान दिलाई है, और अब अग्निसाक्षी से भी इसी तरह की उम्मीदें हैं। अग्निसाक्षी का ट्रेलर न सिर्फ भोजपुरी बल्कि अन्य भाषाओं के दर्शकों को भी आकर्षित कर रहा है। फिल्म की कहानी, निर्देशन और अभिनय की बेमिसाल झलकियां ट्रेलर में देखने को मिली हैं, जो फिल्म की सफलता का संकेत दे रही हैं।

फिल्म के कैमरामैन देवेंद्र तिवारी, गीत-संगीत राजकुमार आर पांडेय और पीआरओ रंजन सिन्हा हैं। कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी और मनोज गुप्ता हैं। एक्शन प्रदीप खड़का, आर्ट शेरा, प्रोडक्शन हेड महेश उपाध्याय, प्रोडक्शन कंट्रोलर आशीष दुबे और प्रोडक्शन मैनेजर मुकेश तिवारी हैं। सहायक निर्देशक अजय सिवान, सोनू सिंह, राजन सोनी हैं।

चौसा नपं के वार्ड 10 को शीघ्र मिलेगी जलजमाव से मुक्ति, ईओ ने किया मुआयना

♦ नगर पंचायत के वार्ड दस में गंभीर हो चुकी है जलजमाव की समस्या

केटी न्यूज/चौसा

चौसा नगर पंचायत के वार्ड दस में गंभीर बन चुकी जलजमाव की समस्या का शीघ्र समाधान होने वाला है। शनिवार को नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी आमिर सुहैल ने जलजमाव वाले इलाके का मुआयना किया। उन्होंने कहा कि जल निकासी के लिए शीघ्र कारगर कदम उठाए जाएंगे। कार्यपालक पदाधिकारी के संज्ञान लेने के बाद ग्रामीणों में इस बात की उम्मीद जगी है कि जल्दी ही अब उन्हें जलजमाव से मुक्ति मिलेगी।

बता दें कि चौसा नपं के वार्ड दस दलित व पिछड़े वर्ग का मुहल्ला है, जहां जल जमाव की समस्या गम्भीर बन चुकी है। बारिस होने पर इस मुहल्ले के लोगों का जीना मुहाल हो जाता है। विगत वर्ष जल जमाव से लोगों के घरों में बारिस व नाली का पानी जमा हो गया था। जिससे उनकी परेशानियां बढ़ गई थी। इसके लिए नगर पंचायत द्वारा पम्पिंग सेट के माध्यम से पानी निकासी करा लोगों को तत्काल राहत दी गई थी। लेकिन इसका स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सका। जिस कारण कुछ दिनों के बाद फिर से उक्त इलाके में लोगों के घरों से निकलने वाला नाली का पानी जमा हो गया। इधर नए कार्यपालक पदाधिकारी के आने के बाद आचार संहिता लागू हो गया था। अब आचार संहिता खत्म होने के बाद इस समस्या की पहल प्रारम्भ कर दी गई है। जहा ईओ अमीर सुहैल, वार्ड पार्षद आनन्द रावत, कनीय अभियंता व वार्ड पार्षद प्रतिनिधि रिजवान खान द्वारा निरीक्षण किया गया। जहां निरीक्षण के दौरान ईओ ने स्थल का जायजा लेने के बाद बरसात से पूर्व पक्के नाले निर्माण कराने की बात कही है। साथ ही तत्काल कनीय अभियंता को निर्देशित करते हुए कहा इसकी प्राक्कलन बनाया जाय, ताकि निर्माण कार्य प्रारम्भ हो सके। जिससे इस वार्ड की मुख्य समस्या का निदान हो सकें।

डीपीआर बनाने का दिया गया निर्देश

कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि जानकारी के बाद वार्ड की समस्या स्थल का निरीक्षण किया गया। जिसका बरसात से पूर्व इसका निदान निकाला जा सके। उन्होंने बताया कि कनीय अभियंता को प्राक्कलन बनाने का निर्देश दिया गया है। बहुत जल्द निवारण निकाला जाएगा।

एक नजर

प्रधामंत्री पोषण योजना के तहत रसोइयों को मिली साफ, स्वच्छ एवं शुद्ध भोजन बनाने की जानकारी

बक्सर। प्रखंड संसाधन केंद्र पर शनिवार को प्रधामंत्री पोषण योजना अंतर्गत प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों का एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें साफ तौर स्वच्छ व शुद्ध पोषण बनाये जाने हेतु जानकारी दी गई। प्रशिक्षणकर्मी मध्यान्ह भोजन योजना प्रखण्ड साधन सेवी मनीष कुमार व पप्पू कुमार द्वारा रसोइयों को बताया गया कि बच्चों को हर हाल में गुणवत्तापूर्ण पोषक तत्वों से भरपूर भोजन मिलना चाहिए। इसके लिए हमें खास तौर पर विशेष साफ सफाई की पहलुओं पर ध्यान देने की जरूरत है। इस कार्य में लगे रसोइयों को अपने नाखून को नियमित रूप से काटे, अपने हाथ पैर और मुंह को साबुन से धोकर सुखा कपड़े से पोछे, खाना बनाने से पूर्व बालों को ठीक से बांध ले, एप्रन एवं टोपी या सूती कपड़े पहने, कांच की चूड़ी एवं अंगूठी का कम उपयोग करें। रसोई घर के आसपास किसी प्रकार का कूड़े का ढेर नहीं होना चाहिए। आने वाले बरसात के दिनों में काफी साफ सफाई होना चाहिए। बनने वाले खाद्य सामग्री का भी सही तरीके से प्रबंध होना चाहिए। खाने वाली सभी वस्तुओं के उपयोग से पहले उसके एक्सपायरी डेट का ध्यान रखना है। भोजन पकाते समय सरसों तेल एवं अन्य किसी प्रकार का तेल का सही तरीके से उपयोग करेंगे। भंडारण से संबंधित कई बिंदुओं पर जानकारी दी गई। अगर रसोई गैस पर खाना बनाते हैं तो खाना बनाने के बाद इसके रेगुलेटर को जरूर बंद करें। इस प्रशिक्षण में बीआरसी के अरविंद कुमार सिंह व सभी रसोईयां उपस्थित रही।

सदर अस्पताल के विद्युत पैनल में लगी आग, बिजली आपूर्ति नहीं होने से ओपीडी सेवा बाधित

बक्सर। शनिवार को सदर अस्पताल में एक भीषण हादसा टल गया। अस्पताल के तीसरे तल्ले पर स्थित विद्युत पैनल में आग लगने से अस्पताल कर्मियों तथा मरीजों में अफरा तफरी मच गई। विद्युत पैनल में आग लगने से करीब 40 मीटट तक ओपीडी सहित कई अन्य कार्य ठप रहे। जिस कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पैनल में आग लगने से सुरक्षा के लिहाज से सदर अस्पताल में विद्युत सप्लाई पैनल से बंद कर दिया गया था। जिससे भीषण गर्मी में मरीजों के साथ कर्मियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान तेज धूप में रजिस्ट्रेशन के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे मरीजों को परेशानी को काफी पड़ा। कड़ी धूप व गर्मी में उन्हें रजिस्ट्रेशन के लिए इंजतार करना पड़ा। वहीं पैथोलॉजी लैब में विद्युत आधारित संचालित होने वाले मशीनों के बंद हो जाने से पैथोलॉजी जांच भी प्रभावित रहा। वहीं गर्मी के कारण लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। वहीं विद्युत की कटौती के कारण लगभग 40 मिनट तक सदर अस्पताल परिसर में अव्यवस्था व अंधेरा कायम हो रहा। विद्युत आधारित सभी कार्य प्रभावित हो गये थे। सदर अस्पताल के तीसरे तल्ले पर पैनल में अचानक आग लग गई तथा धुंआ निकलने लगा। जिसके बाद आनन-फानन में मेन पैनल से बिजली की सप्लाई बंद कर दिया। जिसके बाद सदर अस्पताल के मैकेनिक ने पहुंच कड़ी मशक्कत के बाद मरम्मत किया। इस दौरान ओपीडी के साथ ही जांच तथा दवा वितरण प्रभावित रहा। ऑल लाइन जांच सदर अस्पताल में मारीजों की इन दिनों हो रही है। जिसके कारण ऑन लाईन व्यवस्था ही प्रभावित हो गया था। जिससे मरीजों का इलाज भी काफी देर तक नहीं हो सका। ऑन लाईन नहीं होने के कारण इलाज रूक गया था।

खबरें फटाफट

जालसाजी के आरोप में दो पर केस दर्ज

डुमरांव। पैसा लेकर गाड़ी नही देने पर दो लोगों के खिलाफ जालसाजी का मामला दर्ज किए जाने का मामला सामने में आया है। इस मामले में पीड़ित चक्की गांव निवासी स्व कमलेश यादव के पुत्र प्रज्जवल यादव ने डुमरांव थाने में मामला दर्ज कराया है। पीड़ित ने पुलिस को दिये गये आवेदन में बताया है कि वह सपरिवार स्थानीय स्टेशन रोड स्थित एक किराये के मकान में रहता हूं। पिछले दिनों बक्सर के बाइपास रोड निवासी राजू मिश्रा के पुत्र पवन कुमार मिश्रा और अमन कुमार मिश्रा के साथ गाड़ी खरीद-बिक्री को लेकर बातचीत हुई। गाड़ी खरीदने के लिए मैं पवन कुमार मिश्रा के खाते में 8.60 लाख रुपये दिया। बावजूद अब तक गाड़ी नही दी गयी। गाड़ी या अपने पैसे वापस मांगने पर पैसा नही देने की बात कह धमकी दी जा रही है। थानाध्यक्ष अनीषा राणा ने बताया कि पीड़ित के आवेदन पर मामला दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

नशे में हंगामा करते एक पकड़ाया

डुमरांव। स्थानीय पुलिस ने शहर के जंगल बाजार मोहल्ले से नशे की हालत में हंगामा करते एक शराबी को पकड़ा है। पकड़े गये आरोपी की मेडिकल जांच करायी गयी, जिसमें डॉक्टरों ने शराब पीने की पुष्टि की। आरोपी की पहचान जंगल बाजार निवासी शेखर कुमार के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी अनीषा राणा ने बताया कि गश्ती के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी शराब पीकर हंगामा कर रहा है। आरोपी के खिलाफ मद्य निषेध का मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

अनियंत्रित ट्रैक्टर ने छात्र को मारी टक्कर

नावानगर। स्थानीय थाना क्षेत्र के भटौली रोड़ स्थित मुस्कान चिमनी के पास अनियंत्रित ट्रैक्टर ने साइकिल सवार छात्र को धक्का दे दिया। धक्का लगने से किशोर छात्र गंभीर रूप से जख्मी हो गया। किशोर छात्र पडरिया गांव निवासी सौदागर अंसारी का बेटा मु मेराज बताये जा रहा है। जानकारी के अनुसार प्रतिदिन की तरह शनिवार की सुबह पड़रिया गांव निवासी छात्र साइकिल पर सवार होकर नावानगर कोचिंग में पढ़ने आ रहा था। जैसे ही वह भटौली रोड़ के मुस्कान चिमनी के पास पहुचा की एक अनियंत्रित ट्रैक्टर के चपेट में आ गया। जिससे छात्र गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

जिप अध्यक्ष का आरोप - डीडीसी नहीं सुनते हैं बात, फोन भी नहीं उठाते

विकास कार्यों में मनमानी पर जिप सदस्य आक्रोशित, डीडीसी ऑफिस का किया घेराव

♦ जिप सदस्यों ने कहा - एजेंसियों के साथ उप विकास आयुक्त का नहीं हो पाता समन्वय स्थापित

केटी न्यूज/बक्सर

विकास कार्यों को बाधित रखने तथा मनमानी पूर्ण रवैये के खिलाफ शनिवार को जिप सदस्यों ने उप विकास आयुक्त के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जिप सछसयों ने जिला उपविकास आयुक्त कार्यालय का घेराव किया गया गया। दर्जनों की संख्या में जिप सदस्यों ने कार्यालय के मुख्य गेट पर बैठ गए। सदस्यों ने कहा कि वर्ष 2022 में जब से उनका चुनाव हुआ है तब से लेकर आज तक विकास कार्यों को बाधित कर रखा गया है। जो भी एजेंसियां कार्य करती हैं उनके साथ उप विकास आयुक्त का समन्वय स्थापित नहीं हो पाता और विकास कार्य शुरू तक नहीं हो पाता है। सदस्यों ने आरोप लगाया कि डीडीसी कार्य एजेंसी से काम लेने के बदले उसपर अकारण दबाव बनाते है। जिससे काम शुरू नहीं हो पाता है। जिला परिषद अध्यक्ष सरोजा देवी का कहना है कि डीडीसी को फोन कर कार्यालय में बुलाया गया था। शनिवार को जिप के सभी सदस्य भी कार्यालय आए थे, ताकि उनसे वार्ता कर समस्या का समाधान किया जा सके। लेकिन जब उन्हें फोन किया गया, तो उन्होंने फोन उठाना भी मुनासिब नहीं समझा। इसलिए सभी सदस्यों ने निर्णय लिया कि डीडीसी के कार्यालय के बाहर बरामदे में नीचे बैठकर उनसे बातचीत करेंगे। हालांकि डीडीसी ने इन आरोपों को बे बुनियाद बताया है।

मंगलवार से चरणबद्ध आंदोलन करेंगे जिप सदस्य

विकास कार्यों में लापरवाही तथा धरना के बावजूद प्रशासन की उदासनीता से जिप सदस्यों का आक्रोश बढ़ गया है। जिप सदस्यों ने मंगलवार से चरणबद्ध आंदोलन करने का निर्णय लिया है। जिप सदस्य रिंकू यादव ने बताया कि मंगलवार से जिप सदस्य डीडीसी के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि जनता के लिए आए पैसो से विकास कार्य होना चाहिए, न कि अधिकारियों की लापरवाही से बिना उपयोग वह राशि लौट जाए। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आखिर जनता ने उन्हें चुनकर भेजा है तथा जनता और विकास कार्यों के प्रति उनकी ही जिम्मेवारी बनती है।

जिला परिषद सदस्य डॉ. राजीव ने बताया कि जनता जनप्रतिनिधियों से सवाल पूछती है और जनप्रतिनिधि जब उप विकास आयुक्त के यहां उन सवालों को लेकर आते हैं तो वह हमेशा टालमटोल भरा रवैया अपनाते हैं। ऐसे में आज कार्यालय कक्ष का घेराव किया गया है और जल्द ही कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला तो अनिश्चित कालीन धरना भी दिया जाएगा। वहीं बक्सर पश्चिमी के जिप सदस्य रिंकू यादव ने बताया कि तीन वर्ष में किसी भी जिप सदस्य के क्षेत्र में जिला परिषद के मद से विकास के नाम पर चवन्नी भी खर्च नहीं किया गया है। जबकि उनके कार्यकाल का आधे से अधिक समय बीत गया है। रिंकू ने कहा कि विकास योजनाओं का पैसा काम के बिना लौटा दिया जाता है। जिससे विकास कार्य बाधित होता है। उन्होंने डीडीसी पर इसका ठीकरा फोड़ते हुए कहा कि विकास कार्य को जानबूझकर बाधित किया जाता है। दोपहर एक बजे से लेकर शाम पांच बजे तक जिप अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सदस्य डीडीसी कार्यालय के बाहर बरामदे में बैठे रहे। जिप सदस्यों का कहना था कि इस धरने की सूचना के बावजूद भी वहां डीडीसी या अन्य कोई वरीय अधिकारी नहीं पहुंचे। जिससे धरना दे रहे जिप सदस्यों का आक्रोश गहरा गया है। जिप सदस्यों की मानें तो प्रशासन द्वारा बक्सर एसडीओ के ओएसडी को वार्ता के लिए भेज खानापूरी का प्रयास किया जा रहा था, जो जिप सदस्यों को मंजूर नहीं था। धरने में जिला परिषद अध्यक्ष सरोज देवी, उपाध्यक्ष नीलम देवी, गायत्री देवी, केदार यादव, धर्मेंद्र कुमार ठाकुर, अशोक राम, मोहम्मद अरमान के अलावा जिप सदस्य प्रतिनिधि मुर्तजा अंसारी, अशोक यादव, पूना साह, ब्रह्मेश्वर सिंह, सुग्रीव सिंह, रिंकू यादव, मनोज कुशवाहा तथा सुनील सिंह मौजूद थे।

क्वालिट कंट्रोल पदाधिकारी ने नहीं किया अब तक ज्वाइन

सरकार द्वारा बार बार कार्य एजेंसी बदल दिया जा रहा है। पहले लघु सिंचाई विभाग को कार्य कराने का जिम्मा सौंपा गया था। लेकिन, कुछ दिनों बाद सरकार ने ही एजेंसी बदल दी। कार्य सुचारू रूप से चले इसके लिए योजना विभाग के कार्यपालक अभियंता को जिम्मेदारी दी गई थी। लेकिन उन्होंने किसी भी कागजातों पर हस्तस्क्षर करने से इन्कार कर दिया। जिसे लेकर उन पर विभागीय कार्रवाई भी की गई है। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर मनरेगा को कार्य एजेंसी बनाया गया है। इसी बीच विभाग ने क्वालिटी कंट्रोल आरा को कार्य एजेंसी बनाया गया है। कई बार की सूचना के बाद भी अभी तक क्वालिट कंट्रोल आरा के पदाधिकारी यहां ज्वाइन करने भी नहीं आए है। उनसे लगातार पत्राचार किया जा रहा है। ताकि, योजनाओं का संचालन कराया जा सके।

– डॉ. महेन्द्र पाल, उप विकास आयुक्त, डीडीसी

सरकारी स्कूलों में अब जांच करेंगे आठ सदस्यीय अनुश्रवण कोषांग के सदस्य

केटी न्यूज/बक्सर

♦ अपर मुख्य सचिव के निर्देश पर डीईओ ने गठित की जिला स्तरीय कमिटी

अपर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग बिहार के पत्र के आलोक में जिले के विद्यालयों के अनुश्रवण के लिए जिला स्तरीय अनुश्रमण कोषांग का गठन किया गया है। अपर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग के निर्देश के आलोक में जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कोषांग से संबंधित पत्र निर्गत किया है। जो अपर मुख्य सचिव के दिए गए निदेशों का क्रियान्वयन करेगा।

जिला स्तरीय आठ सदस्यीय अनुश्रवण कोषांग का गठन किया गया है। उक्त कोषांग के नोडल पदाधिकारी मोहम्मद जिला कार्यक्रम पदाधिकारी शारीरिक अशरफ, प्रा० शिक्षा एवं समग्र शिक्षा अभियान बक्सर को नामित किया गया है। साथ ही कई अन्य पदाधिकारियों को जिला अनुश्रवण कोषांग में प्रतिनियुक्त किया गया है। जो अपने दायित्वों के साथ साथ अनुश्रवण कोषांग का भी कार्य करेंगे। उप प्रबंधक तकनीकी जिला अभियंत्रण कोषांग बक्सर, सहायक प्रबंधक तकनीकी जिला अभियंत्रण कोषांग, बक्सर ओम प्रकाश, जिला परियोजना प्रबंधक बक्सर, प्रोग्रामर कुन्दन राय, बीपीएम अमित कुमार गुप्ता, लेखापाल, बिहार शिक्षा परियोजना बक्सर प्रवेश कुमार कर्ण, कम्प्युटर ऑपरेटर कार्या जिला शिक्षा पदाधिकारी बक्सर रोहित कुमार मिश्रा, कम्प्युटर ऑपरेटर, बिहार शिक्षा परियोजना, बक्सर अजय कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी बक्सर शामिल है।

इन बिंदुओं पर करेंगे अनुश्रवण

: जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि विद्यालय में शिक्षक एवं बच्चों की संख्या के अनुरूप वर्ग कक्ष की उपलब्धता, ब्लैक बोर्ड, चॉक डस्टर सहित विद्यालय भवन के रंग-रोगन इत्यादि का भी अवलोकन किया जाएगा। विद्यालय में निमार्णाधीन असैनिक कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता, विद्यालय में किचेन शेड, गैस चूल्हा एवं थाली इत्यादि की उपलब्धता, छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय की उपलब्धता, शौचालय की साफ-सफाई एवं क्रियाशीलता को भी देखा जाएगा। पेयजल की सुविधा, यदि विद्यालय में बोरिंग कराया गया है तो उसकी क्रियाशीलता, वर्ग कक्ष में आवश्यक उपस्कर (बेंच डेस्क इत्यादि) की उपलब्धता एवं निर्धारित मापदंड के अनुसार उसकी गुणवत्ता संबंधित अन्य विद्यालय के लिए आवश्यक सुविधाओं की जांच करेगा जिसकी रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

चिंतनीय : राजपुर क्षेत्र में 20 फीट नीचे खिसका भूमिगत जल स्तर, गंभीर हुई पानी की समस्या

केटी न्यूज/राजपुर

♦ सिंचाई के लिए ट्यूबवेल चला किया जा रहा है भूमिगत जल का दोहन

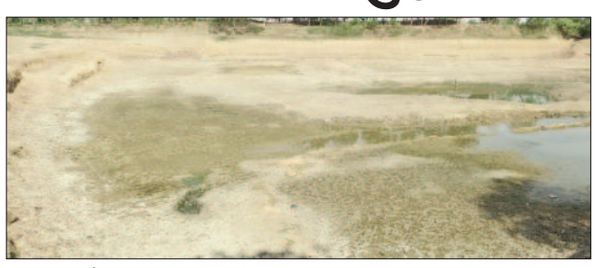

भीषण गर्मी व तापमान चढ़ने से राजपुर इलाके में भूमिगत जल तेजी से नीचे खिसका है। कई जगहों पर तो सामान्य दिनों की अपेक्षा भूमिगत जल स्तर 20 फीट तक नीचे खिसक गया है। जिस कारण क्षेत्र में पानी की समस्या गंभीर होने लगी है। वही ताल तलैयों के सूख जाने से पशु-पक्षियों को भी प्यास बुझाने के लिए भटकना पड़ रहा हैं। इधर रोहिणी नक्षत्र में किसान धान की नर्सरी तैयार करने के लिए मोटर पंप चला भूमिगत जल का दोहन कर रहे है। जिससे स्थिति और गंभीर होते जा रही है।

तेज धूप एवं अधिक तापमान की वजह से खेतों का पानी भी तेजी से सुख रहा है। किसानों की मानें तो खेत में पहले से नमी नहीं होने से सिंचाई करने में काफी समय लग रहा है। एक बीघा खेत की सिंचाई करने में लगभग दस से बारह घंटे तक लग रहा है। ऐसे में लगातार पानी का खिंचाव होने से भूमिगत जल स्तर काफी नीचे चला गया है। गर्मी व तेज धूप होने से तलाब, पोखरे पहले ही सुख चुके हैं। पिछले एक सप्ताह से लगातार पानी का खिंचाव होने से जल स्तर लगभग 20 फुट नीचे खिसक गया है। किसान मनोज सिंह, दिनेश यादव आदि ने बताया कि दस मिसिर तालाब का पानी गर्मी में भी नहीं सूखता था, लेकिन इस बार मछुआरों ने इस तालाब से मछली मारने के लिए पानी की निकासी कर दिया है। जिससे यह तालाब पूरी तरह से सुख गया है। जिससे जानवरों के लिए भी पानी पीने की समस्या हो गई है। राजपुर पश्चिमी क्षेत्र के खीरी, नागपुर, कजरिया, मंगराव, संगराव, रामपुर, निकृष, खरगपुरा सहित अन्य गांव में चापाकल धीरे-धीरे जवाब देना शुरू कर दिया है।

ग्रामीण त्रिवेणी पासवान, अखिलेश्वर साह, संजय सिंह, ओमप्रकाश सिंह, विनय पांडेय, महेंद्र मौर्य सहित अन्य लोगों ने बताया कि जलवायु में हो रहे परिवर्तन से धरती पर इसका बहुत ही प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जिसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने अपने जारी रिपोर्ट में बताया है कि अभी अगले एक सप्ताह के बाद सामान्य बारिश होने की संभावना है। इस महीने में भी तापमान 44 डिग्री एवं लू चल रहा है। यह आने वाले समय के लिए भयावह स्थिति का संकेत है।

सही तरीके से पानी का उपयोग करने की जरूरत

इस संबंध में राजपुर सीओ डॉ. शोभा कुमारी ने बताया कि इन दिनों भूमि का जल स्तर नीचे चला गया है। नल जल योजना से घरों को मिल रहे पानी का सही तरीके से उपयोग करने की जरूरत है। उन्होंने लोगों से वर्षा जल का संचय करने तथा लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने की बात कही।

श्रीदुर्गा धाम शक्ति पीठ प्राचीन मंदिर पोंगाढ़ी में श्री दुर्गा सहस्त्र चंडी महादिव्य यज्ञ का भव्य आयोजन

जलभरी के साथ शुरू हुआ श्री दुर्गा सहस्त्र चंडी महादिव्य यज्ञ

केटी न्यूज/केसठ

बक्सर व रोहतास के सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित श्री दुर्गा धाम शक्तिपीठ प्राचीन मंदिर पोंगाढ़ी में जगत जननी जगदंबा मां भवानी की कृपा स्वरूप विश्व कल्याणार्थ श्री दुर्गा सहस्त्र चंडी महादिव्य यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया है। इस आयोजन का शुभारंभ जल यात्रा के साथ हुआ।

यज्ञ मंडप से शुरू हुआ जल यात्रा व शोभा यात्रा गाजे बाजे के साथ बक्सर रामरेखा घाट पहुंचा। जहां से विधि विधान के साथ कलश में गंगाजल लेकर पुनः श्रद्धालु यज्ञ स्थल पहुंचे। इस यज्ञ में शनिवार को मंडप प्रवेश, जिसमें मंडप देव पूजन, अरणी मंथन, सप्तशती पाठ की शुरूआत की गई। यज्ञ की पूणार्हुति ज्येष्ठ शुक्ल गंगा दशहरा 16 जून को होगी। शनिवार से ही विभिन्न तीर्थ स्थलों से आए कथा वाचकों के द्वारा कथा वाचन तथा प्रवचन शुरू कर दिया गया है। प्रवचन तथा कथा 15 जून तक चलेगा। कथा सुबह 7 बजे से प्रारंभ होगा जो 5 बजे शाम तक चलेगा। जिसके तहत सुबह 7 बजे से 9 बजे तक आचार्य रामप्रवेश चतुर्वेदी सिद्धाश्रम बक्सर द्वारा 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक, राम मोहनजी महाराज द्वारा 12 बजे से 2 बजे तक तथा आचार्या सुश्री किशोरी प्रज्ञा पांडेय अयोध्याजी द्वारा 2 बजे से 5 बजे तक अंतर्राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता परम पूज्य प्रेमाचार्य श्रीपीतांबर जी महाराज श्री धाम वृंदावन द्वारा श्रद्धालु श्रोताओं के बीच कथा का रसपान कराया जा रहा है। इसके साथ-साथ पुरातन शक्तिपीठों के निमित पूरे यज्ञकाल में अखंड दीप की स्थापना तथा प्रत्येक दिवस रात्रि में 8 बजे से 10 बजे तक हरिनाम कीर्तन का आयोजन किया गया है। वहीं इन सभी कार्यक्रम का नेतृत्व आचार्य श्रीकृष्ण पांडेय द्वारा किया जा रहा है। यज्ञ में काशी वाराणसी वृंदावन अयोध्या सहित कई विभिन्न तीर्थ स्थलों से अनेक संत आचार्य विद्वान पंडित आए है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त गांव और क्षेत्र के लोगों का सहयोग बढ़ चढ़कर है। वही इस कार्यक्रम से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है। इस यज्ञ के आयोजन से ग्रामीणों में उत्साह व्याप्त है। गौरतलब है कि पोंगाढ़ी धाम के प्रति बक्सर तथा रोहतास जिले के श्रद्धालुओं में गहरी आस्था रहती है।

शादी से इन्कार करने पर प्रेमी ने वायरल किया अश्लील वीडियो, एफआईआर दर्ज

बक्सर। एक युवती के कथित प्रेमी ने शादी से इंकार करने पर उसकी अश्लील वीडियो व फोटो सोसल मीडिया पर वायरल कर दी है। वही, उसने उक्त वीडियो तथा फोटो उसके भाई तथा पड़ोस की एक लड़की को भेज बदनाम करने की कोशिश की है। जिससे युवती काफी आहत हो गई है। पीड़िता ने इस मामले में महिला थाने में अपने दूर के रिश्तेदार धनसोई थाना क्षेत्र के भरखरा गांव निवासी विनोद सिंह के पुत्र चंदन पटेल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस को दिए आवेदन में पीड़िता ने बताई है कि उसके दूर के रिश्तेदार चंदन पटेल उसके गांव आता-जाता था। उसी क्रम में दो साल पूर्व उससे मुलाकात हुई और दोनों के बीच मोबाइल से लगातार बातचीत होने लगी। जिसका फायदा उठाते हुए चंदन ने उसकी कुछ अश्लील वीडियो व फोटो बना ली तथा जबरदस्ती शादी करने का दबाव बनाने लगा, लेकिन युवती ने विवाह से इंकार कर दिया। युवती के मुकरने के बाद चंदन ने उसके साथ गाली-गलौज किया तथा अश्लील वीडियो व फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। यही नहीं युवती के भाई व गांव की पड़ोसी लड़की के मोबाइल पर कुछ फोटो व वीडियो भेजकर चिप में रखे अन्य फोटो तथा बातचीत का ऑडियो व वीडियो वायरल करने को धमकी दे रहा है। महिला थानाध्यक्ष ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

जिंदगी की जंग हार गए चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री को पटखनी देने वाले रामाश्रय सिंह

केटी न्यूज/केसठ

- केसठ प्रखंड के कुलमनपुर गांव के रहने वाले थे पूर्व विधायक रामाश्रयय सिंह
- 76 वर्ष की अवस्था में दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में ली अंतिम सांस

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सरदार हरिहर सिंह को चुनावी मैदान में पटखनी देने वाले भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक रामाश्रय सिंह जिंदगी की जंग हा गए है। 76 साल की उम्र में उन्होंने दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही राजनीतिक गलियारे में शोक की लहर दौड़ गई है।

जानकारी के अनुसार वे तीन दिन पहले अपने पुत्री से मिलने के लिए दिल्ली गए हुए थे। शुक्रवार की रात खाना खा कर छत पर टहलने के लिए गए हुए थे। इसी दौरान वे छत से नीचे गिर गए। घरवालों की जब उनपर नजर पड़ी तो तत्काल उन्हें इलाज के लिए राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जब इसकी सूचना मिली तब पूरा विधानसभा क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ पड़ी। लोग मातमपुर्सी के लिए कुलमनपुर स्थित उनके घर पहुंचने लगे। वे अपने पीछे दो पुत्र और तीन पुत्रियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके बड़े पुत्र चितरंजन कुमार सिंह ने बताया कि अंतिम संस्कार बक्सर में ही होगा तथा पैतृक गांव से शवयात्रा निकाली जाएगी। वही उनकी पत्नी राजस्वारी देवी का रो रो का बुरा हाल हो गया था। उनके निधन की जानकारी मिलते ही राजद के वरिष्ठ नेता सुनिल कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव, पूर्व जिप अध्यक्ष अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष डॉ विद्या भारती, अजय कुमार विक्रांत, सतेंद्र कुमार, संजय उपाध्याय, कुंवर भीम सिंह, रामजी कुमार, धर्मेंद्र सिंह, नागेंद्र ओझा सहित सैकड़ों दिग्गज नेताओं और समाजसेवियों ने उनके निधन पर शोक जताया है।

मुखिया से बने थे विधायक : रामाश्रय सिंह ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत बतौर मुखिया किए थे। वे 1967-68 में अपने पंचायत के मुखिया चुने गए थे। वे रामपुर पंचायत के मुखिया पद पर रहते हुए वर्ष 1977 में डुमरांव विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़े तथा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व चौगाईं स्टेट सरदार हरिहर सिंह को पराजित कर विधायक बने। उन्होंने बिहार विधानसभा में डुमरांव विधानसभा क्षेत्र का ढाई वर्ष के लिए प्रतिनिधित्व किया था। अपनी सादगी और स्पष्टवादिता के लिए रामाश्रय सिंह बिहार समेत देश की राजनीति में जाने जाते थे। वर्ष 1977 के विधानसभा चुनाव में जब वे बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री सरदार हरिहर प्रसाद सिंह को पराजित किए थे तो पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया था। सबसे कम उम्र में बने विधायक ने बिहार के राजनीति में भूचाल ला दिया था। वे 1977 से लेकर 1980 तक विधायक पद पर रहे।

सामाजिक कार्यों में रखते थे रुचि : छोटे से गांव के गलियों से निकलकर राजनीत में क्रांति लाने वाले रामश्रय सिंह शुरू से ही सामाजिक कार्यों में रुचि रखते थे। वे कही भी किसी भी सामाजिक कार्यों में आगे रहते थे। अपनी वाणी के जरिए क्रांति ला देते थे। लोगों ने कहा कि उनके निधन हो जाने से राजनीति के एक युग का अंत हो गया।

मलई बराज आंदोलन के थे जनक

जिले के हजारों किसानों को खेत तक पानी पहुंचाने के लिए उन्होंने मलई बराज निर्माण के लिए एक बड़ा किसान आंदोलन भी छेड़ा था। वे इस आंदोलन के जनक भी थे। उस समय कई किसान नेताओं ने उन्हें अपना समर्थन दिया था। भले ही लालफिताशाही तथा सरकार की उदासीता के कारण मलई बराज का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका, लेकिन वे इस आंदोलन में यह बता दिए कि किसानों के हित के लिए वे कभी चुप नहीं बैठने वाले थे। इस आंदोलन ने उन्हें जन नेता बना दिया था। वे अपने साथियों के साथ पैदल चल कर आंदोलन किए थे।

खपड़े के घर में पलता है परिवार

आज के दौर में विधायक बनने के बाद लोग रॉयल लाइफ और गाड़ी बंगला आदि सुविधायुक्त जीवन निर्वहन करने लगते हैं। लेकिन रामाश्रय सिंह विधायक बनने के बाद भी अपना पूरा सादगी से बिताए तथा आज भी उनका परिवार कुलमनुपर में खपरैल मकान में रहता है। उन्होंने अपना जीवन साइकिल से यात्रा कर गुजार दी। उनके दोनों पुत्र चितरंजन सिंह और जितेंद्र सिंह गांव में ही खेती कर अपना जीवन यापन करते है। विधायक बनने के बाद भी वे अपने परिजनों के साथ साधारण रूप में जीवन यापन करते है।

कृषि कॉलेज के जिम्मे था उद्यान विभाग, लगे पौधों के गायब होने की जांच करेगा वन विभाग

लापरवाही व देखरेख के अभाव में सूख गए उद्यान विभाग में लगे सैकड़ों पेड़, कई गायब

केटी न्यूज/डुमरांव

- सेंट्रल नाले के पानी कारण जलजमाव से सुखे बड़े पेड़

पर्यावरण संरक्षण के लिए राज्य सरकार तथा वन विभाग द्वारा युद्ध स्तर पर पौधरोपण कराया जा रहा है। पेड़-पौधों को बचाने की मुहिम चलाई जा रही है। लेकिन, डुमरांव में व्यवस्था की उदासीनता से कृषि कॉलेज के ठीक सामने उद्यान विभाग की जमीन लगे सैकड़ो पेड़ सूख गए है। इनमें कई की लकड़िया भी गायब हो चुकी है, जो काफी कीमती थी। बावजूद उक्त बागीचे की जिम्मेवारी संभालने वाला कृषि कॉलेज प्रबंधन तथा वन विभाग मौन साधे हुए है। जिससे कई सवाल खड़े हो रहे है।

उद्यान विभाग के बागीचे के सूखने से लोग यह कहते सुने जा रहे है कि जब जिम्मेवार लोग ही लापरवाही करेंगे तो पर्यावरण का संरक्षण कैसे होगा। वही, बागीचा सूखने के बाद इसमें एक बार अगलगी की घटना भी हुई थी। जानकारों की मानें तो इस उद्यान में पेड़ के सूखने तथा उनकी लकड़ियों के गायब होने के बाद अगलगी की घटना से किसी साजिश से इंकार नहीं किया जा सकता है।

कभी हरा-भरा था उद्यान विभाग का बागीचा : स्थानीय निवासियों की मानें तो कुछ वर्ष पहले तक उद्यान विभाग का यह बागीचा काफी हरा भरा था। जिसमें सैकड़ो फलदार व इमारती लकड़ियों के पौधे लगे थे। वही, यहां वन विभाग द्वारा पौधों की नर्सरी भी तैयार करवाई जाती थी। स्टेशन रोड के किनारे स्थित एक बागीचे की सुंदरता देखते ही बनती थी। तब इसमें आम के कई उन्नत किस्मों के दर्जनों पेड़ भी थे। जिनसे विभाग को सलाना अच्छी आमदनी होती थी। लेकिन बागीचे के सूख जाने से अब यह गुजरे दिनों की बात हो गई है।

पर्यावरण पर संरक्षण की मुहिम पर आघात : एक ओर पर्यावरण को बचाने के लिए सरकार पर्यावरण संरक्षण की मुहिम चलाई जा रही है। बड़े पैमाने पर पौधरोपण कराया जा रहा है। हालांकि, सरकार व वन विभाग की यह मुहिम वर्षों बाद पर्यावरण संरक्षण में कारगर साबित होने वाली है। क्योंकि छोटे पौधें को बड़ा पेड़ बनने में वर्षों का समय लगेगा। लेकिन दूसरी तरफ उद्यान विभाग के बागीचे की शान बढ़ाने वाले बड़े पेड़ों के सूखने से पर्यावरण संरक्षण की मुहिम पर बड़ा आघात पहुंचा है।

नगर परिषद भी है जिम्मेवार : इस बागीचे के सूखने में नगर परिषद प्रशासन भी जिम्मेवार है। बता दें कि सेंट्रल नाला के मिस मैनेजमेंट के कारण इस बागीचे में पिछले साल तक नाले का गंदा पानी जमा था। लगातार जलजमाव को ही पेड़ों के सूखने का मुख्य कारण बताया जा रहा है। वही, वर्षों पूर्व इस उद्यान को अपने उपयोग के लिए लेने वाला डुमरांव का वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज भी इस मसले पर उदासीन बना रहा। जिससे एक-एक कर पेड़ सूखते गए।

वन विभाग से हुई है लकड़ियां चोरी होने की शिकायत : सूख चुके उद्यान विभाग के बागीचे से लकड़ियों के चोरी होने की जानकारी भी मिली है। हालांकि इस संबंध में कृषि कॉलेज प्रबंधन द्वारा किसी तरह की शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है, जबकि स्थानीय निवासियों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी है। भोजपुर प्रमंडल के डीएफओ ने बताया है कि रेंजर को इसकी जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया है। जांच रिपोर्ट के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कॉलेज प्राचार्य ने नहीं दिया बयान : इस संबंध में वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज डुमरांव के प्राचार्य से संपर्क स्थापित किया गया तो उन्होंने छुट्टी पर होने का हवाला दे, इस मामले में किसी तरह के बयान देने से इंकार कर दिया।

कॉलेज को एनओसी लेने की जरूरत

उद्यान विभाग की नर्सरी में लगे पौधों के सूखने तथा उनके गायब होने की सूचना मिली है। रेंजर से इसकी जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया है। सूखे पेड़ों को हटा उसके जगह नया पौधे लगाने के लिए कृषि कॉलेज को एनओसी की जरूरत है। जल्दी ही कृषि कॉलेज प्रबंधन के साथ बैठक कर उद्यान विभाग के नर्सरी को फिर से हरा भरा करने की रणनीति बनाई जाएगी। - **विकास अह्लावत, डीएफओ**

दोषियों पर कार्रवाई की उठी मांग

उद्यान विभाग के बागीचे में लगे पेड़ों के सूखने तथा परिसर से लकड़ियों के गायब होने से शहर के लोगों में गहरी नाराजगी है। सामाजिक कार्यकर्ता तथा सामाजिक मंच के संयोजक प्रदीप शरण ने इस मामले को काफी गंभीर बताते हुए वन विभाग से इसकी जांच करा दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। वही, पर्यावरण विद उमेश गुप्ता, संजय सिंह, युवा सामाजिक कार्यकर्ता अजय राय, भाजयुमो नेता दीपक यादव आदि ने भी उद्यान विभाग में लगे पौधों के सूखने तथा उसमें से लकड़ियों के गायब होने की जांच की मांग की है। सामाजिक कार्यकताओं ने कहा कि यदि वन विभाग तथा स्थानीय प्रशासन इस पर संज्ञान नहीं लेता है तो जल्दी ही चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

नहीं सुधर रही अनुमंडलीय अस्पताल की व्यवस्था, मात्र दो डॉक्टर थे मौजूद

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल के डाक्टरों की मनमानी रूकने का नाम नहीं ले रही है। शनिवार को अनुमंडलीय अस्पताल में पूरे दिन अफरातफरी मची रही। ओपीडी सेवा में मात्र दो डाक्टर मौजूद थे, वही, ओपीडी के गेट पर ड्यूटि बजाने वाला गॉर्ड भी गायब था। इधर सैकड़ो की संख्या में मरीज इलाज करवाने आए थे। गॉर्ड के अभाव में मरीजों को लाइन से डॉक्टर के पास भेजने वाला भी कोई नहीं था। जिस कारण अफरी तफरी मची रही। गॉर्ड के अभाव में डॉक्टरों को मरीज देखने में फजीहत का सामना करना पड़ा। इस दौरान कई बार ऐसी नौबत भी आई जब पहले दिखाने के प्रयास में मरीज आपस में तू-तू, मैं-मैं भी करने लगे थे। जिससे डॉक्टर की परेशानी बढ़ गई। महिला चिकित्सक मरीजों से परेशान होकर डीएस चेम्बर में मरीज को देखती रही।

वहीं डॉ. बिरेन्द्र कुमार के कक्ष में मरीज घुस गए और दिखाने के लिए आपस में उलझते रहे। मरीजों के हो हंगामा से परेशान चिकित्सक कई बार अपने चैम्बर से बाहर निकल गए। फिर मान-मनौव्वल के बाद अपने कक्ष में गए। यह सिलसिला ओपीडी सेवा में अपराह्न दो बजे तक चलता रहा। इस दौरान गार्ड भी नदारद था।

मालूम हो कि शनिवार को पांच डाक्टरों को अपनी सेवा देना था, जिसमें मात्र दो चिकित्सक ही अपनी सेवा दे रहे थे। वहीं डॉ. लोकेश कुमार, डॉ. जुनैद अख्तर छुट्टी पर थे। हालांकि इनके छुट्टी पर चले जाने के बाद इनकी जगह पर अन्य चिकित्सक की व्यवस्था नहीं की गई थी। जो व्यवस्था की उदासीनता का प्रमाण है। वहीं चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉ. सतीश कुमार बगैर सूचना के गायब रहे। बता दें कि बच्चों के डॉक्टर के लगभग एक दशक नहीं पदस्थापित थे, जिससे मरीजों को भारी पेरशानियों का सामना करना पड़ता था। निजी क्लीनिक में उन्हें पैसा और समय दोनों बर्बाद होता था। बच्चा के दो डाक्टरों को एक महीना पहले अनुमंडलीय अस्पताल में पदस्थापित किया गया था। दोनों डाक्टरों में कोई भी अपनी जिम्मेवारी को भलीभाँती नहीं समझा। दोनों चिकित्सक अक्सर गायब रहते हैं। शनिवार को बच्चा के चिकित्सक डॉ. सतीश कुमार की ड्यूटी थी, लेकिन ओपीडी से नदारद थे। इस संबंध में जब डीएस डॉ. गिरीश कुमार सिंह से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि बच्चों के डाक्टर के अनुपस्थित करते हुए स्पष्टीकरण की मांग की गई है। स्पष्टीकरण मिलने के बाद अग्रेत्तर कार्रवाई के लिए अधिकारियों को लिखा जाएगा।

शराब तस्करी रोकने के लिए गश्ती बढ़ाएं

डुमरांव। शनिवार को डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने अपने कार्यालय में सभी थानाध्यक्षों के साथ क्राइम मीटिंग की। जिसमें उन्होंने सभी थानाध्यक्षों के कार्यों की की तथा लंबित कांडो के शीघ्र निष्पादन का सख्त निर्देश दिया। शराब तस्करी के जीरो टालरेंस नीति को पूरा करने के लिए 24 घंटे अलर्ट रहने को कहा। शराब तस्करी रोकने के लिए पुलिस को गश्ती अभियान तेज करना होगा तथा फरार अपराधियों तथा वारंटियों को गिरफ्तार करने के लिए सख्त निर्देश भी दिया।

700 ग्राम गांजा व नगदी के साथ तस्कर गिरफ्तार

केटी न्यूज/चौगाईं

- वैदा मोड़ के समीप मुरार थाना की पुलिस को मिली सफलता

मुरार पुलिस ने 700 ग्राम गांजा व एक सफेद रंग की अपाची बाइक तथा कुछ नगदी के साथ मादक पदार्थ के एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। वहीं उसका दूसरा साथी पुलिस को चकमा दे भागने में सफल रहा। पुलिस को यह सफलता थाना क्षेत्र के वैदा मोड़ के पास गुप्त सूचना पर मिली है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान सोनवर्षा ओपी क्षेत्र के मौडिहा गांव निवासी श्रीराम सिंह के पुत्र विनोद कुमार के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि मादक पदार्थ की खेप के साथ दो तस्कर आ रहे है।

सूचना मिलने के बाद वैदा मोड़ के पास मुरार थाने की पुलिस ने तस्करों को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। इसी दौरान एक सफेद रंग की अपाची बाइक पर दो युवक आते दिखाई पड़े। उनके हाथ में एक थैला था। पुलिस ने जब उन्हें रूकने का इशारा किया तो पीछे बैठा युवक तेजी से बाइक से उतर भाग खड़ा हुआ। जबकि एक को पुलिस ने बाइक चलाने वाले तस्कर को पकड़ लिया और झोले के साथ उसकी तलाशी ली । पुलिस जवानों को झोला से 700 ग्राम गांजा बरामद हुआ। जिसकी कीमत हजारों रूपए है। वहीं उसके पास से एक मोबाइल फोन, करीब साढ़े पांच हजार रुपए नगद बरामद हुआ। पुलिस ने उसकी अपाची बाइक भी जब्त कर ली। थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि गुप्त सूचना पर यह सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि फरार तस्कर की शिनाख्त कर ली गई है। उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव संपन्न होते ही तस्कर व अपराधी फिर से सक्रिय होने लगे है। वहीं, पुलिस भी उनके मंसूबे को फेल करने में लगी है।

दखिनांव में आयोजित हुई नाईट क्रिकेट प्रतियोगिता

नोनियापुरा को पराजित कर यंग स्टार क्लब छतनवार बना विजेता

केटी न्यूज/डुमरांव

दखिनांव खेल मैदान में आयोजित हुए छह-छह ओवर के नाईट क्रिकेट प्रतियोगिता के फाईनल मैच में शुक्रवार की रात छतनवार की टीम ने नोनियापुरा टीम को 15 रन से पराजित कर शील्ड पर कब्जा जमाया। फाइनल मुकाबले में यंग स्टार क्लब छतनवार की टीम ने निर्धारित छह ओवरों में पांच विकेट के नुकसान पर 45 रन बनाए।

जवाबी पारी में खेलने उतरी नोनियापुरा की टीम निर्धारित ओवर में मात्र 30 रन ही बना सकी। विजेता टीम के उप कप्तान रोहित कुमार ने पहले बल्लेबाजी में हाथ अजमाते हुए छह रन बनाए तथा कातिलाना गेंदबाजी करते हुए विपक्षी टीम के पांच खिलाड़ियों को आउट कर अपनी टीम को चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें इस प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। आयोजनकर्ता युवा क्रिकेट क्लब के राकेश कुमार ने विजेता टीम के बीच पुरस्कार वितरण किया। इसके पहले सैकड़ो दर्शकों की मौजूदगी में आयोजित इस मैच के में हर चौके-छक्के पर दर्शक करतल ध्वनियों से खिलाड़ियों का स्वागत कर रहे थे।

करीब मध्य रात्रि तक यह मैच तथा पुरस्कार वितरण चलते रहा। इस दौरान दर्शक टस से मस नहीं हुए। गौरतलब है कि युवा क्रिकेट क्लब दखिनां द्वारा इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस आयोजन से दखिनांव सहित आस के गांवों के युवाओं तथा क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह था। फाईनल मैच में यह उत्साह देखने को भी मिला। विजेता टीम की तरफ से कप्तान मुन्ना कुमार ने 16 रन बनाया। वहीं, रोहित कुमार 6 रन बनाए और पांच विकेट भी लिए। राकेश कुमार 12 रन, बिट्टू कुमार 8 रन, करण कुमार 2 विकेट आदि ने अपनी टीम को जीताने में भूमिका निभाई। विजेता टीम के संचालक मनीष शुक्ला उर्फ बंटी बाबा ने खिलाड़ियों को बधाई दी। वही शील्ड के साथ छतनवार लौटने पर विजेता टीम का स्वागत क्लब के सदस्यों व ग्रामीणों ने किया।

तीखी धूप के साथ ही उमस भरी गर्मी से लोग व्याकुल

डुमरांव। भीषण गर्मी में सूरज रौद्र रुप दिखा रहा है। इससे पारा लगातार चढ़ता जा रहा है। शनिवार को दोपहर का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस रहा, न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के मुताबिक अगले तीन दिनों में तापमान में कमी के आसार नहीं है। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी के मद्देनजर डॉक्टर लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। इस बार भीषण गर्मी पड़ रही है। दिन बढ़ने के साथ-साथ लू के थपेड़े लोगों को परेशान कर रहे हैं। आलम यह है कि लोगों को चेहरे पर कपड़ा बांधकर एवं छाता लेकर घर से निकलना पड़ रहा है। दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही कम देखी जा रही है। शहर के मुख्य बाजारों और चौराहों पर सन्नाटे की स्थिति दिख रही है। सूरज की तपिश इतनी बढ़ गई है कि सुबह नौ बजे से ही धूप झुलसाने लगती है। दोपहर तक तेज धूप के कारण लोग गर्मी से बेहाल हो जाते हैं। दोपहर में तो बाजार में सन्नाटा पसरा नजर आया। सफर और अपने कार्यों को पूरा करने के लिए लोगों को धूप में निकलना पड़ा तो लोगों ने धूप से बचने के लिए विभिन्न प्रकार के उपायों का सहारा लिया।

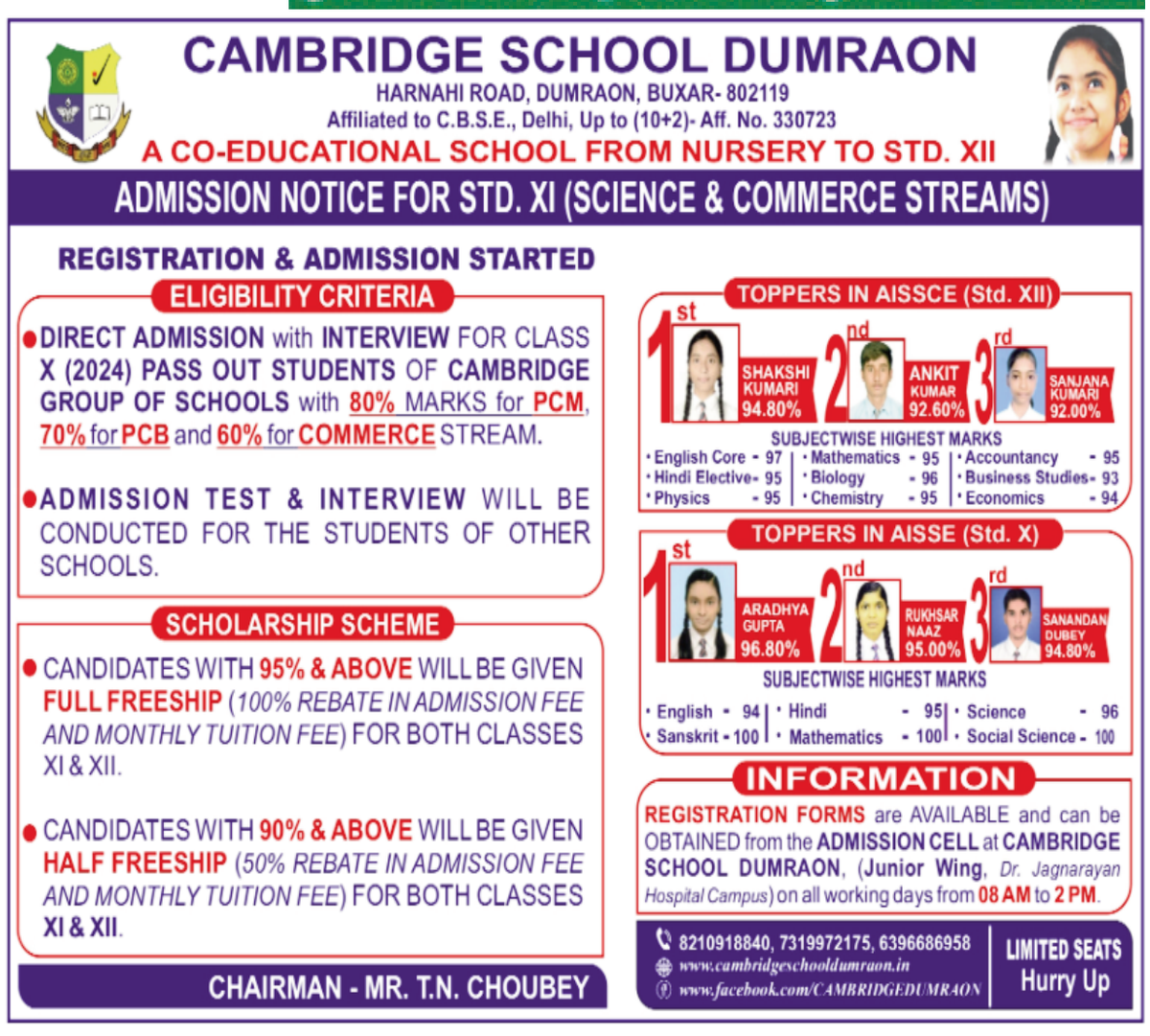

समस्या : जर्जर तार व सूचना बैगर विद्युत आपूति की कटौती व भीषण गर्मी में बढ़ी आम लोग की परेशानी

- पुरानी जर्जर केबल लाइनें गर्मी के मौसम में आये दिन टूटकर गिर जाती है
- विद्युत विभाग की उदासीनता का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

नगर परिषद में आये दिन विद्युत व्यवस्था चरम सीमा पर काफी बुरा हाल है। जो दिन के अलावा रात में भी अघोषित विद्युत कटौती हो रही है जिससे भीषण उमस भरी गर्मी में क्षेत्र वासी परेशान हो रहे है। बताते चले कि नगरीय क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी विद्युत व्यवस्था का बुरा हाल बना हुआ है। वर्तमान समय में भीषण गर्मी व गर्म हवायें चल रही है। गर्मी ने अपना और रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। भीषण गर्मी के बावजूद भी नगर वासियों को विद्युत व्यवस्था परेशान किए हुए है। सरकार का स्पष्ट निर्देश है कि शहरी क्षेत्रों व ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था सुचारू रूप से उपलब्ध कराई जाए लेकिन विद्युत विभाग की उदासीनता का खामियाजा नगर वासियों को भुगतना पड़ रहा है। वर्तमान समय में नगर में हर घंटे विद्युत गुल हो रही है, विद्युत की आवाजाही से नगरवासी परेशान हो रहे हैं। यदि किसी क्षेत्र में मामूली सा विद्युत फाल्ट हो जाता है तो उसे सही करने में घंटों का समय लगता है और इस बीच विद्युत गुल

रहती है और जनता परेशान होते रहती है। फाल्ट सही हो जाने के बाद दूसरे क्षेत्र में फाल्ट हो जाते है और विद्युत गुल हो जाती है। पुरानी जर्जर केबिल लाइनें गर्मी के मौसम में आये दिन टूटकर गिर जाती है या उनमें फाल्ट हो जाता है जिस कारण विद्युत गुल हो जाती है। शहर वासी परेशान होते रहते है । स्थानीय लोगों का कहना कि विद्युत विभाग की मनमानी बढ़ गयी है और विद्युत विभाग इस ओर कोई ध्यान नही दे रहा है। विद्युत विभाग उपभोक्ताओं से बिल वसूल करने व चेकिंग करने के लिए तो समय से पहुंच जाते है और अभियान चलाकर बिल जमा न होने पर कनेक्शन काट दीये जाते है लेकिन लगातार विद्युत की हो रही कटौतीऔर परेशानियों से नगर वासियों को यह विभाग छुटकारा नही दिला पा रहा है । जिससे नगर वासियों में विद्युत विभाग के प्रति नाराजगी नजर आ रही है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन व विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से नगर तथा जिले में हो रही अघोषित विद्युत कटौती से मुक्ति दिलाये जाने की मांग करने की बात कही है, जिससे भीषण उमस भरी गर्मी में शहर वासियों को निजात मिल सके। हालांकि विभाग की लापरवाही से निजात मिलता नहीं दिख रहा है।

स्मार्ट प्रीपेड लगाने पर जोर, मिलेगा जीरो बैलेंस

बिक्रमगंज। साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड पटना के निदेर्शानुसार विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज के बिजली ग्राहकों के लिए पुराने मीटरों की जगह स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का कार्यक्रम चल रहा है। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया कि स्मार्ट प्रीपेड इलेक्ट्रिक मीटर एक वेब मॉनीटरिंग सिस्टम से जुड़ा है। इसके लग जाने से राजस्व संग्रहण की प्रक्रिया और आसान हो जाएगी। स्मार्ट प्रीपेड इलेक्ट्रिक मीटर लगाने पर जीरो बैलेंस मिलेगा। जिसे रिचार्ज करने के लिए तीन दिन का समय मिलेगा। एसडीओ राज कुमार के द्वारा स्मार्ट मीटर के तकनीकी पहलू के बारे में बताया गया और यह भी बताया कि उपयोगकताओं की समस्याओं को कैसे हल किया जा सकता है। स्मार्ट प्री-पेड इलेक्ट्रिक मीटर वाणिज्यिक नुकसान को कम करने और बिजली कंपनियों के राजस्व में वृद्धि करने में मदद करेगा। ऊर्जा विभाग के सचिव संजीव हंस ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने के लिए स्थानीय प्रशासन से सहयोग करने हेतु सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है। सचिव ने पत्र के माध्यम से निर्देश देते हुए कहा है कि राज्य सरकार के निर्णय के आलोक में चरणबद्ध तरीके से प्रदेश के सभी उपभोक्ताओं के वर्तमान मीटर को स्मार्ट प्रीपेड मीटर से बदला जाएगा।

तीन अपराध कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी, फरार दो लुटेरों की तलाश में छापेमारी

पुलिस से बचने के लिए पोखरे में कूद गया अपराधी जख्मी होने के बाद भी लगातार करता रहा फायरिंग

चरपोखरी मुठभेड़ कांड

- गिरफ्तार अपराध कर्मी के पास से देसी कट्टा, एक खोखा व लूट में इस्तेमाल बाइक बरामद
- अपराधियों की फायरिंग में बाल-बाल बचे थे डीआइयू इंचार्ज व चरपोखरी थानाध्यक्ष, दो सिपाही चोटिल

केटी न्यूज/आरा

जगदीशपुर में लूटपाट के बाद भागने के क्रम में चरपोखरी पुलिस के हत्थे चढ़ा अपराध कर्मी भागने के क्रम में जख्मी होने के बाद भी फायरिंग करता रहा। पुलिस से बचने के लिए वह पानी भरे पोखरे में कूद गया। उसके बाद भी वह गोलियां चलाता रहा। उसकी ओर से आठ, जबकि जवाबी कार्रवाई में पुलिस द्वारा 12 राउंड फायरिंग की गयी है। उनमें चरपोखरी थानाध्यक्ष की ओर से तीन, दारोगा निवास कुमार की ओर से तीन, डीआईयू इंचार्ज बिपिन बिहारी द्वारा एक जबकि सिपाही रवि कुमार की ओर से पांच राउंड फायरिंग की गयी। अपराध द्वारा की फायरिंग में डीआईयू इंचार्ज बिपिन बिहारी और चरपोखरी थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह बाल बाल बच गए। वहीं गोली से बचने के लिए जंप लगाने और गिरने से नीतीश कुमार और रवि कुमार नामक दो सिपाही जख्मी हो गए। गिरफ्तार अपराध कर्मी सूरज साह उर्फ अनिल कुमार के पास से एक देसी कट्टा और एक खोखा बरामद किया गया। लूट में इस्तेमाल एक बाइक और मोबाइल भी बरामद किया गया है। हालांकि सूरज साह उर्फ अनिल कुमार के दो साथी भागने में सफल रहे। इधर, पुलिस के साथ मुठभेड़ के मामले में चरपोखरी थानाध्यक्ष के बयान पर तीन अपराध कर्मियों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गयी है। उनमें गिरफ्तार सूरज साह उर्फ अनिल कुमार चरपोखरी गांव के पवन कुमार और अमोरजा गांव के सोनू सिंह शामिल हैं। पुलिस दोनों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी कर रही है। एसडीपीओ राहुल सिंह ने बताया कि गिरफ्तार सूरज साह उर्फ अनिल कुमार ने जगदीशपुर में लूट में शामिल होने की बात स्वीकार की है। पूछताछ में उसने बताया कि लूट में इसी बाइक और पिस्टल का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने बताया कि फरार दो अन्य अपराधियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जायेगा। पुलिस का कहना है कि दोनों अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए जाल बिछाया गया है। जल्द ही वह सलाखों के पीछे होंगे।

पुलिस की घेराबंदी देख बचने के लिए फायरिंग करता रहा अपराध कर्मी

आरा। पीरो एसडीपीओ राहुल सिंह ने बताया कि जगदीशपुर इलाके के तेंदुनी में लूट के बाद अनुसंधान के क्रम में पुलिस को शुक्रवार की सुबह अपराधियों के चरपोखरी थाना के कथराई स्थित अंडरपास के होने की सूचना मिली थी। उस आधार पर जगदीशपुर पुलिस और डीआईयू टीम चरपोखरी पहुंची थी। उसके बाद अपराधियों की गिरफ्तारी को तीन टीम गठित की गयी थी। एक टीम का नेतृत्व चरपोखरी थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, दूसरी का डीआईयू इंचार्ज बिपिन बिहारी जबकि तीसरी टीम का नेतृत्व जगदीशपुर थाने की पुलिस कर रही थी। रणनीति के तहत तीनों टीम कथराई अंडरपास पहुंची और तीन ओर से घेराबंदी की गयी। तब पुलिस को देख दो अपराध कर्मी बाइक भागने लगे जबकि तीसरा पैदल ही सियाडीह गांव की ओर भागने लगा। बाइक से भाग रहे अपराधियों का पीछा जगदीशपुर तो पैदल भाग रहे अपराध कर्मी का चरपोखरी थानाध्यक्ष द्वारा किया गया। डीआईयू टीम द्वारा भी दूसरी ओर से घेराबंदी की गयी थी। तब पैदल भाग रहे अपराध कर्मी द्वारा चरपोखरी थानाध्यक्ष पर फायरिंग की गयी। चेतावनी देने और सरेंडर करने के लिए ललकारने पर भी वह पुलिस पर फायरिंग करता रहा। आत्मरक्षार्थ चरपोखरी थानाध्यक्ष की ओर से उस पर फायरिंग की गयी। उसी क्रम में अपराध कर्मी की ओर से डीआईयू टीम पर भी फायरिंग की जाने लगी। उसी दौरान वह सियाडीह टोला गांव के पास पहुंच गया और पानी भरे पोखरे में कूद गया। जख्मी होने के बाद भी वह पानी भरे पोखरे से भी वह पुलिस टारगेट कर फायरिंग कर रहा था। बाद में पुलिस ने चारों से पोखरे की घेराबंदी की गयी। तब पुलिस के कहने पर वह पोखरे से बाहर निकला। पुलिस का कहना है कि उसकी घेराबंदी के लिए अलग से पुलिस बल को बुलाया गया था। साथ ही चारों तरफ रौशनी की व्यवस्था कर दी गई थी। यह प्रयास था कि उसे किसी भी हाल में गिरफ्तार कर लिया जाए। पुलिस ने इसमें सफलता पायी। उसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के छापेमारी अभियान में चरपोखरी थानाध्यक्ष और डीआईयू इंचार्ज के अलावा जगदीशपुर थाने के दारोगा जयंत प्रकाश, सुधांशु कुमार, चंद्र प्रकाश पंडित, ट्रेनी दारोगा इसराफिल, डीआईयू के दारोगा संजीव कुमार, निवास कुमार, सिपाही, रवि कुमार, नीतीश कुमार, धर्मेंद्र कुमार और गौतम कुमार सहित चरपोखरी थाने के अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

एक नजर

मकान में आग लगाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज

जहानाबाद। शनिवार को मखदुमपुर थाना क्षेत्र के जगपुरा गांव में पड़ोसी पर मकान में आग लगा देने का आरोप लगा हैं। मामले में थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। गांव निवासी रामाधार सिंह ने अपने पड़ोसी पर घर में आग लगाने का आरोप लगाया है। इस बाबत थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया की जगपुरा गांव में जमीनी विवाद को लेकर मारपीट हुई हैं। उसके बाद एक पक्ष के लोगों ने मारपीट कर घायल कर देने का आरोप लगाया है। जबकी दूसरे पक्ष ने मकान में आग लगाने का आरोप लगाया है। इस मामले में थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। थाना अध्यक्ष ने बताया के पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

शराब कारोबारी महिला गिरफ्तार

जहानाबाद। मोदनगंज प्रखण्ड क्षेत्र के चनधरीया मांझी टोला से काफी दिनों से फरार चल रही एक महिला को ओकरी थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया।गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए ओकरी थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब के मामले में ज्ञानती देवी नामक महिला पर केस दर्ज था।जिसमे वह काफी दिनों से फरार चल रही थी को सुबह में गिरफ्तार किया गया।उसके बाद उक्त महिला को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

दो वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

अकोढ़ी गोला। रोहतास जिले के अकोढ़ी गोला थाना की पुलिस ने थाना क्षेत्र के अलग-अलग जगह पर छापेमारी कर दो एनबीडब्ल्यू वारंटी को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि माननीय न्यायालय के वारंट के आलोक में एनबीडब्ल्यू वारंटी राजकुमार सोनी, पिता जठू सेठ, ग्राम बांक एवं गोरखनाथ गुप्ता, पिता पुर्णवासी साह ग्राम जदवां, थाना अकोढ़ी गोला को पुलिस हिरासत में शनिवार को जेल भेजा गया।

भाजपा नेता ने एनडीए की हार पर चिंता व्यक्त की

बिक्रमगंज। लोकसभा चुनाव के समापन के बाद अब चिंतन और विश्लेषण का दौर जारी है। पुराने शाहाबाद के सासाराम, काराकाट, आरा तथा बक्सर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र को देखें तो यहां से इस बार एनडीए पूरी तरह से साफ हो गया है। जबकि 2019 के चुनाव में चारों सीटों पर एनडीए का ही कब्जा था। शाहाबाद से एनडीए की हार पर चिंता व्यक्त करते हुए बिहार भाजपा कार्यकारिणी के सदस्य प्रो बलराम मिश्र ने कहा है कि इस पर गंभीरता से पार्टी को मंथन करना चाहिए। उन्होंने एक भेंट में सासाराम में बताया कि आरा और काराकाट का सीट माले के खाते में गया है, जबकि बक्सर राजद और सासाराम कांग्रेस के खाते में। हालांकि उन्होंने जीत के अंतर को काफी कम बताया है, फिर भी हार का सामना तो करना ही पड़ा। प्रो मिश्र ने राष्ट्रीय नेतृत्व से मांग की है कि हार के कारणों पर मंथन जरूरी है, ताकि आने वाले समय में पूर्व की गलतियों को सुधारा जा सके। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का इस क्षेत्र में विशेष तौर पर ध्यान आकृष्ट किया है, क्योंकि इस क्षेत्र में पिछले कई बार से से एनडीए का ही दबदबा रहा है। बावजूद इसके कौन-सी ऐसी परस्थिति बनी और कौन-से ऐसे परिदृश्य सामने आये जहां से एनडीए को चारों सीट गंवानी पड़ी। यह घोर चिंता का विषय है, इस पर बारीकी से चिंतन की जरूरत है।

गाली गलौज एवं मारपीट करने वाले नौ के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज

- घर में घुसकर जाति सूचक गाली गलौज एवं लाठी डंडे से मारपीट का लगा आरोप

अकोढ़ी गोला। रोहतास जिले के आयरकोठा थाना क्षेत्र के आयरकोठा में मामूली-सी बात को लेकर दो पक्षों में कहा सुनी के दौरान गाली गलौज एवं घर में घुसकर महिला सहित पुरुष के साथ मारपीट कर घायल करने के मामले में प्रथम पक्ष के बबन राम, स्वर्गीय गंगा पति राम, ग्राम आयरकोठा ने थाना में नौं लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज करने हेतु लिखित आवेदन दिया। आवेदक द्वारा बताया गया कि इन सभी लोगों ने हमारे घर में घुसकर जाति सूचक गाली गलौज एवं लाठी डंडे से मारपीट कर सर फोड़ दिया एवं जान से मारने की धमकी दे रहे हैं मारपीट के दौरान मेरी पत्नी बीच बचाव में आई तो उसकी साड़ी खींच कर बेइज्जत करने का प्रयास किया एवं गले से सोने की चैन तथा लॉकेट छीन लिया गया। मारपीट व हो हंगामा के बाद आसपास के लोग इकट्ठा हुए इसके बाद ही वह लोग पीछे हटे। अन्यथा उनलोगों की नियत हत्या करने की थी। इस संबंध में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष प्राची कुमारी ने बताया कि आवेदक बबन राम के द्वारा दिए गए लिखित आवेदन के आधार पर रामचंद्र गोसाई, कन्हैया गोसाई, भरत गोसाई, लव कुश गोसाई तीनों पिता रामचंद्र गोसाई, चंद्रावती देवी पति रामचंद्र गोसाई, सरस्वती देवी, बिंदु कुमारी, सोनी कुमारी, भुअरी देवी सभी पिता रामचंद्र गोसाई के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस हर बिन्दू पर जांच कर रही है। जल्द ही सभी आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

सीसीटीवी फुटेज व डांसर से मिला था लूट में शामिल अपराध कर्मियों का सुराग

- सूरज साह की भाभी के नाम पर है बाइक जिसका नंबर बदल-बदल कर अपराधी कर रहा इस्तेमाल

केटी न्यूज/आरा

चरपोखरी में मुठभेड़ के बाद अपराध कर्मी सूरज साह उर्फ अनिल कुमार की गिरफ्तारी के बाद जगदीशपुर के तेंदुनी लूट कांड का खुलासा हो गया है। तीन अपराध कर्मियों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया गया था। तब अपराधियों द्वारा कलेक्शन कर रहे एक समूह के सदस्य से 1 लाख 84 हजार रुपए की लूट की गई थी। यह ही बताया गया कि मुठभेड़ के बाद घटनास्थल से बरामद यामाहा आर 15 बाइक और पिस्टल का लूट में इस्तेमाल किया गया था। बाइक सूरज साह की भाभी के नाम पर है, जिसका नंबर बदल-बदल वह इस्तेमाल करता था। पूछताछ में सूरज साह उर्फ अनिल कुमार द्वारा बताया गया लूट का पैसा अमोरजा निवासी सोनू सिंह ने रखा है। उसमें बीस हजार रुपए उसके पास था, जो पुलिस के साथ मुठभेड़ और भाग दौड़ में उसकी जेब से कहीं गिर गया। हालांकि पुलिस की काफी खोजबीन के बाद भी पैसा बरामद नहीं किया जा सका। एसडीपीओ राहुल सिंह की ओर इस बात की पुष्टि भी की गयी है। इधर, पुलिस सूत्रों के अनुसार जगदीशपुर पुलिस और डीआईयू टीम द्वारा अपराधियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा था। उस दौरान फुटेज में एक बाइक पर सवार तीन लड़कों को देखा गया। उस आधार पर पुलिस द्वारा जांच तेज की गयी, तो पता चला कि उक्त बाइक एक डांसर के पास अक्सर देखी जाती है। तब पुलिस उस डांसर के पास पहुंची और तीनों लड़के के बारे में जानकारी मिली। मोबाइल नंबर भी मिल गया। उस आधार पर पुलिस द्वारा लूट में अपराधियों को ट्रेस किया गया। इसके बाद पुलिस को सफलता मिली।

शराब के साथ एक धंधेबाज गिरफ्तार

नासरीगंज। कछवां पुलिस ने शराब निर्माण, बिक्री और सेवन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गुप्त सूचना के आधार पर मंगराव गांव में छापेमारी की। जहां से मनोज महतो को पनी में देशी महुआ शराब बांधते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

जिंदा शाह बाबा की समाधि पर हर वर्ष लगता है मेला, कलाकारों ने बांधी शमां

धूमधाम से मनाया गया जिंदा शाह बाबा का महोत्सव

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के तरारी प्रखंड के इमादपुर गांव में विशाल जिंदा शाह बाबा महोत्सव की धूम मची हुई है। इस दौरान 21 मन का बनाया हुआ प्रसाद से उनकी पूजा की गई ऐसा माना जाता है कि सच्चे मन से जो भी भक्त उनसे मुराद मांगते हैं वह जरूर पूरी होती है। पौराणिक कथा के अनुसार हजारों वर्ष पहले जब इस गांव से भरी दुपहरी में एक फकीर जिंदा शाह बाबा जा रहे थे। तभी उनको प्यास लगी थी और उन्होंने गांव के लोगों से पानी मांगा लेकिन किसी ने पानी नहीं दिया। उसी रास्ते जा रहे एक व्यक्ति ने पानी के बदले उनका दूध पिला दिया। जिसके बाद उनकी आत्मा तृप्त हो गई और उन्होंने वही समाधि ले लिया और पानी नहीं पिलाने वाले लोगों को श्राप देकर वह विलीन हो गए। इसके बाद से उस जाति के लोग उसे गांव के अलावा आसपास के गांव में नहीं रह पाते हैं। गलती से अगर वह इस गांव में आ भी गए तो उनके साथ कोई अनहोनी जरूर हो जाती है। वहीं इनकी महत्ता काफी दूर-दूर तक फैली हुई है। इसी जिंदाशा बाबा की समाधि पर हर वर्ष मेला लगता है और बड़े विधि विधान के साथ उनकी पूजा की जाती है। वह भी खुले आसमान के नीचे उनकी समाधि है। जिसकी पूजा गांव के अलावे आसपास के लोग भी बड़े धूमधाम से करते हैं। दूध गुड़ रोटी और मेवा बादाम से मिश्रित कर बनाए गए मलीदा से इनका भोग लगाया जाता है। सबसे पहले 24 घंटे का हरि नाम संकीर्तन होता है तत्पर साथ जिंदाशा बाबा की पूजा करने के बाद एक विशाल जिंदासा बाबा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें की भोजपुरी के एक से बढ़कर एक बेहतरीन कलाकारों ने बहुत ही सुंदर प्रस्तुति दी। उपस्थित कलाकारों में भोजपुरी की स्वर कोकिला सोनी पांडे डिंपल, भूमि प्रियंका सिंह, इंदु सोनाली, सुमित कई कलाकार मौजूद थे। कार्यक्रम का विधिवत संचालन एंकर विक्की तिवारी एवं अंतर्राष्ट्रीय उद्घोषक रवि रंजन राय ने किया। इस कार्यक्रम में भोजपुरी इंडस्ट्री के कई चर्चित कलाकारों ने अपने गानों के माध्यम से लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

इस कार्यक्रम के संयोजक सुधीर कुमार पांडे ने बताया कि हर वर्ष यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। और बड़े ही धूमधाम से बाबा की पूजा की जाती है और इस सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया जाता है। जिसमें की मुंबई से लेकर भोजपुरी के बड़े-बड़े कलाकार इसमें सम्मिलित होते हैं। इसमें आसपास के लोग एकत्रित होकर पूरे महोत्सव का आनंद लेते है। वहीं दूसरी ओर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये जाते है। उपस्थित लोगों में सुधीर पांडेय गुड्डू पांडेय, मुन्ना पांडेय, अमरीश पांडेय, बीरेंद्र सोनी, राजेश सिंह, रंजीत पांडेय, राहुल पांडेय, धीरज कुमार,राजकुमार, वकील पांडेय, समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

सुरभि गुप्ता और कासमी फातमा ने नीट परीक्षा में अर्जित की सफलता

- 876 में 705 ओबीसी में 276 रैंक प्राप्त की सुरभि गुप्ता ने

केटी न्यूज /रसड़ा

कस्बा के नगर पालिका परिषद वार्ड नंबर 13 मोहल्ला निवासी सुरभि गुप्ता ने नीट की परीक्षा में ऑल इंडिया रैंकिंग 876 में 705 ओबीसी में 276 रैंक प्राप्त करने वाली सुरभि गुप्ता नीट परीक्षा पास किया। परिवार के लोगों में खुशी के लाहौर दौड़ गई। बताते चले की रसड़ा कस्बा के डॉक्टर राजकुमार

गुप्ता के छोटे भाई आनंद कुमार गुप्ता की पुत्री सुरभि गुप्ता ने नीट की परीक्षा में 705 नंबर लाया है। सुरभि गुप्ता ने इसका श्रेय अपने माता-पिता के साथ सभी परिजनों को देती है। सुरभि ने बताया कि मैं एक अच्छे डॉक्टर बनकर समाज का सेवा करने मेरा लक्ष्य है। मैं अपने बड़े पिता के जैसे नाम रोशन करुंगी। इस दौरान उनके दादा लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता, दादी कुसुम देवी, माता आशा देवी, बड़े पिता संतोष कुमार गुप्ता भाई विजय कुमार गुप्ता सहित व्यापारी नेता सुरेश चंद्र जायसवाल, गौतम बुद्ध जायसवाल, विनोद कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

कासमी फातमा ने नीट परीक्षा में लहराया परचम

बलिया। प्रेम चक उर्फ उमरगंज निवासी पूर्व प्रशासनिक अधिकारी जियारत हुसैन की पुत्री कासमी फातमा ने नीट 2024 की परीक्षा में 655/720 अंक अर्जित करके सफलता प्राप्त करते हुए अपने गांव सहित जनपद का भी गौरव बढ़ाया है। वर्ष 2023 मे भी उन्होंने नीट परीक्षा दी थी जिसमे 603/720 अंक हासिल करने के बाद वे केजीएमयू जैसी टॉप सरकारी कॉलेज में डेंटल

कोर्स के लिए योग्य थी परंतु पिताजी से एक साल की और मोहलत मांग के उन्होंने कठिन परिश्रम किया और आज स्वयं को एमबीबी एस कोर्स के योग्य बनाया। वे अपनी सफलता के पीछे अपने माता पिता और अपने तीनों बड़े भाई का विशेष योगदान मानती है। उन्हीं की प्रेरणा से वह आगे बढ़ पायी है। वह अपने परिवार की पहली डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करना चाहती है।

एक नजर

भतीजे ने लाठी से हमला कर चाचा को उतारा मौत के घाट, सदमे में परिवार

गाजीपुर। सैदपुर थाना क्षेत्र के उचौरी गांव में रिश्ते को कलंकित करने वाली एक सनसनीखेज घटना प्रकाश में आई है। घर में हुए पारिवारिक कलह के दौरान एक युवक की ऐसी मति बिगड़ी कि उसने अपने ही चाचा पर लाठी से जानलेवा हमला कर बुरी तरह लहूलुहान कर दिया। बाद में उपचार के लिए ले जाते समय रास्ते में उनकी दुखद मृत्यु हो गई। बता दें कि उचौरी गांव के एक परिवार में किसी बात को लेकर पारिवारिक विवाद हो गया। नौबत गाली-गलौज और फिर हाथापाई तक पहुंच गई। इस बीच परिवार का एक युवक अनुदेश उर्फ निक्कू अपने चाचा प्रवेश कुमार पुत्र छोटे लाल पर लाठी लेकर टूट पड़ा। इसी बीच सिर पर सांघातिक चोट लगने से प्रवेश लहूलुहान होने के साथ ही बेहोश होकर जमीन पर गिर गए। जिसे देखकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। आनन- फानन में घायल को भीमापार स्थित एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया। इसके बाद लोग उन्हें गाजीपुर जिला अस्पताल ले गए। वहां भी हालत बेहद गंभीर देख चिकित्सकों ने वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। लेकिन वाराणसी ले जाते समय रास्ते में ही दुखद मृत्यु हो गई। इस बीच ऐसी जानकारी मिली है कि मृतक परमेश की पत्नी चंदा देवी ने पुलिस को तहरीर देने से मनाकर दिया है। कहा कि घटना एक सामान्य घरेलू विवाद के दौरान हुई थी और हमला जान से मारने की नीयत से जान-बूझकर नहीं किया गया था, बल्कि बहस के दौरान संयम खो देने के कारण हुआ। बहरहाल घटना के बाद से परिवार भारी सदमे में है।

दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

मनियर। एक विवाहिता ने ससुराल पक्ष के ऊपर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा मनियर थाने में दर्ज कराई है। मनियर थाना क्षेत्र के बड़ागांव निवासिनी प्रियंका गुप्ता पत्नी राजू गुप्ता वर्तमान निवासी बालूपुर थाना खेजूरी जनपद बलिया एवं स्थाई निवासी बड़ागांव थाना मनियर जनपद बलिया ने अपने पति, सास, ससुर ,जेठ ,देवर पर दहेज उत्पीड़न की मुकदमा दर्ज कराई है। विवाहित के तहरीर पर मनियर पुलिस ने पीड़िता के पति राजू गुप्ता पुत्र नथुनी गुप्ता, ससुर नथुनी गुप्ता पुत्र अज्ञात ,अर्जुन गुप्ता पुत्र नथुनी गुप्ता ,अनुसूईया देवी पत्नी नथुनी गुप्ता ,भीम गुप्ता पुत्र नथुनी गुप्ता निवासी गण बड़ागांव थाना मनियर जनपद बलिया के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। पीड़िता प्रियंका गुप्ता पुत्री स्वर्गीय रामशरण गुप्ता ने मुकदमा दर्ज कराई है। तहरीर मे बताया है कि मेरी शादी 2016 में राजू गुप्ता पुत्र नथुनी गुप्ता निवासी बड़ा गांव थाना मनियर जनता बलिया के साथ हुई थी। हम दोनों के संसर्ग से एक लड़की राधा 5 वर्ष एवं एक पुत्र प्रिंस 6 माह का है । शादी में मेरे मायके पक्ष के लोग पच्चास हजार रुपए नगद ,बेड, फ्रिज ,कूलर, अलमारी, अंगूठी ,चेन, समर्थ के अनुसार दहेज में दिए थे ।शादी के कुछ दिन तक ससुराल पक्ष के लोग हमें ठीक ढंग से रखे। उसके बाद पैसे एवं मोटरसाइकिल की मांग करने लगे । मैंने इसकी सूचना अपने मायके पक्ष के लोगों को दिया ।मेरे मायके पक्ष के लोग गरीब हैं और ससुराल पक्ष को मोटरसाइकिल एवं पैसे की मांग पूरा करने में असमर्थ है?। उनकी मांग पूरी न होने पर वे लोग मुझे शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। भद्दी भद्दी गाली देकर घर से भगा दिए। कहे कि तुम्हें जान से मार देंगे । इस संदर्भ में पूछे जाने पर थाना प्रभारी मंतोष सिंह के चार्ज पर मौजूद उप निरीक्षक रतनलाल पाठक ने बताया कि मुकदमा दर्ज हुआ है। आरोपी के घर पर दविश दी गई लेकिन फिर हाल उनके घर पर कोई नहीं है। मिलते ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष का मऊ स्थित डाक बंगले पर भव्य स्वागत

मऊ। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व सांसद श्री बनवारी लाल कंछल के मऊ आगमन पर लोक निर्माण विभागके डाक बंगले पर फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया । इसी क्रम में मऊ जिले में वाणिज्य कर विभाग द्वारा लगातार नोटिस देकर व्यापारियों का उत्पीड़न किए जाने जैसी समस्या से निपटने हेतु विचार विमर्श हुआ । डाक बंगले पर यह निर्णय हुआ कि प्रदेश अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल के साथ मऊ के व्यापारियों का एक प्रतिनिधि मंडल जिलाध्यक्ष अजय साहू के नेतृत्व में आयुक्त व्यापार कर लखनऊ स्थित उनके कार्यालय में मिलेगा। एवं जिले में व्यापारियों का न केंद्र प्रकरण उत्पीड़न करने में लिप्त अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग करेगा । जिला महामंत्री गोपाल कृष्ण बरनवाल ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज ने अपने नवीनतम आदेश में भ्रष्ट अधिकारियों को चेतावनी दे दी है।अधिकारी अपने व्यवहार में परिवर्तन लाए ,या फिर कार्यवाही के लिए तैयार रहे । बैठक में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष अजय साहू , जफर अहमद , जिला प्रभारी ब्रज भूषण गुप्ता , गोपाल कृष्ण बरनवाल, युवा जिलाध्यक्ष इसरत इकबाल लारी ,युवा उपाध्यक्ष अखिलेश मद्धेशिया,संजय गुप्ता एडवोकेट ,शिव चंद साहू अध्यक्ष चिरैयाकोट,नगर महामंत्री युवा जयंत बरनवाल ,अभिषेक जायसवाल (बजाज एजेंसी) ,नरेंद्र सिंह, मौलवी इकबाल साहब आदि लोग उपस्थित रहे।

शहाबगंज में 10 दिवसीय ई-रिक्शा प्रशिक्षण का हुआ आगाज

चंदौली। शहाबगंज स्थित चौहान भवन में मिशन शक्ति योजना के अन्तर्गत ई- रिक्शा प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र चंदौली के वरिष्ठ सहायक धर्मवीर कुमार तथा सीएमडी रिपे ग्रूप के बिरेन्द्र कुमार मिश्रा, यूपिकान लखनऊ के अमन पाठक द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद प्रशिक्षण किट तथा डेज्स वितरित भी किया गया। इस दौरान बिरेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा बताया गया कि ई-रिक्शा प्रशिक्षण के तहत अभ्यर्थियों को 04 दिवस व्यवहारिक प्रशिक्षण तथा 06 दिवसीय सैद्धान्तिक प्रशिक्षण कराया जायेगा, जिसमें यातायात नियम व शर्तों की विस्तृत जानकारी प्रदान की जायेगी।

खबरें फटाफट

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निशुल्क कोचिंग एक जुलाई से

चंदौली । जनपद में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत सत्र 2024-25 के लिए यूपीएससी, यूपीपीएससी, नीट, जेईई, एनडीए, सीडीएस व एसएससी सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निश्शुल्क कोचिंग का संचालन एक जुलाई से किया जाना सुनिश्चित है। इसके लिए 23 जून को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेंद्र मौर्य ने बताया कि प्रवेश के लिए इच्छुक अभ्यर्थी अपने साथ तीन फोटो, आधार कार्ड, हाईस्कूल, इंटरमीडिएट व अंतिम शैक्षणिक अर्हता का प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (सभी की स्व प्रमाणित प्रति) को लेकर कार्यालय जिला समाज कल्याण विभाग (गंगा रोड) में 20 जून सुबह 10 से शाम चार बजे तक उपस्थित होकर आवेदन पत्र प्राप्त जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 7459066767, 9264940408 पर संपर्क किया जा सकता है।

राशन कार्ड के लिए हो रहा है केवाईसी जमा

चंदौली। राशन कार्ड लाभार्थियों के डाटाबेस में सीडेड आधार नंबर का समुचित वैलिडेशन नहीं होने के कारण पात्र, अपात्र लाभार्थियों की पहचान के साथ खाद्यान्न वितरण में आने वाली समस्या के निस्तारण के लिए ई-केवाइसी किया जाना है। जिला आपूर्ति अधिकारी मनीष विक्रम ने बताया कि राशन कार्ड लाभार्थियों की ई-केवाइसी कराने का अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में राशन कार्ड के सदस्यों को ई-केवाइसी कराना अनिवार्य है। कहा कि लाभार्थियों की ई-केवाइसी का कार्य ई-पास के माध्यम से उचित दर विक्रेताओं के सहयोग से निःशुल्क कराया जाएगा। लाभार्थी अपनी निकटतम किसी भी उचित दर दुकान पर जाकर ई-केवाइसी करा सकते हैं। ई-केवाइसी के साथ इस विकल्प के तहत राशन कार्ड से मोबाइल नंबर जोड़ने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। जिसका उपयोग राशन कार्ड मुखिया की ओर से करते हुए मोबाइल नंबर फीड/ संशोधित किया जा सकेगा। यदि किसी राशनकार्ड में मुखिया के स्वजनजों का संबंध गलत प्रदर्शित है, तो उसे भी सुधारा जा सकेगा। जो भी लोग केवाईसी जमा नहीं जमा करेंगे। उनका आने वाले समय में अनाज नही मिल पाएगा। इसके लिए लाभार्थी केवाईसी जरूर जमा करें।

24 घंटे में हल्दी थाना क्षेत्र में चार व बैरिया थाना में एक की हुई मौत

अलग-अलग सड़क हादसों में सेना के जवान व मां-बेटे समेत पांच दर्दनाक मौत

- 14 जून को डियूटी पर जाने वाला था सेना का जवान धनजी यादव
- मामा के घर लक्ष्मण छपरा से अपने गांव गायघाट लौट रहा थे मां-बेटे गंगापुर काली मंदिर के पास हुई दर्दनाक हादसा

केटी न्यूज/ बलिया

बलिया जिले के विभिन्न इलाकों में सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। 24 घंटे में पांच लोगों की मौत ने कोहराम मचा दिया। जहां शुक्रवार की देर रात हल्दी थाना क्षेत्र में हुई जहां कार व बाइक की टक्कर में एक सेना के जवान समेत दो लोगों की मौत हो गई। वहीं दुसरी घटना बैरिया थाना क्षेत्र में हुई जहां विद्युत विभाग में तैनात लाईन मैन की मौत पिकअप के धक्के से हो गई। वहीं तीसरी घटना हल्दी थाना क्षेत्र में हुई। जहां कार-बाइक की टक्कर में मां-बेटे की मौत हो गई। पुलिस ने सभी शव को कागजी कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिजनों के चित्कार से गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्ग 31 स्थित हल्दी थाना क्षेत्र के बेलहरी ढाले पर कार की टक्कर से शुक्रवार देर रात एक फौजी समेत दो युवकों की मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। वहीं, मृतकों के घर-परिवार ही नहीं पूरे गांव में कोहराम मच गया। परिजनो का रोते-रोते बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हल्दी थाना क्षेत्र के मलिकपुरा (मझौवां) निवासी सेना के जवान धनजी यादव (35) पुत्र गुलाब चंद्र यादव तथा सरोज यादव (25) पुत्र शिवजस यादव शुक्रवार की रात करीब साढ़े नौ बजे बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। ये दोनों अभी बेलहरी ढाला स्थित मंदिर के पास पहुंचे थे कि तेज रफ्तार से आ रही स्वीफ्ट डिजायर कार ने जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद स्विफ्ट डिजायर कार भी एक तरफ पलट गई। इस हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

मृतक जवान 14 जून का था टिकट

रामगढ़। सड़क हादसे मे मृतक जवान की तैनाती हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला मे थी। बताया जाता है कि मृतक जवान 20 दिन की विभागीय अवकाश लेकर 25 मई को गांव आया था। वापसी के लिए 14 जून का टिकट था। उसकी दस वर्षीय बेटी कृषि के साथ पत्नी किरण का रोकर बुरा हाल हो रहा है। वही दूसरे मृतक युवक की अभी शादी नही हो पायी है। दो भाइयों मे छोटा था। इस घटना से दोनों परिवारो मे कोहराम मच गया। पूरे गांव मे मातम पसरा है।

पिकअप-बाइक की टक्कर में लाइनमैन की मौत, दूसरे की हालत गम्भीर

बलिया। बैरिया बलिया मार्ग एनएच 31 पर गजहवा बाबा के पास बैरिया विद्युत सब स्टेशन पर तैनात लाइनमैन (40) वर्ष संजय वर्मा को पीछे से आ रही तेज रफ्तार पिकप ने टक्कर मार दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। बताते चले कि बैजनाथ छपरा निवासी संजय वर्मा संविदा कर्मी बैरिया विद्युत सब स्टेशन पर तैनात था। शुक्रवार को जेई के आदेश पर बैरिया से दिघार 33 हजार की लाइन में आए फाल्ट को कोटवां निवासी लाइन मैन राजेश वर्मा (40) वर्ष मोटरसाइकिल से जा रहे थे। अभी वो राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गजहवा बाबा के स्थान पहुंचे थे कि पीछे से तेज गति से आ रही पिकअप ने टक्कर मार दी। जिसमें दोनों लाइनमैन गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सोनवरसा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। जहां संजय वर्मा की मौत हो गई वही गंभीर रूप से घायल राजेश वर्मा को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। जहां उसका इलाज चल रहा है। लाइनमैन की मौत की खबर पर पहुंचे उनके साथियों व चेयरमैन प्रतिनिधि शिवकुमार वर्मा मनटन के साथ पहुंचे दर्जनों लोंगो ने एनएच जाम कर मुआवजा की मांग कर रहे थे।

बलेनो कार के धक्के से बाइक सवार मॉ–बेटे की हुई मौत

बलिया। हल्दी थाना क्षेत्र के हुकुम छपरा गंगापुर काली मंदिर के पास एनएच 31 पर शनिवार को लगभग साढ़े पांच बजे एक बलेनो कार की टक्कर से बाइक सवार मां–बेटे की मौके पर मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं क्षतिग्रस्त कार को कब्जे में लेकर थाने लेकर चली गयी। बता दे कि रुद्रपुर गायघाट निवासी छोटू यादव 23 वर्ष पुत्र पुत्र कृष्ण यादव अपनी मां विद्यावती देवी उम्र 55 वर्ष को बाइक पर बैठाकर अपने मामा के घर लक्ष्मण छपरा से अपने गांव गायघाट जा रहे थे। वे जैसे ही वे हुकुम छपरा गंगापुर के पास पहुंचे कि अचानक सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बलेनो कार ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे मॉ–बेटे की मौके ही मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनो के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कार को बचाने में अनियंत्रित होकर ट्रक पार्क में घुसी

लक्ष्मणपुर। कार को बचाने में शनिवार को एक ट्रक अनियंत्रित होकर भरौली गोलम्बर पर स्थित स्वामी सहजानंद सरस्वती पार्क में घुस गयी। गनीमत रहा कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ बस पार्क क्षतिग्रस्त हो गया है। इस घटना से अफरा–तफरी बच गया। घटना की जानकारी होते ही मौके पर पहुंची नरही पुलिस ने वाहन को पार्क से बाहर निकलवाकर थाने लेकर चली गयी। बता दे कि उक ट्रक दोपहर करीब एक बजे बक्सर से बलिया की तरफ जा रहा था। इस बीच भरौली गोलम्बर के पास जैसे ही पहुंचा कि बलिया से बक्सर की तरफ जा रही एक अर्टिगा कार उसके सामने आ गयी। जिसे बचाने के टक्कर में ट्रक अनियंत्रित होकर भरौली गोलम्बर स्थित स्वामी सहजानंद सरस्वती पार्क में घुस गयी। जिससे स्वामी सहजानंद सरस्वती पार्क क्षतिग्रस्त हो गया है। संयोग अच्छा रहा कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

नोडल अधिकारी ने तीन आयुष्मान आरोग्य मंदिर का किया औचक निरीक्षण

- रेवतीपुर ब्लाक में स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के तहत टीकाकरण सत्र शुरू

केटी न्यूज /गाजीपुर

रेवतीपुर ब्लाक अंतर्गत शनिवार को अपर मुख्य चिकित्साधिकारी व नोडल अधिकारी डा. मनोज कुमार ने क्षेत्र अंतर्गत ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (बीएचएनडी) के तहत चल रहे आयोजित टीकाकरण सत्र के साथ ही तीन आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एचडब्लूसी) का औचक निरीक्षण किया। जिसके कारण स्वास्थ्य कर्मियों में हडकंप मच गया। उन्होंने आयोजित टीकाकरण के बारे में जानकारी हासिंल की। साथ ही उन्होंने अभिलेखों का भी बारिकी से अवलोकन किया। क्षेत्र में छूटे हुए बच्चों और गर्भवती महिलाओं की सूची के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने टीकाकरण कर्मी को सख्त हिदायत दिया कि किसी भी दशा में लक्षित गर्भवती महिलाएं व बच्चे टीकाकरण से वंचित न रह जाएं। इसके उपरांत अपर मुख्य चिकित्साधिकारी/ नोडल अधिकारी डाक्टर मनोज कुमार हेल्थ वेलनेस सेंटर पटकनियां, मेदनीपुर और सुहवल धमक पड़े। इस दौरान जहां उन्होंने साफ सफाई, अभिलेखों, दवाओं के रखरखाव, उपस्थिति के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) को सख्त हिदायत दिया कि अपने लक्ष्य के सापेक्ष ई- संजीवनी, एनसीडी, टेली मेडिसिन आदि कार्यों को शासन के मंशा के अनुरूप ससमय पूर्ण करें। अन्यथा लापरवाही पाए जाने पर सख्त विभागीय कार्रवाई तय है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में विकास खंड को टीकाकरण के लिए कुल 5695 गर्भवती महिलाओं , 4824 बच्चों और अन्य कार्यक्रम के लिए करीब दो लाख दस हजार आबादी का लक्ष्य शासन स्तर से निर्धारित किया गया है।जिसे चालू वित्तीय वर्ष में किसी भी दशा में लक्ष्य को पूरा करना है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक शासन के मंशा के अनुरूप कार्य को करने के लिए आकांक्षात्मक विकास खंड के श्रेणी में रखा गया है। जिसमें जनपद के कुल छह विकास खंड एवं यूपी में कुल 112 विकास खंड सम्मिलित हैं।अपर मुख्य चिकित्साधिकारी/ नोडल अधिकारी डा. मनोज कुमार ने बताया कि बीएचएनडी के तहत नियमित टीकाकरण 12 प्रकार की बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है। जिनमें टीबी, पोलियो, हेपेटाइटिस बी, डिप्थीरिया, टीटनेस, मिजिल्स, परट्यूटिस (काली खांसी), रूबेला, जेई (दिमागी बुखार), निमोनिया, वायरल डायरिया आदि से बचाने में टीकों की भूमिका अहम है।

पैसे वापस मांगने पर आरोपियों ने पीड़ित को दी जान से मारने की धमकी

शराब की एजेंसी दिलाने के नाम पर 42 लाख की ठगी

- तहरीर के बाद पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

केटी न्यूज/बांसडीह

शराब की जनपदीय एजेंसी दिलाने के नाम पर 42 लाख की ठगी के मामले में पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चार व्यक्तियों के खिलाफ जालसाजी व आपराधिक विश्वासघात का मुकदमा दर्ज किया है। क्षेत्र के बकवा निवासी प्रतीक कुमार सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीते कुछ समय पूर्व उनकी अपने एक मित्र के माध्यम से अश्वनी श्रीवास्तव निवासी हकीमपुर थाना जहांगीरगंज जिला आम्बेडकरनगर व सुरेंद्र विश्वकर्मा विश्वनाथ विश्वकर्मा निवासी मसैजा मिजार्पुर जिला अंबेडकरनगर व उक्त लोगों के कंपनी के मैनेजर शशांक तिवारी निवासी पुरसैनी थाना मोहनलालगंज से लखनऊ में मुलाकात हुई। जिसमें उनके द्वारा अपनी शराब की कंपनी के

बारे में बताया गया और इसके बाद अश्वनी श्रीवास्तव मुझे लेकर अपने लखनऊ सनबीम टावर स्थित आफिस ले गये। जहां उनके द्वारा शराब की जनपदीय एजेंसी (डीएसए) की प्रक्रिया समझाई और इसके लिये 17 लाख रुपये लगने की बात कही। वादी द्वारा इसमें दिलचस्पी जताने पर उनके द्वारा कुछ दिन बाद लखनऊ बुलाकर कागजी कार्रवाई पूरी की गयी। इसी दौरान उनके द्वारा वादी को लखनऊ की (डीएसए) एजेंसी दिलाने का प्रलोभन दिया गया और इसकी लागत 25 लाख रुपये बताई गयी। इसके बाद वादी प्रतीक सिंह ने उनकी कंपनी के खाते में बारी बारी से 26 लाख 34 हजार, 2 लाख 95 हजार, 7 लाख 9 हजार, 2 लाख रुपये अलग अलग तिथियों में उनके बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किये गये। इसके बाद कंपनी के मैनेजर शशांक तिवारी द्वारा फोन कर बताया गया कि बाकी पैसे नगद देने होंगे कंपनी को कैश की आवश्यकता है। इसके बाद वादी द्वारा अपने एक मित्र के साथ लखनऊ जाकर कंपनी के मैनेजर शशांक तिवारी को 5 लाख रुपये नगद दिये गये। इसके कुछ दिन बाद पुनः लखनऊ जाकर 3 लाख 61 हजार रुपये नगद दिये गये। इस तरह कुल 42 लाख रुपये इन्हें दे दिये गये। इसके बाद इन लोगों द्वारा वैधानिक प्रक्रिया के नाम पर कई महीनों तक उलझाकर आज कल करते हुए काफी समय व्यतीत कर दिया गया। इसके बाद इनसे पैसे वापस मांगने पर इन लोगों द्वारा जान से मारने की धमकी दी गयी। इस धोखाधड़ी व धमकी से आहत पीड़ित ने मामले में पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की । जिसके बाद पुलिस ने मामले में पीड़ित द्वारा प्रस्तुत किये गए दस्तावेजों की जांच के बाद प्रकरण में आरोपितों के खिलाफ धोखाधड़ी व जालसाजी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस संबंध में कोतवाल स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि प्रकरण में अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सेना के पूर्व कैप्टन ने अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स भारत चैम्पियनशिप में लिया हिस्सा

- 65 प्लस आयु वर्ग में अपने प्रतिभा का परचम लहराते हुए गोल्ड व कांस्य पदक जीता

केटी न्यूज गाजीपुर

रेवतीपुर ब्लाक के रामपुर उर्फ साधोपुर निवासी सेना के पूर्व कैप्टने बब्बन रामे ने अयोध्या में आयोजित पहली अंतर्राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स भारत चैम्पियनशिपे के 65 प्लस आयु वर्ग में अपने प्रतिभा का परचम लहराते हुए 100 मीटर बाधा दौड में एक गोल्ड और भाला प्रक्षेप में कांस्य पदक जीत देश व प्रदेश का नाम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रौशन किया है।

सेना से रिटायर्ड होने के बाद इस ढलती उम्र में भी एथलेटिक्स में पदक जीतने की जानकारी सैन्य कर्मियों, खेल प्रेमियों, परिजनों सहित पूरे इलाके को हुई तो सभी खुशी से झूम उठे। लोगों ने इसका जश्न जमकर मनाया। लोगों ने बताया कि जिस तरह से पूर्व कैप्टन बब्बन राम ने अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए गोल्ड व कांस्य जीता है। निश्चित ही वह खेल प्रेमियों विशेषकर युवाओं के लिए एक प्रेरणा का श्रोत है। लोगों ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को मास्टर्स एथलीट सेना के पूर्व कैप्टन बब्बन राम से खेल की कुछ बारिकियां सीखनी चाहिए ताकि उनसे प्रेरणा लेते हुए युवा भी पदक जीत सकें।

उधर पदक जीतने के बाद बातचीत में सेना के पूर्वे कैप्टन व मास्टर्स एथलीटे बब्बने रामे ने बताया कि इस चैम्पियनशिप में उन्हें विपक्षी टीमों के खिलाड़ियों से कड़ी टक्कर मिली। मगर अपने हौंसले व दमखम के जरिए उन्होंने सौ मीटर के बाधा दौड़ में गोल्ड व भाला प्रक्षेप में कांस्य पदक जीतने में सफलता हासिंल हुई। बब्बन राम ने बताया कि पदक जीतना उनके लिए काफी गौरवशाली है, सैकड़ों खिलाड़ियों के बीच उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। कहा कि अगर लक्ष्य को पाना है तो अभ्यास के साथ हौंसला भी रखना होगा, तभी सफलता हासिंल होगी। उन्होंने बताया कि इसके पहले वह अब तक दो गोल्ड समेत कुल तेरह पदक जीत चुके है,बताया कि उन्होंने 2009 में सेना से रिटायर होने के बाद 2021 से मास्टर्स एथलेटिक में खेलना शुरू किया,कहा कि उनकी इच्छा पदकों का अर्धशतक लगाने की है।

पीएम के शहर वाराणसी में उग्र हुए भविष्य के डॉक्टर, एनटीए में धांधली के खिलाफ खोला मोर्चा; बोले आक्रोशित अभयर्थी...

मोदी अंकल... चोरी हो गई मेरी सीट, प्लीज फिर से कराइए नीट परीक्षा

- छात्रों की मांग काउंसलिंग प्रोसेसिंग पर स्टे लगाया जाए तथा वी वॉन्ट री-नीट
- कम मार्क्स वाले थे, उनको बढ़ा दिया जिससे जो बच्चे डिजर्विंग थे उनको नहीं मिल रहा है गवर्नमेंट कॉलेज

केटी न्यूज/वाराणसी

पीएम मोदी के संसदीय शहर में शनिवार की सुबह छात्रों का गुस्सा फुट पड़ा। जिसके बाद दो हजार नीट के छात्र सड़कों पर आकर एनटीए के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगे। छात्रों के द्वारा प्रधानमंत्री मोदी से नीट परीक्षा में एनटीए के द्वारा की धांधली में हस्तक्षेप करते हुए परीक्षा रद्द कर पुनः परीक्षा की मांग कर रहे है। छात्रों ने पीएम मोदी से मांग करते हुए नारे लगा रहे थे कि मोदी अंकल, चोरी हो गई है मेरी सीट, प्लीज फिर से करवाइए नीट परीक्षा सहित तरह के नारों से पुरा वाराणसी शहर गुंज उठा। बीएचयू के सिंह द्वार पर हाथ में बैनर पोस्टर लेकर छात्रों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना है कि नीट यूजी परीक्षा परिणाम को निरस्त किया जाए। छात्रों ने करीब एक घंटे तक जमकर नारेबाजी की। हालांकि अचानक सड़कों पर उतरे छात्रों को देख कर वाराणसी पुलिस के हाथ-पांव फुलने लगे। तुरंत पुलिस के वरीय पदाधिकारियों ने मोर्चा संभाला छात्रों व शिक्षकों को समझा कर शांत किया और उनसे आवेदन लिया। जिसके बाद छात्रों का आक्रोश शांत हुआ।

एनटीए के जवाबों से नाखुश हैं अभ्यर्थी

गौरतलब है कि एनटीए दावा कर रही है कि उसने परीक्षा कराने के 30 दिन के अंदर नीट यूजी का रिजल्ट जारी किया है। जिस दिन देश में लोकसभा चुनाव गिनती चल रही थी, उसी दिन नीट यूजी का रिजल्ट भी जारी कर दिया। रिजल्ट के दिन को लेकर भी विशेषज्ञ उंगली उठा रहे हैं। उनका कहना है कि जब समय था तो आनन-फानन में लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के दिन रिजल्ट क्यों जारी किया गया है।

कोचिंग संस्थान भी नाराज

छात्रों के साथ-साथ देश में बड़े-बड़े कोचिंग संस्थान चलाने वाले शिक्षक भी अब नीट के रिजल्ट से नाराज दिख रहे हैं। फिजिक्स वाला के संस्थापक आनंद पाण्डेय ने इस मुद्दे पर मुखरता से अपनी बात रखी है और उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा है कि वह नीट के रिजल्ट की गड़बड़ियों को लेकर अब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को एक लीगल नोटिस भेजेंगे। वहीं मोशन एजुकेशन नाम की संस्था चलाने वाले नितिन विजय भी इस रिजल्ट से नाराज हैं और सोशल मीडिया पर इसके खिलाफ मुहिम चला रहे हैं। इसके अलावा वो सुप्रीम कोर्ट भी जाने की बात कर रहे हैं।

काउंसलिंग प्रोसेसिंग पर स्टे लगाया जाए तथा वी वॉन्ट री-नीट करवाया जाए : कृतिक

आकाश कोंचिग संस्थान के छात्र 695 अंक लाने वाले कृतिक राज ने कहा कि इस वर्ष नीट मैं काफी ज्यादा धांधली हुई है। रिजल्ट में मार्किंग में उन सब के विषय में सारे नीट के जो परीक्षार्थी दुखी है। सब आक्रोश में भरे हुए हैं तथा वाराणसी में आज हमने धरना प्रदर्शन किया। हम लोगों की मांगे हैं कि जिसने भी इसमें योगदान दिया है। एक जांच कमेटी बैठाकर उसे सजा दी जाए। इसके अलावा काउंसलिंग प्रोसेसिंग पर स्टे लगाया जाए तथा वी वॉन्ट री-नीटकरवाया जाए ताकि इस तरह का स्कैम दोबारा ना हो सुनिश्चित किया जाए। एनटीए ने काफी लोगों को ग्रेस मार्किंग दी है तथा इसका कोई आधार नहीं है। लगातार ऐसे ही रीजन दे रहे हैं जिसका कोई सेंस नहीं बन रहा है। इसके अलावा इनका कहना है की 13 जून 2018 के सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर से इसका आधार है। नीट जैसे ऑफलाइन परीक्षा का इस नॉर्मलाइजेशन से कोई संदर्भ नहीं है। इसके अलावा काफी सेंटर पर पाया गया है कि बहुत सारे ऑल इंडिया रैंक वन आए हैं अचानक से कैसे हो गया..! तथा एका एक कट ऑफ में 40 से 50 नंबर कैसे बढ़ गया..! एनटीए इसको लेकर कोई उचित जवाब नही दे पा रहा है।

हर लेवल पर हुआ है स्कैम इसलिए होना चाहिए री-नीट: प्रीति मिश्रा

आकाश कोंचिग संस्थान की छात्रा प्रीति मिश्रा कहती है कि जो स्कैम हुआ है वह देशभर की सारी जनता जानती होंगे, इतना बड़ा स्कैम कैसे हो सकता है..! वह भी जो नेशनल टेस्टिंग एजेंसी जो है बहुत सारी जिम्मेदारी देती है। वह कैसे इतनी बड़ी चुक कर सकती है,बहुत सारे स्कैम है जो निम्नलिखित है। पहले ग्रेस मार्क 1500 से अधिक बच्चों को दिया गया है। 1500 से अधिक बच्चों को ग्रेस मार्क दिया गया है तो उनका इन्फ्लेशन केवल एक हजार पन्द्रह सौ आना चाहिए, लेकिन 20- 30 का डिफरेंस आ रहा है। जो पिछले साल के मार्क्स का रैंक था। दूसरा ग्रेस मार्क नहीं उन्होंने कुछ नॉर्मलाइजेशन फॉर्मूला निकला है। पता नहीं उन्होंने यह फामूर्ला क्यों लगाया है। किसी बच्चे को 5 मार्क्स देते हैं बढ़ाकर,किसी को 40 ,किसी को 100, किसी को 200 यह कोई बात नहीं होती। नॉर्मलाइजेशन पेपर के लिए की गई थी जो सुप्रीम कोर्ट है 2018 उन्होंने केवल फ्लैट के पेपर को दिया था। नीट जैसे पेपर में नॉर्मलाइजेशन लगाना और यह कहना कि हम कैमरे से विजुलाइजेशन कर रहे हैं कि वह ओएमआर कैसे फिल कर रहे हैं और उसके अकॉर्डिंग हमने मार्कस दिए हैं। यह बहुत ही गलत बात है। नॉर्मलाइजेशन का फामूर्ला ना कभी लगा था नीट की हिस्ट्री में न लगना चाहिए। इनफॉरमेशन फामूर्ला बिल्कुल हटाना चाहिए, जो 6 बच्चे सेंटर से निकले हैं जिनके सेंटर कोड एकदम सेम है। यह बहुत ज्यादा आश्चर्यचकित करने वाली बात है। ऐसा पॉसिबल ही नहीं है, कि एक सेंटर से एक ही रूम से एक ही सेंटर से 8 से ज्यादा बच्चे निकले। मेरी डिमांड यह है कि री-नीट दोबारा होना चाहिए।

इन मुद्दों पर छात्रों ने किया प्रदर्शन

- पहली बार ग्रेस मार्क पर आपत्ति।
- एक ही सेंटर के 7 बच्चों को 720 में 720 मार्क आना।
- पहली बार 67 बच्चों का फुल मार्क आना ऐसा कैसे आया ।
- पिछली बार 610 नम्बर पर आल इंडिया रैंक 23,000 था इस बार 650 पर 28,000 कैसे हो गया।
- पटना में पेपर लीक को लेकर एफआईआर हुआ उसके बाद भी पेपर कैसे हुआ और परिणाम कैसे घोषित हुआ।

इस वर्ष एनटीए में हाई लेवल की धांधली हुई है 24-25 लाख बच्चे शांत नहीं बैठेंगे : प्रांजल राय

आकाश कोंचिग संस्थान के छात्र प्रांजल राय कहते है कि वर्ष 2024 में हाई लेवल पर धांधली हुई है। इस साल ये एनटीए को पता है। पुरी धांधली एनटीए ने खुद किया है। पेपर लीक हुआ है जिसका ग्रेस मार्क कोई बेसिस ही नहीं है ना उन्होंने पहले मेंशन किया है, कि ऐसा टाइम कम होने पर हम ग्रेस मार्क देते हैं, ना कभी दिया। हर साल टाइम की कमी होती थी। हर साल सेंटर पर भी एग्जाम होते थे।इस साल शांति से वह भी किसी को बिना बताए उन्होंने ग्रेस मार्क दिया। 200 नंबर, 100 नंबर का इस्तेमाल किया। वह बच्चे जो कम मार्क्स वाले थे, उनको बढ़ा दिया। जो बच्चे डिजर्विंग थे उनको गवर्नमेंट कॉलेज नहीं मिल रहा है। उसके आक्रोश में शनिवार को हमने बनारस में धरना प्रदर्शन किया और एनटीए को इस धांधली का जवाब देना पड़ेगा। देश के 24-25 लाख बच्चे शांत नहीं बैठेंगे और हम आगे भी ऐसे धरना प्रदर्शन देते रहेंगे। जब तक एनटीए उसका कुछ करता नहीं है। हमारी मांगे यह है कि इस पर जांच बैठे और री-नीट एग्जाम हो ताकि सारे बच्चों को एक दोबारा मौका मिले, जितना मेहनत किया था। उसको दिखाने के लिए और यह जो ग्रेस मार्क और धांधली हुई है यह ना हो और दोबारा आगे भी परीक्षा हो तो उसको ध्यान पूर्वक करवाया जाए।

कम मार्क्स देकर भविष्य के लिए लोगों के स्वास्थ्य के खिलवाड़ कर रहा है एनटीए: आनंद पाण्डेय

वाराणसी। आकाश इंस्टिट्यूट वाराणसी के सेंटर डायरेक्टर आनंद पाण्डेय ने कहा कि जिन छात्रों ने धरना प्रदर्शन किया है वो नीट की परीक्षा में अपीयर हुए थे।ि रजल्ट डिक्लेयर किया है। रिजल्ट आने के बाद बच्चो ने अपनी मेहनत अनुसार अंक प्राप्त किये है। जो उनकी रैंक दी है वो बेहद खराब दी है। इस रैंक के पीछे उन्होंने खुद रीजन बताया है की हमने कुछ बच्चो को ग्रेस मार्क दिया है। हमारे सिस्टम में आज तक नीट के एग्जाम में कभी भी ग्रेस मार्क का कोई प्रावधान नही है। इस प्रावधान को इन्होंने अपने इन्फॉर्मेशन बुलेटिन में भी नही लिखा। कही ना कही ये हमारी भारत के स्वास्थ्य सेवाओं को भविष्य में इफेक्ट करेगी। भविष्य में जो डॉक्टर पास होकर निकलेंगे वो ग्रेस मार्क के दम पर यदि मेडिकल कॉलेज में एडमिशन लिए होंगे। जो मेहनत कर के नम्बर लाये होंगे तो दोनों में अंतर होग। ग्रेस मार्कस का सिस्टम इस साल और भविष्य के लिए पूरी तरह हटाया जाए। इस साल जिन बच्चों को ग्रेस मार्क दिया गया है। उनके नाम को उजागर किया जाए और उनके लिए अलग से परीक्षा आयोजित कि जाए वो फिर से अपनी परीक्षा दें। अपने पूर्ण टाइम में उसके बाद नई रैंकिंग डिसाइड की जाये। या तो कुछ भी संभव नहीं है तो उस केस में दोबारा री-नीट करवाया जाये। दोबारा परीक्षा आयोजित की जाए। फिर से चीजों को रैंकिंग उसमें दी जाए। इसमें बहुत सारी बातें आ रही है जैसे पहली बात आई थी। ग्रेस मार्किंग,दूसरी ये जिस समय एग्जाम हुआ था तो उस समय पेपर भी लीक हुआ था, बहुत सारी चीजें हैं। तो इसमें से 2-3 चीजे हैं। जो ध्यान देने योग्य है। एक ग्रेस मार्किंग और दूसरा आप कह लीजिए पेपर का लीक होने ये दोनों चीजे, ये दोनों चीजे एग्जिस्ट करती है तो इस कन्डीशन में इनको दोबारा एग्जाम करवाना चाहिए।

बिरहा महोत्सव में प्रतिभा खोज परीक्षा के 10 प्रतिभागी पुरस्कृत

केटी न्यूज / मालीपुर

क्षेत्र के लेखमनपुर गांव में शुक्रवार को सांयकाल बिरहा सम्राट सुरेश यादव की स्मृति में जदू गौवापारी एवं संत गंगाधारी बिरहा महोत्सव आयोजित किया गया। इस दौरान आदि शक्ति मां परमेश्वरी फाउंडेशन के तरफ से ग्रामीण प्रतिभा खोज परीक्षा 2024 के सफलता प्राप्त प्रथम 10 प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति देकर सम्मानित किया गया। साथ ही महोत्सव में शिरकत करने आए कलाकारों ने अपनी अपनी रचनाओं के माध्यम से बिरहा सम्राट सुरेश यादव को श्रद्धांजलि दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत पूर्व ब्लॉक प्रमुख सियर विनय प्रकाश अंचल,वैज्ञानिक डा जितेंद्र यादव,डा इंद्रासन यादव,कवि रामसोच यादव ने बिरहा सम्राट जदू गौवापारी,संत गंगाधारी सुरेश यादव के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया ।सर्व प्रथम प्रतिभा खोज परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त आशिया अंसारी को साइकिल,द्वितीय स्थान प्राप्त सिद्धि वर्मा को टेबल फैन, तृतीय स्थान प्राप्त सुप्रिया यादव को स्मार्ट वॉच के साथ ही कुमारी अनीशा, आयुष वर्मा, विवेक सैनी, ऋषभ भारती, आदर्श यादव, जागृति गिरी, आकृति गुप्ता, आयुष यादव, सत्यम यादव, उत्तम यादव को सांत्वना पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बिरहा महोत्सव मे बिरहा सम्राट ओम प्रकाश यादव,ओम प्रकाश दीवाना, धर्मेंद्र सोलंकी,कु प्रिया आजमगढ़, प्रियंका माधुरी इलाहाबाद, अंबिका यादव, राधेश्याम, चंद्र प्रकाश पांडेय मऊ, राम भरोसा यादव, अवध बिहारी मितवा, शिवशंकर शुभम, रामकृपाल यादव, रामकेवल गाजीपुर, परशुराम यादव सहित दो दर्जन से ऊपर कलाकारों ने अपनी अपनी रचनाओ के मध्यम से बिरहा सम्राट सुरेश यादव को श्रद्धांजलि अर्पित किया।

जौनपुर में तेज रफ्तार ट्रेलर ने पिकअप गाड़ियों में मारी भीषण टक्कर,दो की मौत

केटी न्यूज/जौनपुर

बक्शा थाना क्षेत्र के शम्भूगंज आदर्श इंटर कालेज के समीप शनिवार की सुबह ट्रेलर के भीषण टक्कर से दो पिकअप गाड़ी में लोडिंग का कार्य कर रहे दो युवकों की मौके पर मौत हो गयी। टक्कर इतना भीषण रहा की दोनों पिकअप गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। तथा आवागमन को सुचारू रूप से चालू कराया। घटना की सूचना सुबह मिलते ही थाने व घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गयी। जानकारी के मुताबिक शनिवार की सुबह थाना बक्सा क्षेत्र के वाराणसी लखनऊ हाईवे पर आदर्श इंटर कॉलेज कर पास दो पिकअप गाड़ी में चाउमीन लोडिंग का कार्य चल रहा था।दो युवक एक चाउमीन के बन्द पैकेट को एक गाड़ी से दूसरे गाड़ी में लोड कर रहे थे।इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रेलर ने दोनों पिकअप में तेजी टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप पर कार्य कर रहै दोनो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और पिकअप के परखच्चे उड़ गए। एक मृतक युवक बक्शा थाना क्षेत्र के शिवगुलामगंज उमरपुर निवासी 25 वर्षीय सचिन गुप्ता व दूसरा सुल्तानपुर जनपद के लालडिग्गी कोतवाली निवासी 35 वर्षीय गौतम घोष बताया जा रहा है।घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया तथा हाईवे के आवागमन को चालू करवा दिया।फिलहाल ट्रेलर चालक की तलाश में जुट गई है।

अज्ञात बदमाशों ने चाकुओ से गोदकर ऑटो चालक की हत्या

जौनपुर। जिले के नेवढ़िया थाना क्षेत्र के घमाहापुर गांव में दिनदहाड़े चाकू से घोपकर अज्ञात ऑटो चालक की घायल कर फरार हो गए बदमाश दिनदहाड़े चाकू मारकर के ग्रामीण मचा हड़कंप ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस। जौनपुर जिले के नेवढ़िया थाना में उसे समय हड़कंप मच गया जब दिनदहाड़े एक ऑटो चालक को चाकू मारने की सूचना पुलिस को मिली ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस पहुंची मौके पर देखी खून से लपट ऑटो चालक को गंभीर भर्ती में अस्पताल में भर्ती कराया गया , फिलहाल चाकू मारने की घटना की सूचना मिलती है जिले के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे जायजा लिया फिलहाल पुलिस ने इस अज्ञात व्यक्ति का शिनाख़्त की जा रही पूरे मामले की जाँच पड़ताल कर रही है क्षेत्राधिकारी मडियाहू उमाशंकर सिंह ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा एक ऑटो चालक को घायल अवस्था में अस्पताल भर्ती कराया गया है मौके पर पुलिस पहुंची है पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 जून को आ सकते हैं काशी, विशाल जनसभा को करेंगे संबोधित

वाराणसी । वाराणसी लोकसभा सीट से जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार 11 जून को काशी आ सकते हैं। 9 जून को शपथ ग्रहण के बाद संसदीय क्षेत्र में पीएम मोदी का यह पहला दौरा होगा। पीएम काशी विश्वनाथ मंदिर में काशी पुराधिपति का अभिषेक कर आशीर्वाद लेंगे। गंगा आरती और आभार काशी जनसभा में शामिल होंगे। पीएम 11 जून को काशी की जनता का आभार व्यक्त करने के लिए बरेका ग्राउंड में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसमें 50 हजार से ज्यादा लोग शामिल होंगे। जनता से संवाद के दौरान विकास कार्यों और भविष्य की योजनाएं भी गिनाएंगे। उधर, 9 जून को काशी के सांसद नरेंद्र मोदी पीएम पद की शपथ लेंगे। उनके शपथ ग्रहण में स्वामी जितेन्द्रानंद सरस्वती सहित काशी के संत, पदम विभूतियां, प्रस्तावकों समेत जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। पीएमओ की ओर से इन सभी को शपथ ग्रहण में शामिल होने का आमंत्रण आ चुका है। आमंत्रित सभी अतिथि आज शाम फ्लाइट से वाराणसी एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। पीएम नरेंद्र मोदी की जीत के बाद गुरुवार को भाजपा के पदाधिकारी और विधायक मंत्री नई दिल्ली पहुंचे थे। पीएम आवास पर नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी जीत का प्रमाणपत्र दिया था। पीएम से काशी आने की अपील की थी, जिस पर पीएम ने सहमति जताई।

मानवता को शर्मसार करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

दो युवकों ने महिला को घसीटकर ईंटों से किया हमला

केटी न्यूज/जौनपुर

चंदवक थाना क्षेत्र अंतर्गत लेवरुवा गांव का मानवता को शर्मसार करने वाला वीडियो वायरल हो रहा है।एक महिला को घसीटकर ईट पत्थर से मारने का विडियो इन दिनों सोसल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। विडियो में साफ देखा जा सकता किस तरह से दो युवक एक महिला को जमीन पर घसीट कर ईट पत्थर से ताबड़ तोड़ मार पीट रहे है। महिला चीख चिल्ला कर अपनी जान की दुहाई मांग रही है। बाबजूद इसके दोनो युवक बेरहमी से महिला की पिटाई कर रहे है। महिला के पिटाई का विडियो देख हर कोई दंग है।हालांकि वायरल वीडियो 24 मई का बताया जा रहा है।पीट रही महिला का नाम किरण देवी पत्नी गुड्डू जैसवार तो महिला को पीट रहे युवक का नाम पवन कुमार व संतोष कुमार पुत्र हरिलाल बताया जा रहा है। जिसके संबंध में चंदवक थाने में तीन लोगो के खिलाफ 504,506,323 मुकदमा पंजीकृत कर दिया गया है। लेवरूवा निवासी पीड़ित महिला किरण देवी ने जनपद मुख्यालय पहुंच पुलिस अधीक्षक को

शिकायती पत्र सौप विपक्षी के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने की गुहार लगाई। महिला ने शिकायती पत्र में लिखा कि गांव के ही मनबढ़ लोग आए दिन अनायास ही विवाद करते रहते है। विगत 24 मई को अकेला पाकर भद्दी भद्दी गाली देते हुए जमीन पर गिराकर ईट पत्थर से पीटकर घायल कर धमकी दिए कि कोई शिकायत की तो पूरे परिवार को जान में मार देंगे।जिसको लेकर विपक्षियों के खिलाफ शिकायत की गई मगर पुलिस द्वारा कोई कठोर कार्यवाही न किए जाने के कारण आज भी लोग खुलेआम घूम रहे है।महिला ने शिकायती पत्र मे लिखा कि विपक्षी पूर्व में भी कई बार परिवार पर प्राणघाती हमला कर चुके है। जिसको लेकर परिवार बहुत घबराया व डरा हुआ है। अस्मीयता के साथ खिलवाड़ करने संबंधी विडियो को संज्ञान में लेते हुए उपरोक्त दबंग व मनबढ़ लोगो के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने की गुहार लगाई।

जगदीशपुर की टीम ने जीता फाइनल मैच

लालगंज। जगदीशपुर यंग यूथ स्पोर्ट क्लब द्वारा आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच चिरंजी छपरा व जगदीशपुर टीमों के बीच खेला गया। जिसमें जगदीशपुर की टीम विजेता रही। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी चिरंजीछपरा की टीम निर्धारित 10 ओवर में 106 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। जवाब में उत्तरी जगदीशपुर की टीम ने नौ ओवर में ही विजय लक्ष्य को प्राप्त कर लिया। इस प्रकार जगदीशपुर की टीम विजई रही। मैन ऑफ द मैच विशाल यादव रहें।

निर्णय की भूमिका में हरिनारायण मिश्र व सुजीत गोड़ जबकि स्कोरर की भूमिका अनुराग पांडेय ने निभाई। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि शोभित सिंह ने विजेता टीम के कप्तान अमन पांडेय को शील्ड व उपविजेता टीम को कप देकर सम्मानित किया। साथ ही अपने संबोधन युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित किया।

सुभाषितम्

पुरुष की सिगरेट से लेकर टायर तक में वह दखल देती है।
- हरिशंकर परसाई

सत्ता को संदेश देने शांतिपूर्ण ढंग से जनता ने किया बदलाव

भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मंत्रिमंडल में शामिल एम वेंकैया नायडू ने कहा है कि नागरिकों को जो बदलाव करना था, जनता ने लोकसभा चुनाव के जरिए शांतिपूर्ण ढंग से बदलाव किया है। नायडू ने कहा, लोकसभा के चुनाव ने यह साबित कर दिया है कि भारत एक महान लोकतांत्रिक देश है। सभी को समझ लेना चाहिए, दुनिया के देशों में भारत को एक महान लोकतंत्र क्यों कहा जाता है। भारत के करोड़ों लोगों ने शांतिपूर्ण ढंग से मतदान किया, जनता जो बदलाव चाहती थी। शांतिपूर्ण तरीके से अंजाम तक पहुंचाने का काम जनता ने किया है। नायडू ने स्पष्ट रूप से कहा, चुनाव के जरिए जनता ने बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है सत्ता में बैठे हुए लोग इस संदेश को समझेंगे। वेंकैया नायडू ने गुजरात के आणंद में ग्रामीण प्रबंधन संस्थान के 43 में दीक्षांत समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। यहां नायडू ने कहा, कि सत्तारूण भाजपा अपने दम पर बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने में विफल साबित हुई है। वहीं इंडिया गठबंधन ने प्रभावशाली ढंग से जनता की बात को इस चुनाव मैदान में जनता के सामने रखा। जनता का समर्थन इंडिया गठबंधन को मिला। पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने संबोधन के जरिए भाजपा को बहुत बड़ा संदेश भी दिया है। राजनीतिक दलों की सर्वोच्च प्राथमिकता गरीबों और वंचितों के लिए काम करना होनी चाहिए। चुनाव की जीत हार से अलग सोचते हुए, राजनीतिक दलों को गरीबों और वंचितों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत की 60 फीसदी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। यह 60 फीसदी आबादी कृषि, मवेशी प्रजनन, मत्स्य पालन, डेयरी फार्मिंग, स्थानीय कामगार एवं रिटेल कारोबार से जुड़ी रहती है। वेंकैया नायडू जनता से जुड़े हुए राजनेता हैं। वह भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके हैं। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में वह केंद्रीय मंत्री के पद पर भी रहे हैं। उन्होंने उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रथम कार्यकाल में काफी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया था। उन्होंने राज्यसभा के उपसभापति के रूप में भाजपा और सत्ता की सोच को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में भी उन्होंने समन्वय बनाने का काम किया था। भारतीय जनता पार्टी में पिछले 10 वर्षों में जिस तरह से सत्ता एवं संगठन में बदलाव आया है। संगठन और सत्ता की सोच बदल गई है। मोदी सरकार की इमेज पूंजीपतियों की सरकार के रूप में बन गई है। सत्ता में बने रहने की सोच ने भाजपा की रीति-नीति को बदल दिया है। एक समय था, जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके अनुवांशिक संगठन तथा भाजपा स्वदेशी जागरण मंच जैसे कार्यक्रम को संचालित करती थी। 2004 से 2014 तक विदेशी निवेश को भारत में आने से रोकने के लिए बड़े-बड़े आंदोलन चलाए। सदन में जिस लड़ाई को लड़ा था। विशेष रूप से रिटेल सेक्टर में विदेशी निवेश को नहीं आने दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद विदेशी निवेश के लिए सभी सेक्टर में 100 फीसदी निवेश की मंजूरी दे दी गई। उसके बाद तेजी से हालात बदलने शुरू हुए। भारत का सारा आर्थिक और सामाजिक ताना-बाना बिगड़ गया। गरीब-गरीब होते चले गए। अमीर-अमीर होते चले गए। इस परिवर्तन पर पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों को आईना दिखाया है। उनका कहना है, चुनाव में जीत-हार कोई मायने नहीं रखती है। राजनीति में धन की कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं होती है, यदि जनमत साथ में नहीं है। ऐसी स्थिति में राजनीति में धनबल की कोई भूमिका नहीं होती है। राजनीति नागरिकों के आर्थिक एवं सामाजिक रूप से उत्थान के लिए की जाती है। जो राजनीतिक दल इस काम को करता है उसी का राजनीतिक भविष्य होता है।

चिंतन-मनन

हर मनुष्य के जीवन हैं दुख

एक बार भगवान बुद्ध से किसी भिक्षु ने पूछा-भगवान! ईश्वर है या नहीं है? बुद्ध ने इसका सीधा उत्तर न देकर प्रश्नकर्ता भिक्षु से कहा-मनुष्य की समस्या ईश्वर के होने या न होने की नहीं है। मनुष्य की मुख्य समस्या है उसके जीवन में आने वाले दुखों की। भगवान बुद्ध ने अपने कथन को स्पष्ट करते हुए तब कहा कि तुम स्वयं देखो। जन्म दुख है, जीवन दुखों का समूह है। जिसे वृद्धावस्था कहते हैं वह दुख है और मरण दुख है। इस रूप में मनुष्य का जन्म, वृद्धावस्था और मरण सभी दुख स्वरूप ही हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य जो चाहता है वह उसे कभी नहीं मिलता। यह उसके जीवन का दुख है। जिसे वह कभी नहीं चाहता वह उसे अवश्य मिलता है-यह इसका दुख है। अपने परम प्रिय का वियोग इसके जीवन का दुख है और जो अप्रिय है, उसका संयोग इसके जीवन का परम दुख है। उस प्रश्नकर्ता भिक्षु को संबोधित करते हुए भगवान ने कहा कि भिक्षु! अधिक विस्तार में न जाकर तुम संक्षेप में इतना ही जानो कि रूप, वेदना, संज्ञा, संस्कार और विज्ञान ये सभी के सभी दुख स्वरूप ही हैं। रूप यानी जो संसार में दिख रहा है, यह रूप है और दुखात्मक है। वेदना यानी अनुभूति, दुख की अनुभूति दुखात्मक है। तथाकथित सुखात्मक अनुभूति भी अंततः दुख ही देती है। संज्ञा अर्थात नाम। यह भी अच्छे, बुरे, स्मरणीय और अविस्मरणीय के रूप में दुखात्मक है। संस्कार, जो पिछले अनेक जन्मों से चला आ रहा है, वर्तमान जन्म में हमारी आदत के रूप में दुख देता है। विज्ञान यहां आशय यानी विशेष ज्ञान, जो अहंकार आदि के रूप में प्रकट होकर हमारे दुख का कारण बनता है। इसलिए उन्होंने कहा कि भिक्षु! मनुष्य की समस्या ईश्वर के अस्तित्व या अनस्तित्व की नहीं है, उसकी समस्या है, उसके जीवन में व्याप्त दुखों की और इसका उपाय जानने के लिए मार्ग है, जीवन में प्राप्त होने वाले दुखों को सत्य रूप में देखना। यानी अपने अज्ञान को ज्ञान से नष्ट करने का प्रयास करना। यही दुख-निवृत्ति का सहज, सरल और सार्वकालिक मार्ग है।

जंग ए आजादी और बिरसा मुंडा का उलगुलान

-निमिषा सिंह

हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सर्वोच्च बलिदान और निःस्वार्थ भावना ने इतिहास के पन्नों पर अपनी पहचान दर्ज की है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन लिखित इतिहास का लिखित हिस्सा है परंतु असंख्य ऐसे निःस्वार्थ साहसी स्वतंत्रता सेनानी भी रहे हैं जिनका योगदान उजागर नहीं हुआ या जिनकी अनदेखी की गई। इन नायकों को याद किए बिना भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की कहानी को पूर्ण रूप नहीं दिया जा सकता। स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों के योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है। निसंदेह जनजातीय प्रतिरोध आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का अभिन्न अंग था। भारतीय इतिहासकारों ने 1857 की क्रांति को स्वतंत्रता संग्राम का प्रथम आंदोलन बताया है। वास्तव में 1857 से 100 साल पहले ही आदिवासियों ने आजादी के आंदोलन का बिगुल फूंक दिया था। 1857 की क्रांति से पहले 1780 में संथाल में तिलका मांझी के नेतृत्व में दामिन संग्राम लड़ा गया। 1830-32 में बुधू भगत के नेतृत्व में देश लरका आंदोलन का गवाह बना। 1855 में आजादी की यही ज्वाला सिधु-कान्हू क्रांति के रूप में जल उठी। तिलकामांझी,बिरसा मुंडा,ताना भगत,सिद्धो कान्हू,टंटया भील, जोरिया भगत और गोविंद गुरु ये सभी आदिवासियों के वो महानायक है जिन्होंने अपने अपने क्षैत्रो में अंग्रेजी हुकूमत एवं देशी रियासतों के शोषण अन्याय एवं अत्याचार के खिलाफ बड़ी लड़ाईयां लड़ी और देश की आजादी में अपना महत्तम योगदान दिया। ये वो महानायक थे जिन्होंने अपने संघर्ष से अपने समय को बदल दिया था। जनजातीय प्रतिरोध आंदोलन भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का एक अभिन्न अंग था। इस ऐतिहासिक आंदोलन में बिरसा मुंडा, रानी गैदिन?लयू, लक्ष्मणनायक और वीर सुरेंद्रसाई जैसे प्रतिष्ठित आदिवासी नेताओं तथा अन्य लोगों ने भी ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। कई साहित्यकारों एवं लेखकों ने अपने साहित्य को आदिवासी व वंचित समुदायों के जनजीवन को गहराई से देखकर रचा और उनके संघर्ष को अपनी लेखनी के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की । इसी क्रम में महाश्वेता देवी के उपन्यास चोट्टि मुंडा और उसका तीर कमान में आदिवासी जीवन के साथ जिस नायक पर केंद्रित है वें हैं बिरसा मुंडा। चोट्टि मुंडा और उसका तीरह्ल में महाश्वेता देवी ने आदिवासियों द्वारा अपनी आजादी छिन जाने की आहट से बेचैन होने और बिरसा मुंडा के नेतृत्व में उस आजादी को बचाने के संघर्ष को बड़ी खूबसूरती से गूंथा है। आदिवासी साहित्य में उलगुलान की ध्वनि आज भी गूंजती है। आदिवासियों के महानायक बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के आदिवासी दम्पति सुगना और करमी के घर हुआ था। भारतीय इतिहास में बिरसा मुंडा एक ऐसे नायक थे जिन्होंने भारत के झारखंड में अपने क्रांतिकारी चिंतन से उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में आदिवासी समाज की दशा और दिशा बदलकर नवीन सामाजिक और राजनीतिक युग का सूत्रपात किया। झारखंड में अंग्रेजी शासन लागू होने से आदिवासियों को अपनी स्वतंत्र और स्वायत्तता पर खतरा महसूस होने लगा था। आदिवासी समुदाय के बारे में यह माना जाता है कि वह दूसरे समुदाय की अपेक्षा अपनी स्वतंत्रता वह अधिकारों को लेकर ज्यादा संवेदनशील रहा है। आदिवासियों की जिंदगी उनकी संस्कृति उनके सामाजिक जीवन का ताना-बाना जंगलों के साथ इतनी गहराई से जुड़ा होता है कि वह आजीविका के साथ-साथ कभी-कभी आजीविका से ऊपर उठकर भी अपनी जमीन और जंगल के संरक्षण के लिए हुकूमत की जड़े हिलाकर रख देते हैं। इसी क्रम में जब अंग्रेजों ने आदिवासियों से उनके जल जंगल जमीन को छीनने की कोशिश की तो उलगुलान आंदोलन हुआ। इस उलगुलान का ऐलान करने वाले बिरसा मुंडा थे। बिरसा मुंडा ने अबुआ राज एते जाना, महारानी राज टुंडा जाना अर्थात हमारा राज आएगा और इंग्लैंड की महारानी का राज जाएगा का नारा देकर उलगुलान का ठीक वैसे ही नेतृत्व किया जैसे बाद में स्वतंत्रता की लड़ाई के दूसरे नायकों ने इस तरह के नारे देकर देशवासियों के भीतर जोश पैदा किया। निश्चित तौर पर बिरसा मुंडा एक असाधारण स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने अंग्रेजों से लोहा लिया। हालाँकि पहले जितने भी विद्रोह हुए वह सिर्फ जमीन बचाने के लिए हुए। तीन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आंदोलन किया पहले वह जल जंगल जमीन जैसे संसाधनों की रक्षा करना चाहते थे दूसरा नारी की रक्षा और सुरक्षा तथा तीसरा और अंतिम वे अपने समाज की संस्कृति की मयार्दा को बनाए रखना चाहते थे। 1894 में सभी मुंडाओं को संगठित कर बिरसा ने अंग्रेजों से लगान माफी के लिए आंदोलन चलाया। 1895 में उन्हें गिरफ्तार कर हजारीबाग केंद्रीय कारागार में 2 साल के कारावास की सजा दी गई। जेल से बाहर आए तो उन्हें अनुभव हुआ कि विद्रोह के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है क्योंकि ब्रिटिश सत्ता कानून की आड़ में आदिवासियों को घेर रही है। महज 25 वर्ष की उम्र में दुनिया से अलविदा होने वाले बिरसा मुंडा ऐसे समय में झारखंड जैसे सुदूर एवं जंगली इलाके में अंग्रेजों के साथ संघर्ष कर रहे थे जब भारत में इस तरह के संघर्षों की शुरूआत भी नहीं हुई थी। झारखंड और आदिवासी समाज समस्या की तरफ समस्याओं की तरफ धकेला जा रहा है इसे बिरसा मुंडा ने पहले ही भाग लिया था उन्हें यह लग गया कि अंग्रेज का राज का उनके जीवन में प्रवेश नहीं है बल्कि उनकी आजादी और आत्मनिर्भरता में बाहरी आक्रमण है। इतिहास गवाह है कि 1807 से 1900 के मुंडाओं और अंग्रेज सिपाहियों के बीच युद्ध होते रहे। 1897 में बिरसा और उनके चार सौ साथियों ने तीर कमानों से खूंटी थाने पर धावा बोला। जंगलों में तीर और कमान उनके सबसे कारगर हथियार रहे हैं। 1898 में तांगा नदी के किनारे मुंडाओं की भिड़ंत अंग्रेजी सेनाओं से हुई जिसमें अंग्रेजी सेना हार गई। बाद में उस इलाके से बहुत से आदिवासी नेताओं की गिरफ्तारियां हुई। जनवरी 1900 में डोमबाड़ी पहाड़ी पर एक संघर्ष हुआ था, जिसमें बहुत से बच्चे और औरतें भी मारे गये थे। उस जगह बिरसा अपनी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। दरअसल बिरसा के जेल से आने के बाद अंग्रेजी सरकार ने समझ लिया कि बिरसा उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती है। उन्हें घेरने की हर संभव कोशिश भी बेकार साबित हो रही थी। दुर्भाग्य रहा कि अंग्रेजो के प्रलोभन में आकर 4 फरवरी 1900 को जराई केला के रोगतो गांव के सात मुंडाओं ने 500 रुपये इनाम के लालच में सोते हुए बिरसा को खाट सहित बांधकर बंदगांव लाकर अंग्रेजों को सौंप दिया। अदालत में बिरसा पर झूठा मुकदमा चला और उसके बाद उन्हें जेल में डाल दिया गया। वहां उन्हें अंग्रेजों ने धीमा जहर दिया, जिससे 9 जून 1900 को बिरसा की मृत्यु हो गई। अंग्रेजों ने यह संदेश देने की कोशिश की उनकी मृत्यु स्वभाविक हुई, क्योंकि बिरसा की मौत की बजाय हत्या की खबर फैलती तो आदिवासियों के गुस्से को रोक पाना असंभव हो जाता। बिरसा नही मरा था बल्कि मुंडाओं का भगवान मर चुका था। राष्ट्रीय आंदोलनों में सबसे बड़ा नरसंहार 1919 में जलियांवाला बाग हत्याकांड को माना जाता है जिसमे 379 लोग शहीद हुए थे। इसकी तुलना में 1855 में सिहू और कान्हू के विद्रोह में 10,000 आदिवासी शहीद हुए थे। आदिवासियों के ऐसे कई आंदोलन हुए हैं। यह अलग बात है कि इतिहासकारों ने कहीं भी इन आंदोलनों का जिक्र तक नहीं किया है।

द्रोपदी मुर्मू की दरियादिली को प्रणाम

- राकेश अचल

` राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू की दरियादिली को प्रणाम। उन्होंने नव नियुक्त प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई दामोदर दास मोदी को शपथ ग्रहण से पहले दही-चीनी खिलाकर उनका स्वागत किया। ये काम राष्ट्रपति भवन में पहली बार हुआ है। इसे आगे भी जारी रहना चाहिए। दुनिया जानती है कि शगुन और अशगुन के बारे में पुरुषों से ज्यादा महिलाएं जानतीं हैं और उनका ख्याल भी रखतीं है। राष्ट्रपति ने पिछले दो साल में पूर्ववर्ती सरकार द्वारा किये गए अपमान को खामोशी के साथ पिया लेकिन उफ तक नहीं की। और जब मौका आया तब भी अपने ममत्व पर अदावत को हावी नहीं होने दिया।

निस्संदेह द्रोपदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे नरेंद्र भाई दामोदर दस मोदी की खोज थीं ,लेकिन उन्होंने राष्ट्रपति को राष्ट्रपति की तरह कभी सम्मान नहीं दिया। श्रीमती मुर्मू ने 25 जुलाई 2022 से लेकर अब तक अपमान के कितने घूँट पिए इसकी गिनती की जाये तो सूची बहुत लम्बी हो जाएगी। यदि उनकी जगह डॉ ज्ञानी जेल सिंह जैसा राष्ट्रपति होता तो प्रधानमंत्री को उनकी हैसियत दिखा देता ,लेकिन द्रोपदी जी ने ये नहीं किया। द्रोपदी के सम्मान का चीर हर मौके पर खींचा जाता रहा। यदि देशवासियों को याद हो नयी संसद भवन के शिलान्यास का मौका,यद् हो नयी संसद भवन के लोकार्पण का मौका और यदि याद हो हाल ही में पूर्व उप प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी जी को भारतरत्न सौंपे जाने का मौका तो आप समझ जायेंगे कि मै अपनी बात पूर्वाग्रह से ग्रस्त होकर नहीं कह रहा बल्कि इसके जीवंत प्रमाण मौजूद हैं। देश में ऐसा पहली बार हुआ जब कि राष्ट्रपति का राजनीतिक इस्तेमाल भी बेहयाई के साथ किया गया। आम चुनावों से पहले हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में और आम चुनावों में भी। राष्ट्रपति जी को देश के तमाम आदिवासी अंचलों में भाजपा के कायकर्ता की तरह भेजा गया। श्रीमती द्रोपदी मुर्मू एक बार भी मना नहीं कर पायीं ,हालाँकि उनकी इस उदारता या विवशता की वजह से राष्ट्रपति पद का सम्मान जरूर कम हुआ। मेरे इस उल्लेख से भक्त मण्डली मुझे पूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल के कार्यकाल की याद जरूर दिलाएंगी ,लेकिन मै स्पष्ट कर दूँ कि श्रीमती पाटिल का वैसा अपमान कभी नहीं किया गया जैसा की श्रीमती मुर्मू का हुआ। मुझे जहाँ तक याद आता है कि प्रधानमंत्री रहते हुए हमारे होनहार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई दामोदर दास मोदी अपनी असंख्य विदेश यात्राओं पर जाने या वापस लौटने के बाद एक बार भी शिष्टाचारवश राष्ट्रपति से भेंट करने नहीं गए। उनकी ऐसी कम ही तस्वीरें उपलब्ध हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने जनधन से जितनी दुनिया घूमीं उसका दसांश भी राष्ट्रपति जी के हिस्से में नहीं आया। लेकिन मैडम मुर्मू ने उफ तक नहीं की। भारत का सौभाग्य है कि उसे श्रीमती मुर्मू जैसी सहनशील और ममत्व से भरी राष्ट्रपति हासिल हुई । इसके लिए नादामो का धन्यवाद जरूर किया जा सकता है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू एक पारिवारिक और संस्कारित महिला है। वे जानतीं है कि ख़ुशी के मौके पर नरेंद्र भाई दामोदर दास मोदी को दही-चीनी खिलने वाला दुनिया में कोई नहीं बचा । उनकी माँ का भी स्वर्गवास हो चुका है । पत्नी को वे त्याग चुके हैं। भाई-भाभियों से उनके रिश्ते मधुर नहीं हैं। ऐसे में नादामो निराश हो सकते हैं ,इसलिए मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन की तमाम स्थापित परम्पराओं को ताक पर रखते हुए नए प्रधानमंत्री को दही-चीनी खिलाकर एक शुभ कार्य किया। अब तक नए प्रधानमंत्री को केवल गुलदस्ते देने का चलन था। मुर्मू के हाथों दही-चीनी खाते हुए माननीय मोदी जी को कैसा अनुभव हुआ ,ये तो हमें नहीं पता लेकिन हमें अपने बचपन में दही-चीनी ,दही -पड़े खाने की तमाम घटनाएं याद हैं। दही-चीनी परंपरा हुआ करती थी। जब भी कोई अच?छे काम के लि?ए बाहर जाता, नानी-दादी या मां उसे दही-चीनी खि?लाया करती थीं। हमें तो परीक्षा में जाने से पहले उन?हें दही-चीनी खि?लाया जाता था। लोगों में ऐसी मान?यता थी कि? कि?सी भी शुभ कार्य से पहले दही-चीनी का सेवन शुभ होता है। आपको बता दें की दही-चीन का रिश्ता ठीक चोली-दामन जैसा है। दही-चीनी का धार्मिक महत्व भी है और वैज्ञानिक महत्व भी। राष्ट्रपति जी द्वारा नए र्प्धानमंत्र को दही -चीनी खिलाने की घटना के बहाने आपको बता दें कि ये समिश्रण शुभता का प्रतीक है। दही और चीनी दोनों को शुभ माना जाता है. दही को पवित्रता और शुद्धता का प्रतीक माना जाता है, जबकि चीनी मधुरता और सफलता का प्रतीक है. ज्योतिष शास्त्र में, दही चंद्रमा और चीनी शुक्र ग्रह से संबंधित है। शुभ कार्य से पहले इन ग्रहों का अनुकूल प्रभाव प्राप्त करने के लिए दही-चीनी खाई जाती है.हिंदू धर्म के कई धार्मिक ग्रंथों में दही-चीनी का महत्व बताया गया है. उदाहरण के लिए, स्कंद पुराण में कहा गया है कि शुभ कार्य से पहले दही-चीनी खाने से कार्य में सफलता मिलती है.ये लक्ष्मी और गणेश का प्रिय प्रसाद भी माना जाता है। हमारे गांव के वैद्य जी कहते थे कि दही और चीनी दोनों ही पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं. दही में प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन होते हैं, जबकि चीनी ऊर्जा प्रदान करती है। शुभ कार्य से पहले इन पोषक तत्वों से शरीर को ऊर्जा और शक्ति मिलती है । दही पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है। शुभ कार्य से पहले दही-चीनी खाने से पेट हल्का रहता है और कार्य करने में आसानी होती है। दही में प्रोबायोटिक्स होते हैं जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। शुभ कार्य से पहले दही-चीनी खाने से शरीर को बीमारियों से बचाने में मदद मिलती है। हमारे चिकत्स्क स्वर्गीय अष्ठाना जी कहते थे कि दही-चीनी खाने से मन शांत और एकाग्र होता है, जिससे कार्य करने में सफलता मिलने की संभावना बढ़ जाती है। दही-चीनी खाने से व्यक्ति में आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे वह कार्य को बेहतर तरीके से कर पाता है । दही-चीनी खाने से व्यक्ति में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है सो अलग ,जिससे वह कार्य को उत्साह और जोश के साथ कर पाता है। राष्ट्रपति जी भली भांति जानतीं है कि माननीय नरेंद्र भाई दामोदर दास मोदी जिन परिस्थितियों में र्प्धानमंत्री का पद सम्हलने जा रहे हैं उन हालात में उनके लिए दही-चीनी कितना जरूरी है! उम्मीद की जाना चाहिए कि माननीय मोदी जी के भीतर भरा विष- रस इस दही-चीनी से समाप्त नहीं तो कम से कम थोड़ा क्षीण तो होगा ही ।

फिर एक बार मोदी सरकार

- संजय गोस्वामी

चुनाव परिणाम बी जे पी अनुकूल नहीं रहे, पर इतने बुरे भी नहीं रहे। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार देश की जनता ने सीधे तीसरी बार प्रधानमंत्री चुना है। संख्या थोडी कम हुई, पर 240 बहुत अधिक होता है 99 से, और 293 पर्याप्त अधिक है 232 से, यह साधारण गणित है, इतनी समझ सभी को है। इस पर जश्न नहीं मना सकते तो दुखी होने का उतना बड़ा कारण भी नहीं है। हां, आत्मचिंतन का विषय अवश्य है।आप हर चुनाव का पूर्व का विश्लेष्ण देखेंगे तो हर 10 साल में सत्ता परिवर्तन होता है भारतीय बहुसंख्यक समाज का बौद्धिक खोखलापन और सांस्कृतिक पतन इतना अधिक हो चुका है, यह भी देखने का समय है। जो सामाजिक आर्थिक विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण पिछले दस वर्षों में हुआ है, वह कम से कम उसके पीछे के कई दशकों में नहीं हुआ था 26 मई 2014 को जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की एनडीए सरकार ने सत्ता संभाली थी, तब भारत की कुल जीडीपी करीब 20 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर थी, जो अब 37.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है। प्रति व्यक्ति आय, जो 2014 में 1,573.9 अमेरिकी डॉलर थी, अब 2023 में 2,601 अमेरिकी डॉलर है। रुपये में मौजूदा कीमतों पर, यह जीडीपी 2013-14 में 104.73 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2022-23 में 272.04 लाख करोड़ रुपये हो गई है। जीडीपी के मामले में भारत 2014 में 10वें स्थान पर था और अब पांचवें स्थान पर है। ऐसा माना जाता है कि प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि कल्याण की गारंटी नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में देश में आय असमानताएं भी काफी बढ़ गई हैं। इसके अलावा वर्ष 2020-21 में कोरोना महामारी ने समाज के सभी वर्गों को प्रभावित किया है, लेकिन सबसे बड़ा झटका मजदूरों-श्रमिकों और व्यापारियों, विशेषकर छोटे व्यापारियों को लगा है, जिसका असर उनकी आय और कल्याण दोनों पर पड़ेगा। भारत 80 लाख ग्रामीण लोगों को मुफ्त खाद्यान्न, चिकित्सा उपचार और स्वयं सहायता समूह प्रदान करने में दुनिया में अग्रणी रहा है। ग्रामीण बेरोजगारी के लिए पहले से चल रही मनरेगा योजना पर पिछले नौ वर्षों में लगभग 5.89 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। जुलाई 2008 से जून 2009 के बीच किए गए एनएसएसओ सर्वेक्षण के 65वें दौर के अनुसार, देश में 17 फीसदी ग्रामीण परिवार और 2.1 फीसदी शहरी परिवार घरों में रहते थे, जो कि 3.15 फीसदी परिवारों के बराबर था। 2015 से घरों के निर्माण में भारी प्रगति हुई है, जहां 4.1 करोड़ परिवारों (ग्रामीण क्षेत्रों में 2.85 करोड़ और शहरी क्षेत्रों में 1.23 करोड़) को पीएम आवास योजना- ग्रामीण और शहरी के तहत आवास सहायता से घर बनाने में मदद की गई है; और अब आठ साल से भी कम समय में 2.87 करोड़ घरों का निर्माण किया गया है। ग्रामीण और शहरी गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए इसे एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है। वर्ष 2014-15 के दौरान प्रति दिन 12 किलोमीटर सड़कें बनाई जा रही थीं, जो 2022-23 में बढ़कर 22.23 किलोमीटर प्रति दिन हो गए। जब हम इसकी तुलना यूपीए सरकार से करते हैं, तो कांग्रेस सरकार द्वारा सड़क निर्माण पर सालाना 10,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाते थे, जो एनडीए सरकार के दौरान बढ़कर 15,000 करोड़ रुपये हो गए हैं। सड़कों के अलावा, जलमार्ग, रेलवे और वंदे भारत नामक स्वदेशी फास्ट ट्रेनों का भी विस्तार किया गया है। 2014 में 74 हवाई अड्डे थे, जो अब दोगुने होकर 148 हो गए हैं। मोदी के नौ साल भारतीय अर्थव्यवस्था और लोगों के लिए सबसे अच्छे माने जा सकते हैं जब हंगरी में अमीर देश स्वार्थी हो रहे थे, तब भारत ने अपनी संवेदनशीलता दिखाई और दूसरे देशों को दवाइयां और टीके उपलब्ध कराए।

आज का राशिफल

- **मेष** आज करियर के मामले में कोई शुभ समाचार मिलने से आपका मन काफी प्रसन्न होगा।
- **तुला** परिवार के सभी लोग आपस में बात करके सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी।
- **वृषभ** आज का दिन संतोष और शान्ति का है। आज कारोबार में आपके प्रयास सफल होंगे।
- **वृश्चिक** आज दिन शुभ है और आज आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। आपका दिन आज भागदौड़ में बीतेगा।
- **मिथुन** आज भाग्य साथ देगा। ध्यान रखें कि आपकी कोई मूल्यवान वस्तु खो सकती है।
- **धनु** आज विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। आपको निकटता और गठजोड़ का लाभ मिलेगा।
- **कर्क** आज लाभ के संकेत मिल रहे हैं और आपको उत्तम संपत्ति प्राप्त होने के योग हैं।
- **मकर** सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे।
- **सिंह** आज आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता और सम्मान से आपको लाभ होगा।
- **कुंभ** आज कारोबार में लाभ होगा और आपकी धन को निवेश करने की योजनाएं सफल होंगी।
- **कन्या** रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी।
- **मीन** आज कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। आज रिश्तेदार से कोई लेनदेन न करें।

विशेष

शेयर बाजार बने गले की घंटी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृहमंत्री अमित शाह को व्यक्तिगत रूप से घेरने के लिए जो आरोप लगाया है। जेपीसी गठन की मांग की है। निश्चित रूप से इससे नरेंद्र मोदी और अमित शाह की मुसीबतें आने वाले दिनों में बढ़ेंगी।शेयर बाजार में जिस तरह का उतार-चढ़ाव बना हुआ है। एग्जिट पोल आने के बाद शेयर बाजार नई ऊंचाइयों पर पहुंचा। परिणाम आने शुरू हुए,शेयर बाजार धड़ाम से अर्श से फर्श पर आ गया। निवेशकों के 33 लाख करोड़ डूब गए। जब तक प्रधानमंत्री पद की शपथ नहीं होती है। शेयर बाजार एक बार फिर चढ़ेगा। उसके बाद क्या होगा, कहना मुश्किल है।

9 जून को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे मोदी

नरेंद्र मोदी जो चाहते थे, वह उन्होंने पा लिया है। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की कतार पर वह भी आकर खड़े हो गए हैं। तीन बार प्रधानमंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेई ने भी शपथ ली थी। लेकिन उनके दो कार्यकाल बहुत छोटे थे। नरेंद्र मोदी ने दो कार्यकाल 10 साल के पूरे किए हैं। तीसरे कार्यकाल की शपथ लेने जा रहे हैं। अब वह जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे, यह तीन बार की शपथ तक सीमित रह जाएगा।इसको लेकर अटकलों का दौर चल पड़ा है। अल्पमत में होते हुए भी जिस तरह से उन्होंने तीसरी बार शपथ लेने का रास्ता खोला है। उनके इस बदले हुए स्वरूप से सभी आश्चर्यचकित हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1870: प्रसिद्ध उपन्यासकार चार्ल्स डिकेन्स का निधन हुआ. 1964: लालबहादुर शास्त्री प्रधानमंत्री बने. 1975: ब्रिटिश संसद के कामकाज का सीधे प्रसारण शुरू हुआ. 1991: फिलीपींस का माउंट पिनाटुबो ज्वालामुखी 600 वर्ष बाद भड़का जिसके कारण अमरीका को अपना सैनिक अड्डा खाली करना पड़ा. 1991: फिल्म निर्देशक राज खोसला का मुंबई में निधन. 1991: विवादित योगी धीरेंद्र ब्रह्मचारी का वायु दुर्घटना में निधन. 2001: लिएंडर पेस व महेश भूपति की जोड़ी ने फ्रेंच ओपन युगल खिताब जीता. 2002: हुर्स्यित कांफ्रेंस के पूर्व प्रमुख सैयद अली शाह जिलानी पोटा के तहत गिरफ्तार. 2004: अकाली दल के चरणजीत सिंह लोकसभा के उपाध्यक्ष बने.

दैनिक पंचांग

09 जून 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2024 वर्ष का 161 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 15.45 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 20.21 बजे को समाप्त।
योग वृद्धि 17.21 बजे को समाप्त।
करण गर 15.45 बजे तदनन्तर वणिज 03.55 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 2.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 57'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872005
जूलियन दिन 2460470.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना जिल्हेज **तारीख** 02
विशेष रम्भा तीज व्रत, बिरसा मुण्डा शहीदी दिवस, महाराणा प्रताप व छत्रसाल जयंती।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.41 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कर्क	07.54 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.10 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.22 बजे से
गुरु	वृष में	तुला	14.33 बजे से
शुक्र	वृष में	वृश्चिक	16.48 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	19.04 बजे से
राहु	मीन में	मकर	21.09 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	22.55 बजे से
राहुकाल		मीन	00.28 बजे से
4.30 से 6.00		मेष	01.59 बजे से
बजे तक		वृष	03.39 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सिर्फ डॉक्टरों तक ही सीमित नहीं है मेडिकल क्षेत्र का दायरा

मेडिकल क्षेत्र का दायरा सिर्फ डॉक्टरों तक ही सीमित नहीं है। इसका दायरा काफी व्यापक है। डॉक्टरों द्वारा मरीजों को देखने के बाद का काम पैरा-मेडिकल स्टाफ ही करता है। मरीजों के रोग की जांच, एक्स-रे, रेडियोग्राफी, अल्ट्रासाउंड आदि कार्यो को पैरा-मेडिकल स्टाफ ही अंजाम देता है।

पैरा मेडिकल क्षेत्र के कई भाग हैं। इनमें से किसी भी क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल कर आप अपने करियर को बेहतर आयाम दे सकते हैं। वे क्षेत्र हैं-

नर्सिंग- पैरा-मेडिकल के अंतर्गत नर्सिंग एक प्रमुख पाठ्यक्रम है। नर्सिंग कोर्स करने के बाद प्रमुख काम डॉक्टरों की मदद करना, मरीजों की देखभाल करना, मरीजों को सही तरीके से और समय पर दवा देना आदि होता है।

एक्स-रे टेक्नोलॉजी एंड रेडियोलॉजी - इस कोर्स को करने के बाद छात्र मेडिकली क्वालिफाइड लोगों के साथ काम करते हैं। रोगों की पहचान के लिए किए जाने वाले एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, रेडियोग्राफी आदि टेस्ट करते हैं।

मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी - इस कोर्स को करने के बाद पैथोलॉजी या माइक्रोबायोलॉजी लैब में आसानी से काम मिल जाता है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र बीमारियों के सही इलाज के लिए ब्लड, टिश्यू, यूरीन, स्टूल और बलगम आदि की जांच करते हैं।

प्रॉस्थेटिक एंड ऑर्थोटिक इंजीनियरिंग - इसमें प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्र मानव शरीर के क्षतिग्रस्त अंगों, हड्डियों के टूटने या खिसकने पर उनकी डिजाइन, ढांचा, बेल्ट, कमोड, नकली अंग आदि तैयार करते हैं।

ऑप्टोमेट्री या ऑप्थैल्मिक टेक्नोलॉजी - यह कोर्स करने वाले आंखों की बीमारी और उसके उपचार के लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ की सहायता करते हैं। इस कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद वे आंख की जांच, लेंस और ग्लास तैयार करने, मशीन चलाने, लेंस को सही आकार देने और लेंस में सही पावर डालने का काम करते हैं।

फिजियोथेरेपी एंड ऑक्यूपेशनल थेरेपी- फिजियोथेरेपी एंड ऑक्यूपेशनल थेरेपी का कोर्स करने वाले लोग मुख्यतः मानसिक और शारीरिक रूप से विकृत लोगों के उपचार एवं पुनर्वास का काम करते हैं। शारीरिक रूप से मरीजों के विकृत अंगों को सक्षम बनाने, मांसपेशियों को शक्तिशाली बनाने और उन्हें स्वस्थ करने का काम करते हैं।

योग्यता - दसवीं व बारहवीं के बाद यह कोर्स किए जा सकते हैं। यह कोर्स संस्थान पर निर्भर करता है कि वहां कौन से कोर्सेज उपलब्ध हैं। पैरा-मेडिकल में बैचलर डिग्री हासिल करने के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। डिप्लोमा या बैचलर डिग्री पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए यह आवश्यक है कि आवेदक किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी विषय के साथ बारहवीं पास हो।

करियर के लिए उभरता क्षेत्र है

बायोमैकेनिक्स

बायोलॉजी के स्टूडेंट्स आमतौर पर डॉक्टर बनने का ही सपना देखते हैं, लेकिन देश में इस कोर्स की अत्यंत सीमित सीटों के कारण बहुसंख्यक युवाओं का सपना पूरा नहीं हो पाता। लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं लगाया जाना चाहिए कि बायोलॉजी सब्जेक्ट की इसके अलावा कोई अन्य करियर उपयोगिता नहीं है। हाल के वर्षों में बायोइंफॉर्मेटिक्स, बायोफिजिक्स, बायो इंजीनियरिंग, बायोकैमिस्ट्री जैसे कई नए विषयों का अस्तित्व सामने आया है। इसी क्रम में सबसे उभरता हुआ नया विषय है बायोमैकेनिक्स का।

क्या है बायोमैकेनिक्स

बुनियादी रूप से इस विषय के अंतर्गत विभिन्न जैविक प्रणालियों के कार्यकलापों का मैकेनिक्स के सिद्धांतों के आधार पर अध्ययन किया जाता है। इन जैविक प्रणालियों में मानव, पशु, वनस्पति, अंग, कोशिका आदि शामिल हैं। यानी भौतिक शास्त्र की परिभाषाओं की नजर से प्राणियों और वनस्पतियों की संरचना एवं विभिन्न अंगों की कार्यप्रणालियों को समझने का प्रयास इसमें शामिल है। दुर्घटनाओं में अंग-भंग होने अथवा कृत्रिम अंगों के विकास एवं उत्पादन से जुड़े कार्यों में इस तरह की विशेषज्ञता वाले लोगों की जरूरत पड़ती है।

एकेडेमिक बैकग्राउंड

इच्छुक युवाओं के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि उनके पास बायोलॉजी, इंजीनियरिंग अथवा सम्बद्ध विज्ञान की शाखाओं में कम से कम बैचलर्स डिग्री अवश्य हो।

एप्टिटयूड

फिलहाल इस क्षेत्र में दुनिया भर में अनुसन्धान और शोध कार्यकलाप जारी है, इसलिए ऐसे युवा जो रिसर्च एंड डेवलपमेंट की चुनौतियों में संतुष्टि हासिल करना चाहते हैं, उनके लिए निस्संदेह यह आकर्षक करियर विकल्प हो सकता है। एक और महत्वपूर्ण बात यह कि बायोमैकेनिक्स एक इंटर डिसिप्लिनरी सब्जेक्ट है, इसलिए युवाओं की बायोलॉजी के साथ फिजिक्स, मैथ्स अथवा इंजीनियरिंग में रुचि होनी भी जरूरी है, तभी आगे बढ़ने के रास्ते खुल सकते हैं। मेहनती, सृजनात्मक और नई सोच में आस्था रखने वाले युवाओं के लिए यह चैलेंजिंग फील्ड कहा जा सकता है।

स्पेशलाइजेशन

अन्य कार्यक्षेत्रों की तरह बायोमैकेनिक्स में भी विशेषज्ञता हासिल करने के कई तरह के अवसर हो सकते हैं। इनमें स्पोर्ट्स बायोमैकेनिक्स, बायो ट्रिबोलॉजी, कम्पेरेटिव बायो मैकेनिक्स, प्लांट बायोमैकेनिक्स,कम्प्युटेशनल बायोमैकेनिक्स, इंजरी बायोमैकेनिक्स आदि का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। इस तरह की विशेषज्ञता हासिल करने के लिए मास्टर्स अथवा पीएचडी स्तर के कोर्स करने जरूरी होते हैं।

जॉब्स

बायोमैकेनिक्स का प्रयोग खासतौर पर ऑर्थोपेडिक इंडस्ट्री में कृत्रिम मानव अंगों के निर्माण, डेंटल पार्ट्स तैयार करने आदि में किया जाता है। दुनिया भर में यह इंडस्ट्री काफी तेजी से विकसित हो रही है। इस इंडस्ट्री के आर एंड डी विभागों के अलावा मैन्युफेक्चरिंग यूनिट्स में ऐसे ट्रेंड लोगों को नियुक्त किया जाता है। बायोट्रिबोलॉजी भी इसी की अन्य उपशाखा है, जिसमें ऐसे कृत्रिम अंगों को और उपयोगी एवं प्रभावी बनने के उद्देश्य से अनुसन्धान किये जाते हैं। इसके अलावा रोड एक्सीडेंट्स एवं स्पोर्ट्स से सम्बंधित दुर्घटनाओं की चिकित्सा से सम्बंधित स्पेशलाइज अस्पतालों में ऐसे विशेषज्ञों की सेवाएं काफी महत्वपूर्ण होती हैं। यही नहीं, यूनिवर्सिटी टीचिंग में भी अच्छा स्कोप हो सकता है। विभिन्न कारणों से विकलांग होने वाले लोगों की संख्या देश-दुनिया में बढ रही है। इसका नुकसान सिर्फ उनकी व्यक्तिगत उत्पादकता की हानि के तौर पर ही नहीं, बल्कि सामाजिक एवं आर्थिक हानि के रूप में भी देखा जाता है। इस कारण भी इस बहुमूल्य मानव संसाधन को दोबारा मुख्य धारा में शामिल करने के उद्देश्य से समूची दुनिया में बड़े पैमाने पर सरकारी और प्राइवेट सेक्टर द्वारा निवेश किया जा रहा है। एर्गोनॉमिक्स (मशक्कत में कमी करने पर आधारित विज्ञान) पर अनुसन्धान और शोध करने वाली संस्थाएं भी इस तरह के प्रशिक्षित लोगों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाती हैं।

इस फील्ड में सफल करियर बनाने के लिए यह आवश्यक है कि आप सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी हासिल करें। इसके लिए फैकल्टी मेम्बर/सीनियर के असिस्टेंट के रूप में काम किया जा सकता है। यही नहीं, इस कार्यक्षेत्र से सम्बंधित किसी कम्पनी अथवा उसके आर एंड डी विभाग से भी पार्ट टाइम जुड़ा जा सकता है। बायोमैकेनिक्स की नेशनल और इंटरनेशनल सोसायटीज की मेम्बरशिप लेकर वर्कशॉप/सेमिनार/शॉर्ट टर्म कोर्स आदि अटेंड करने के अलावा इस क्षेत्र के प्रख्यात बायो मैकेनिक एक्सपर्ट्स से संपर्क बना कर रखा जा सकता है।

विदेशी संस्थानों द्वारा मास्टर्स तथा पीएचडी स्तर के कोर्सेज देश की चुनिंदा यूनिवर्सिटीज में संचालित किये जा रहे हैं। इन कोर्सेज में मास्टर्स ऑफ साइंस (स्पोर्ट्स बायोमैकेनिक्स)-तमिलनाडु फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, चेन्नई के अलावा तमाम प्राइवेट संस्थानों में इस तरह के कोर्सेज संचालित किये जाते हैं। इनके अलावा ऐसे विदेशी संस्थानों की संख्या भी कुछ कम नहीं है। यहां विदेशी संस्थानों द्वारा तमाम तरह के शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्सेज भी ऑनलाइन संचालित किये जाते हैं।

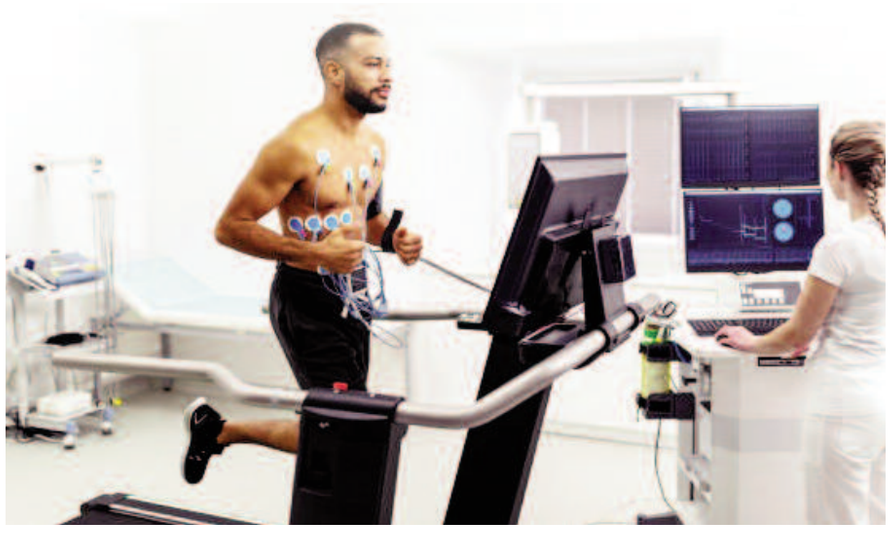

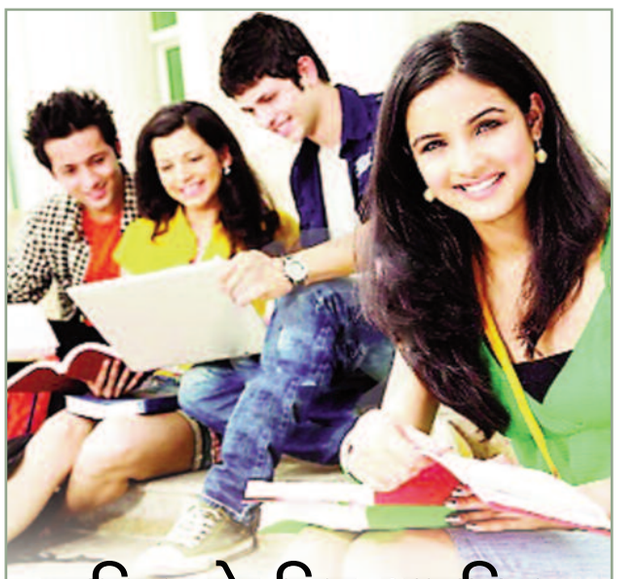

करियर के लिए आइडियल ऑप्शन हो सकता है

विजुअल मर्केंडाइजर

विजुअल मर्केंडाइजर भी बूमिंग करियर में से एक है जिसकी डिमांड आने वाले दिनों में बढ़ती जाएगा। किसी भी करियर पाथ को कंसीडर करने से पहले जरूरी है कि हम उस फील्ड को और अपनी स्किल्स को मैच कर लें। जब बात विजुअल मर्केंडाइजर की आती है तो यह क्षेत्र उन छात्रों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है जिनका डिजाइनिंग और रिटेल इंडस्ट्री में इंटरेस्ट हो। अगर आप भी ऐसे किसी करियर को अपनाना चाहते हैं तो विजुअल मर्केंडाइजर आपके लिए आइडियल ऑप्शन हो सकता है। जानते हैं इस क्षेत्र से जुड़ी कुछ जरूरी जानकारियां

कैसे बन सकते हैं विजुअल मर्केंडाइजर

विजुअल मर्केंडाइजर बनने के लिए प्रोफेशनल क्वॉलिफिकेशन बहुत जरूरी है। ऐसे कई संस्थान हैं जो विजुअल मर्केंडाइजिंग में डिप्लोमा और अंडरग्रेजुएट कोर्स ऑफर करते हैं। यह सभी कोर्सेस 12वीं के बाद किए जा सकते हैं।

विजुअल मर्केंडाइजर की जॉब प्रोफाइल क्या होती है

विजुअल मर्केंडाइजर को मर्केंडाइज डिस्प्ले को-ऑर्डिनेटर के नाम से भी जाना जाता है। इनकी जिम्मेदारी होती है रिटेल स्टोर्स में अपने प्रोडक्ट की ऐसी स्ट्रैटेजिक प्लेसमेंट कला जो कस्टमर्स को आकर्षित करना और उन्हें प्रोडक्ट खरीदने के लिए एंकरेज करना। इस गोल को पूरा करने के लिए विजुअल मर्केंडाइजर में बेसिक रिटेल नॉलेज के साथ स्टाइल का सेंस भी होना चाहिए ताकि वह आकर्षक तरीकों से प्रोडक्ट को डिस्प्ले कर सकें।

विजुअल मर्केंडाइजर बनने के लिए जरूरी स्किल्स

- स्केचिंग और कम्प्यूटर एडेड डिजाइन (कैड) स्किल्स
- कलर थ्योरी और डिजाइनिंग प्रिंसिपल्स की नॉलेज
- अपने प्रोडक्ट, स्टोर की ब्रांडिंग करना
- एम्प्लॉयर व कस्टमर की जरूरतों को समझना
- डिजाइन और रिटेल इंडस्ट्री के करंट ट्रेंड्स के साथ अपडेटेड रहना।

जॉब अपॉर्च्युनिटीज

इस कोर्स को पूरी करने के बाद कैंडिडेट्स को इन प्लेसेज में जॉब मिल सकती है - नेशनल और इंटरनेशनल रिटेल स्टोर्स, एयरपोर्ट्स, म्यूजिशियन, इवेंट प्लानिंग और डिजाइनिंग कंपनीज में काम कर सकते। इस क्षेत्र में सेल्फ-एम्प्लॉइमेंट का स्कोप भी हैं। आप एक कंसल्टेंट के तौर पर अपना खुद का काम भी स्टार्ट कर सकते हैं।

सैलेरी पैकेज

स्टार्टिंग सैलेरी तीन से चार लाख एनुअली तक होती है।

एक कमरे से लेकर फैक्टरी स्तर तक आसानी से खड़ा किया जा सकता है अगरबत्ती उद्योग

अगरबत्ती उद्योग एक ऐसा उद्यम है, जिसे कोई भी आसानी से कर सकता है। अगरबत्ती उद्योग घर के एक कमरे से लेकर फैक्टरी स्तर तक खड़ा किया जा सकता है। यह हर रोज की खपत वाला प्रोडक्ट है, इसलिए हर मौसम में इसकी मार्केटिंग वैल्यू बरकरार रहती है। यह उद्योग गांव से लेकर कस्बों और शहरों तक में स्थापित किया जा सकता है।

योग्यता: पढ़े-लिखों के साथ मध्यम और कम शिक्षा प्राप्त लोग भी इस उद्योग में किस्मत आजमा सकते हैं।

प्रवेश: खादी ग्रामोद्योग में 200 रुपए का प्रवेश फॉर्म है। उसमें दिए प्रवेश फॉर्म के साथ एज प्रूफ की कॉपी और एक फोटो संलग्न करके जमा करें। एस सी, एस टी या मुस्लिम समुदाय को यह फॉर्म 100 रुपए प्रवेश शुल्क तथा अन्य पिछड़ा वर्ग या सामान्य वर्ग वालों को 100 रुपए प्रवेश शुल्क के अलावा 200 रुपए ट्रेनिंग शुल्क सहित जमा करना होगा।

अवधि: खादी ग्रामोद्योग में अगरबत्ती बनाने का ट्रेनिंग पीरियड सिर्फ 15 दिन है। कुछ प्राइवेट संस्थान एक सप्ताह से तीन महीने तक का प्रशिक्षण देते हैं।

शुरुआत: अगरबत्ती उद्योग गांव, कस्बे से लेकर छोटे-बड़े शहरों तक में सूक्ष्म, लघु और मध्यम तीनों स्तरों पर शुरू किया जा सकता है। यह काम 25 वर्ग गज के कमरे से लेकर एक हजार वर्ग गज जगह तक में स्थापित हो सकता है। इसकी शुरुआत 10 हजार से भी की जा सकती है। फैक्टरी स्तर पर काम करने के लिए आप लाखों में खेल सकते हैं।

कच्चा माल: कस्बों, शहरों के मुख्य बाजारों में कच्चा माल आसानी से मिल जाता है। दिल्ली में कच्चा माल सीलमपुर, सदर बाजार, तिलक बाजार में मिल जाता है। देश के अन्य शहरों में बेंगलुरू, मैसूर, कन्नौज, कानपुर, बरेली से कच्चा माल और बड़ोदरा, गुजरात में कच्चे माल के अलावा मशीनें भी मिलती हैं।

क्या-क्या चाहिए: अगरबत्ती बनाने के लिए बांस की तिल्ली, नरवा पाउडर, चारकोल पाउडर, जिगेट पाउडर, हर्बल पाउडर, सेंट पीपी बैग, अगरबत्ती बॉक्स, डीईपी कैमिकल आदि की जरूरत होती है। बिना सेंट वाली यानी प्राकृतिक खुशबू वाली अगरबत्ती बनाने के लिए गूगल, लोबान, मुश्क, कपूर, शुद्ध चंदन पाउडर, यारा यारा क्रिस्टल व अंबर क्रिस्टल आदि की आवश्यकता होगी।

उपकरण: लघु स्तर पर अगरबत्ती बनाने के लिए लकड़ी की डेस्क, पटला, लोहे की ट्रे, एल्युमीनियम के भगौने आदि की जरूरत होती है। फैक्ट्री स्तर पर कार्य करने के लिए मशीनें चाहिए। इन मशीनों में मिक्सिंग मशीन, रोलिंग मशीन, कटिंग मशीन, धूप कोन मशीन, ड्रायर आदि शामिल हैं।

आमदनी : अगरबत्ती उद्योग में काम करने वालों की संख्या तीन से सौ तक हो सकती है। यह उद्योग उत्पादन से लेकर मार्केटिंग तक परिश्रम की मांग करता है। इस काम में 10 से लेकर 50 प्रतिशत तक की आमदनी हो सकती है।

ऋण: खादी ग्रामोद्योग से ट्रेनिंग लेने वाले प्रवेश फॉर्म में दिए गए ऋण फॉर्म को पूरा भर कर उसी संस्थान या खादी बोर्ड या अपने एरिया की बैंक शाखा, जहां आपका खाता खुला हो, में जमा करें। प्राइवेट ट्रेनिंग लेकर भी आप निजी स्तर पर या प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत ऋण ले सकते हैं। खादी ग्रामोद्योग से ऋण लेने के लिए निम्न दस्तावेजों की जरूरत पड़ेगी-

- पासपोर्ट साइज के 2 फोटो।
- आवेदक की योग्यता के प्रमाण-पत्र की फोटो प्रतियां।
- तकनीकी योग्यता का प्रमाण-पत्र।
- अनुभव प्रमाण-पत्र की फोटो प्रति।
- राशन कार्ड, पहचान पत्र, बिजली बिल आदि।
- उद्योग शुरू करने वाली जगह की रजिस्ट्री की कॉपी। किराए की जमीन है तो किराया नामा और अगर आपके पिता, माता या भाई के नाम कोई जमीन है तो एनओसी।
- 20 रुपए के स्टांप पेपर पर नोटरी द्वारा जारी किया गया घोषणा पत्र।
- अगर इकाई ग्रामीण क्षेत्र में है तो खंड विकास अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र।
- उद्योग से संबंधित प्रोजेक्ट रिपोर्ट।

संक्षिप्त समाचार

अदाणी पोर्ट्स को मिला कोलकाता बंदरगाह के संचालन का कॉन्ट्रैक्ट, कंपनी का दावा– कनेक्टिविटी बेहतर होगी

कोलकाता, एजेंसी। अदाणी समूह की कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनोमिक जोन लिमिटेड ने शुक्रवार को बताया कि कंपनी को अगले पांच वर्षों के लिए कोलकाता बंदरगाह के रखरखाव और संचालन का कॉन्ट्रैक्ट मिल गया है। कंपनी ने बयान में बताया कि स्वीकृति पत्र (स्थ्र) मिलने के सात महीने के भीतर बंदरगाह पर कार्गो हैंडलिंग उपकरण तैनात कर दिए जाएंगे। कंपनी ने बयान में कहा कि एपीएसईजेड ने कोलकाता को श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह के पांच साल के संचालन और रखरखाव के लिए कॉन्ट्रैक्ट हासिल कर लिया है। कंपनी ने नीलामी प्रक्रिया में प्रतिस्पर्धा करके यह कॉन्ट्रैक्ट जीता। एपीएसईजेड की बंदरगाह पर उपस्थिति से टर्मिनल और इसके कंटेनर बंदरगाह पर कनेक्टिविटी बेहतर होगी। खासकर विझिनजाम और कोलंबो से आने जाने वाले शिपमेंट की कनेक्टिविटी अच्छी होगी। इस साल से ही संचालन शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। एपीएसईजेड के निदेशक और सीईओ अश्विनी गुप्ता ने बताया कि नेताजी सुभाष डॉक के संचालन और रखरखाव का कॉन्ट्रैक्ट मिलना एपीएसईजेड के देश के बंदरगाहों और लॉजिस्टिक ढांचे को विकसित करने के समर्पण को दर्शाता है। हम अपने दो दशकों लंबे अनुभव का इस्तेमाल करते हुए कंटेनर टर्मिनल को विकसित करेंगे, जिससे राज्य के लोगों समेत ग्राहकों को फायदा होगा। भारत के पूर्वी तट पर स्थित नेताजी सुभाष डॉक सबसे बड़ा कंटेनर टर्मिनल है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस डॉक पर 0.63 मिलियन टीईयू का रखरखाव और संचालन हुआ। इस डॉक से बंगाल समेत उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, असम, उत्तर पूर्वी राज्यों के साथ ही नेपाल और भूटान के माल की भी ढुलाई होती है।

बैंक आफ बड़ोदा ने ग्राहकों को दिया झटका, महंगा किया होम लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी बैंक बैंक आफ बड़ोदा ने अपने ग्राहकों को होम लोन पर झटका दे दिया है। बैंक ने 10 अप्रैल से अपना एमसीएलआर यानी मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड आधारित दरें बढ़ा दी हैं। बैंक ने एमसीएलआर में 5 बेसिस पॉइंट या 0.05 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। ये बढ़ोतरी 1 महीने की अवधि वाले लोन को छोड़कर सभी टेन्योर पर की गई है। अब बैंक की ओर से अधिकतम लेंडिंग रेट 8.85 प्रतिशत हो गई है। बैंक ने ओवरनाइट लेंडिंग रेट को 8.05 प्रतिशत से बढ़ाकर 8.10 प्रतिशत कर दिया है। तीन महीने, छह महीने और एक साल के टेन्योर पर भी 5 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी की गई है। तीन महीने पर 8.40 प्रतिशत से बढ़ाकर 8.45 प्रतिशत, छह महीने के टेन्योर पर 8.60 प्रतिशत से बढ़ाकर 8.65 प्रतिशत और 1 साल के टेन्योर पर दर को 8.80 प्रतिशत से बढ़ाकर 8.85 प्रतिशत कर दिया गया है। एक महीने के टेन्योर पर रेट को 8.30 प्रतिशत पर यथावत रखा गया है। ये नई ब्याज दरें 12 अप्रैल, 2024 से लागू हैं। बता दें कि इसके पहले बैंक ने जनवरी में भी लोन महंगा किया था। तब 12 जनवरी, 2024 से ओवरनाइट, छह महीने और एक साल के टेन्योर पर एमसीएलआर में 5 बेसिस पॉइंट या 0.05 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी।

विदेशी मुद्रा भंडार में 4.8 बिलियन की भारी बढ़ोतरी, पाकिस्तान में दूसरे सप्ताह भी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में इस समय नई सरकार के गठन की प्रक्रिया चल रही है। इसी सप्ताह आम चुनाव का परिणाम आया। इसमें भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को बहुमत मिला है। इसी बीच विदेशी मुद्रा भंडार के मोर्चे पर बड़ी खबर आई है। बीते 31 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 4.837 बिलियन की भारी बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले, मतलब कि 24 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भंडार में करीब 2 बिलियन की कमी हुई थी। अब अपना भंडार 651.510 बिलियन डॉलर का हो गया है। यह अब तक का सर्वाधिक स्तर है। इसी समय अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हो रही है। वहां लगातार दो सप्ताह से विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हो रही है।

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से से जारी आंकड़ों के मुताबिक 31 मई 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा भंडार में खूब बढ़ोतरी हुई। इस दौरान अपना भंडार 4.837 बिलियन बढ़ कर 651.510 बिलियन तक पहुंच गया। इससे पहले, 24 मई को समाप्त सप्ताह में अपना भंडार 2.027 अरब डॉलर घटा था। इससे पहले पांच अप्रैल 2024 को समाप्त सप्ताह में अपना भंडार 648.562 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। अब यह रिकार्ड भी टूट गया है।

फॉरेन करेंसी एसेट्स में हुई बढ़ोतरी

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियां में बढ़ोतरी हुई है। बीते 31 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां में 5.065 बिलियन की बढ़ोतरी हुई है। अब अपना एफसीए भंडार बढ़ कर यूएसडी 572.564 बिलियन का हो गया है। उल्लेखनीय है कि कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

गोल्ड रिजर्व घट गया

बीते सप्ताह देश का गोल्ड स्टॉक घट गया है। 10 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के स्वर्ण भंडार में 2.12 बिलियन डॉलर की कमी हुई है। अब अपना सोने का भंडार यूएसडी 56.501 बिलियन का रह गया है।

एसडीआर में भी हुई कमी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्राइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार में भी कमी हुई है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान एसडीआर 17 मिलियन डॉलर घट कर 18.118 बिलियन डॉलर रह गया है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के मुद्रा भंडार में मामूली बढ़ोतरी हुई है। आलोच्य सप्ताह के दौरान इसमें यूएसडी 1 मिलियन की बढ़ोतरी हुई है। अब यह बढ़ कर एसडी 4.326 बिलियन का हो गया है।

पाकिस्तान में घट गया डॉलर का भंडार

अपने पड़ोसी देश, पाकिस्तान में इस समय विदेशी मुद्रा की जबरदस्त किल्लत चल रही है। स्थिति यह है कि वहां सिर्फ जरूरी सामानों का ही आयात हो रहा है। अब बीते 31 मई को ही देखिए, उस सप्ताह वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में 89.8 मिलियन डॉलर की कमी हुई है। अब वहां14.215 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार रह गया है।

म्यूचुअल फंड प्रणाली में कोई तकनीकी गड़बड़ी नहीं थी: बीएसई

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के प्रमुख शेयर बाजार बीएसई ने शुक्रवार को कहा कि बैंकों से भुगतान प्राप्त करने में देरी के कारण चार जून को म्यूचुअल फंड खरीदने वाले निवेशकों को एनएवी आवंटित करने में देरी हुई थी और उसकी तरफ से कोई भी तकनीकी गड़बड़ी नहीं हुई थी। कई निवेशकों ने सोशल मीडिया पर शिकायत की थी कि उन्हें चार जून को अपनी 'पोजिशन को 'स्क्वेयर ऑफ करने में परेशानी का सामना करना पड़ा था। कई निवेशकों ने कट-ऑफ समय से पहले अपने म्यूचुअल फंड खरीदे थे लेकिन उन्हें जो 'शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य (एनएवी) सौंपा गया, वह चार जून के बजाय पांच जून के लिए फंड का मूल्य निर्धारित करता है। इसकी वजह से ऐसे निवेशकों को बड़े पैमाने पर वित्तीय नुकसान का सामना करना पड़ा। इस पर बीएसई ने एक बयान में कहा, ''यह स्पष्ट किया जाता है कि चार जून को बीएसई क्लियरिंग हाउस (आईसीसीएल) में कोई तकनीकी गड़बड़ी नहीं हुई थी। पहली नजर में यही लगता है कि कुछ ग्राहकों के लिए भुगतान एग्रीगेटर/ बैंक से क्रेडिट/ भुगतान का विवरण पाने में देरी हुई, जिससे एनएवी आवंटन में देरी हुई। कई ब्रोकिंग फर्मों ने चार जून को बीएसई के म्यूचुअल फंड आवंटन प्रणाली में गड़बड़ी का आरोप लगाया था। इस कारण ऑर्डर अगले दिन (पांच जून) को जारी हुए लेकिन उस समय तक इक्विटी बाजारों ने अपने नुकसान की कुछ हद तक भरपाई कर ली थी।

1 रुपये के शेयर ने दिया 11,000 प्रतिशत रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में कई ऐसे स्टॉक हैं जिन्होंने बेहद कम समय में निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। ऐसा ही एक स्टॉक-रेफेक्स इंडस्ट्रीज का है। इस स्टॉक ने पिछले 10 वर्षों में 11,000 प्रतिशत रिटर्न दिया है। अगर किसी निवेशक ने 10 साल पहले स्टॉक में 10,000 रुपये का निवेश किया था तो उसके निवेश की रकम बढ़कर 11 लाख हो गई होगी। इस कंपनी के शेयर की कीमत 152.40 रुपये थी। बता दें कि 10 साल पहले 1.37 रुपये थी। अगस्त 2023 में शेयर की कीमत 184.79 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। 9 जून 2023 को शेयर 99.32 रुपये का था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। पिछले छह महीनों में शेयरों में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई और पिछले एक साल की अवधि में लगभग 44 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रेफेक्स इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,600 करोड़ रुपये से अधिक है। रेफेक्स इंडस्ट्रीज के शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो 55.28 फीसदी हिस्सेदारी प्रमोटर्स के पास है। पब्लिक शेयरहोल्डर्स की 44.72 फीसदी हिस्सेदारी है। प्रमोटर में स॥श्वत्रद्धस॥ टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के पास 6,39,48,085 शेयर हैं। पब्लिक शेयरधारकों में विदेशी निवेशकों और म्यूचुअल फंडों की कोई महत्वपूर्ण हिस्सेदारी नहीं है।

मार्च 2024 तिमाही में रेफेक्स इंडस्ट्रीज के परिचालन से राजस्व लगभग आधा होकर 337 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल की समान तिमाही में यह 630 करोड़ रुपये था। इसी अवधि के दौरान कर के बाद लाभ भी घटकर 35.7 करोड़ रुपये हो गया।

पीएनबी में हुआ गजब कारनामा, फर्जी लोन सेंक्शन कर हड़प लिया लाखों, वसूली के लिए घर कुर्क करने लगे तो खुला मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में सरकारी क्षेत्र के बैंकों में पंजाब नेशनल बैंक का बड़ा नाम है। यह स्टेट बैंक के बाद दूसरा बड़ा बैंक है। लेकिन कभी-कभी इसके कुछ दागी अधिकारियों की वजह से इसका नाम खराब होता है। आपको याद ही होगा कि गीतांजलि जेम्स के चेयरमैन रहे मेहुल चोकसी ने पीएनबी के कुछ अधिकारियों के साथ मिल कर मुंबई स्थित ब्रेडी हाउस ब्रांच में 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक का घोटाला किया था। अब इसी तरह की धोखाधड़ी का मामला उत्तर प्रदेश के बलराम जिले से आया है। हालांकि यह मामला महज 10 लाख रुपये का ही है। लेकिन इससे बैंक का नाम तो खराब होता ही है।

क्या है मामला

न्यूज एजेंसी पीटीआई ने खबर दी है कि उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में तैनात रहे पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के एक शाखा प्रबंधक को कर्ज देने के नाम पर साजिश और धोखाधड़ी से रुपये हड़पने के आरोप में कानपुर से गिरफ्तार किया गया है। नगर क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) बृज नंदन राय ने बताया है कि कोतवाली देहात के मानिककोट गांव का यह मामला है। वहां के निवासी दिनेश कुमार मिश्र ने आरोप लगाया है कि बलरामपुर स्थित पंजाब नेशनल बैंक के शाखा प्रबंधक एवं अन्य चार कर्मचारियों ने उनकी वृद्ध माता कांति देवी के नाम पर फर्जी तरीके से 10 लाख का ऋण स्वीकृत कर दिया। बाद में वे लोन के रुपये हड़प लिए। कुछ समय बाद उस लोन की वसूली करने के नाम पर दिनेश कुमार मिश्र का घर और टैक्टर कुर्क करने की धमकी दी।

मामला पहुंचा पुलिस तक

इसके बाद दिनेश मिश्र ने पुलिस की मदद ली। बृज नंदन राय ने बताया कि बैंक से जब उन्होंने ऋण के कागजात मांगे तो उन्हें मुहैया नहीं कराए गये। जिसके बाद अदालत के आदेश पर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि कांति देवी के नाम से लोन तो लिया गया लेकिन लोन के आवेदन में हस्ताक्षर कांति देवी के नहीं थे। पता चला कि वहां तैनात अधिकारी नितेश शुल्का ने धाखाधड़ी की यह साजिश रची थी। इस लोन अकाउंट का पैसा निकाल कर हड़प लिया गया।

पीएनबी का ब्रांच मैनेजर हुआ गिरफ्तार

पुलिस के मुताबिक, वर्तमान में उन्नाव जिले के इंद्रामऊ शाखा प्रबंधक के तौर पर कार्यरत नितेश शुक्ला को कानपुर से गिरफ्तार कर लिया गया है।

क्या है मेहुल चोकसी का मामला

गीतांजलि जेम्स के चेयरमैन रहे मेहुल चोकसी और नीरव मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक की मुंबई स्थित ब्रेडी हाउस ब्रांच में 14 हजार करोड़ से ज्यादा का घोटाला करने का आरोप है। इस मामले में पंबाज नेशनल बैंक अधिकारियों की मिलीभगत से साल 2011 से 2018 के बीच फर्जी लेटर ऑफ अंडरटेकिंग्स (स्थ) के जरिए रकम विदेशी खातों में ट्रांसफर की गई थी। इस मामले के कारण बैंक की बड़ी किरकिरी हुई थी। यह मामला संसद तक में उठा था।

फास्टटैग व लाइट यूपीआई में खाते से अपने आप जाएगा टर्म फंड, और भी मिलेंगी सुविधाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। फास्टटैग का इस्तेमाल करने वाले और यूपीए लाइट जैसे डिजिटल पेमेंट सेवाओं को एक बड़ी सुविधा दी है। इनमें ग्राहकों के खाते से एक निश्चित अवधि पर अपने आप ही फंड ट्रांसफर करने की सुविधा दे दी गई है। फास्टटैग में अभी ग्राहक अपनी जरूरत के मुताबिक पैसे समय समय पर ट्रांसफर करते हैं। इसमें एक निश्चित अवधि पर फंड ट्रांसफर करने की सुविधा नहीं थी। अब टर्म फंड ट्रांसफर करने की सुविधा दे दी गई है लेकिन यह ग्राहकों से ई-मेंडेट (इलेक्ट्रोनिक तौर पर फंड ट्रांसफर करने से पहले ग्राहकों से मंजूरी लेने की प्रक्रिया) के बाद ही किया जाएगा। ई-मेंडेट की अभी जो व्यवस्था है। उसमें असलियत में फंड ट्रांसफर करने से 24 घंटे पहले ग्राहकों को मैसेज भेजने की अनिवार्यता है, जिसे खत्म किया जा रहा है। यानी, अब ग्राहक एक बार कितनी राशि और किस समय (हफ्तावार या महीने वार) फास्टटैग में ट्रांसफर करना चाहते हैं, इसे पहले ही सेट कर सकते हैं। इस फैसले के बारे में आरबीआई के गवर्नर डॉ. शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति की समीक्षा बैठक के बाद दी।

आरबीआई गवर्नर ने यूपीआई लाइट के बारे में बताया कि इस डिजिटल भुगतान वैलेट से एक दिन में दो हजार रुपये और एक बार में अधिकतम 500 रुपये का भुगतान कर सकता है। अब इसे भी ई-मेंटेड फ्रेमवर्क के तहत लाया जा रहा है यानी ग्राहकों से मंजूरी लेने की शर्त के साथ एक निश्चित अंतराल पर एक निश्चत राशि यूपीआइ लाइट में ट्रांसफर करने की सुविधा होगी।

ग्राहक एक सीमा तय कर सकता है कि जैसे ही यूपीआइ लाइट में बैलेंस राशि एक निश्चित स्तर से नीचे जाएगी, उसमें ग्राहक के खाते से एक निश्चित राशि अपने आप ही ट्रांसफर हो जाएगी। इसके लिए ग्राहक से पहले से ई-मेंडेट लेने की शर्त को भी खत्म किया जा रहा है। डॉ. दास का कहना है कि यूपीआई लाइट के विस्तार में इससे मदद मिलेगी।

इसके साथ ही आरबीआई ने एक अहम फैसला डिजिटल भुगतान में होने वाले धोखाधड़ियों को रोकने के संदर्भ में उठाया है। डिजिटल पेमेंट्स इंटेलीजेंस प्लेटफार्म बनाने का फैसला किया गया है। यह बैंकों, एनपीसीआई, कार्ड नेटवर्क या दूसरे डिजिटल पेमेंट प्लेटफार्म देने वाली एजेंसियों के बीच सामंजस्य बनाएगा और शीघ्रता से फ्राड से संबंधित डाटा का आदान-प्रदान करने की सुविधा देगा।

एक कमरे से बिजनेस की शुरुआत, आज 5 लाख रुपये महीने कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। मनीष यादव ने दिल्ली में 15 फीट × 15 फीट के एक कमरे में मशरूम की खेती शुरू की थी। दो महीने के भीतर ही उनकी मेहनत रंग लाई। उन्हें शुरुआती फसल से 2.5 लाख रुपये की कमाई हुई। आज वह सालाना लगभग 40,000 किलो बटन मशरूम बेचते हैं। इसकी कीमत गर्मियों में 450 रुपये किलो तक पहुंच जाती है। कभी मनीष यादव ने जिस काम को ट्रायल के तौर पर शुरू किया था वह अब मुनाफे वाले एग्री बिजनेस में तब्दील हो चुका है। मनीष ने अपने वेंचर को श्री श्याम मशरूम फार्म का नाम दिया है। वह इससे महीने में 5 लाख रुपये की कमाई करते हैं। उन्होंने एमबीए किया हुआ है।

एमबीए पूरा करने के बाद मनीष यादव सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी में जुट गए थे। लेकिन, कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन ने उनकी योजना में अड़ंगा डाला। उसी दौरान एक दोस्त ने उन्हें मशरूम की खेती का सुझाव दिया। उनका यह दोस्त पहले से ही बटन मशरूम उगा रहा था। उसने मनीष को सलाह दी कि उन्हें भी यह कोशिश करनी चाहिए। निकट भविष्य में नौकरी मिलने की कोई संभावना नहीं दिखने के कारण मनीष को यह सलाह ठीक लगी। वह दक्षिण पश्चिमी दिल्ली के कंगन हेरी गांव से ताल्लुक रखते हैं। उनका परिवार सब्जियों और अनाज की खेती करता है।

अपने मजबूत पक्षों पर किया विचार

मनीष अपने दोस्त के सुझाव से इसलिए भी सहमत हुए क्योंकि वह आजादपुर मंडी से बहुत करीब रहते थे। आजादपुर मंडी से उनका घर लगभग 40 किलोमीटर दूर है। एमबीए की डिग्री के कारण उन्हें यकीन था कि मशरूम बेचने के लिए मार्केटिंग और लॉजिस्टिक्स की उन्हें कोई समस्या नहीं होगी। आजादपुर एशिया की सबसे बड़ी फल और सब्जियों की थोक मंडी है। पूरे भारत से किसान रोजाना इस मंडी में लगभग 5,000 ट्रक उपज लेकर आते हैं।

एक कमरे से की शुरुआत

अपने दोस्त से मिली बुनियादी जानकारी के आधार पर मनीष ने अपने पुराने घर के एक कमरे में प्रयोग करने का फैसला किया। उन्होंने सोनीपत के एक विक्रेता से 50 किलो मशरूम के बीज खरीदे। इसका भाव करीब 90 रुपये किलो पड़ा। उन्होंने 8 रुपये किलो की दर से 5,000 किलो खाद भी खरीदी। इसमें 40,000 रुपये लगे। फिर उन्होंने 15 फीट × 15 फीट के कमरे में मशरूम के बीज के साथ 500 बैग और दो बेड लगाए। नतीजे अच्छे रहे। उन्होंने 500 बैग से 1,000 किलो मशरूम की फसल ली। मौसम के हिसाब से मशरूम की कीमतें 100 से 450 रुपये किलो के बीच होती हैं। सर्दियों में ज्यादा सप्लाई के कारण कीमतें 100 रुपये किलो तक गिर जाती हैं। जबकि गर्मियों में वे 450 रुपये किलो तक पहुंच सकती हैं।

60 लाख रुपये सालाना कमाई

मनीष ने अपने प्रयास को आगे बढ़ाया। अपनी यूनिट का नाम श्री श्याम मशरूम फार्म रखा। अब वह सिर्फ 1470 वर्ग फीट जगह से सालाना 60 लाख रुपये कमाते हैं। तीन कमरों के साथ उनका सालाना मशरूम उत्पादन करीब 40,000 किलो है। पिछले महीने उन्होंने बटन मशरूम 450 रुपये किलो के हिसाब से बेचा। प्रत्येक बैग से 2 किलो मशरूम निकलता है। ऐसे में 500 वर्ग फीट के कमरे से हरेक साइकिल में 2600 किलो मशरूम तक का उत्पादन होता है।

आरबीआई की नीति उम्मीद के अनुरूप, जीडीपी अनुमान बढ़ाने से भरोसे की पुष्टि: शीर्ष बैंकर

मुंबइ, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का ब्याज दर को स्थिर रखने का फैसला उम्मीद के अनुरूप ही है। शीर्ष बैंक अधिकारियों ने यह बात कही। इसके साथ ही उन्होंने चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत करने का स्वागत किया। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने नीतिगत रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखने का फैसला किया है। फरवरी, 2023 से ही रेपो दर स्थिर बनी हुई है।

भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के चेयरमैन एम वी राव ने कहा कि रेपो दर पर यथास्थिति बनाए रखने सहित नीति फैसला उम्मीद के मुताबिक है। राव सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रमुख भी हैं। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत करने से पता चलता है कि अर्थव्यवस्था की वृद्धि संभावनाओं में केंद्रीय बैंक का भरोसा बढ़ा है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा कि वृद्धि अनुमान में संशोधन ने महामारी के बाद भारत की लगातार मजबूत वृद्धि की पुष्टि की है।

उन्होंने नियामकीय उपायों का स्वागत करते हुए कहा, घरेलू वृद्धि मुद्रास्फीति परिदृश्य अनुकूल रहा है और दूसरी तिमाही में मुद्रास्फीति चार प्रतिशत से नीचे जाती हुई नजर आ रही है। इंडियन ओवरसीज बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा, उदार रुख को वापस लेने के फैसले पर कायम रहने से संतुलित नजरिये का पता चलता है, जिससे टिकाऊ आर्थिक वृद्धि के साथ महंगाई को काबू में रखने में मदद मिलेगी। इंडियन बैंक के एमडी एवं सीईओ एस एल जैन ने कहा कि नीतिगत समीक्षा मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखते हुए आर्थिक वृद्धि को संतुलित करने के आरबीआई के सतर्क नजरिये को दर्शाती है। स्टैंडर्ड चार्टर्ड की जरीन दारूवाला ने कहा कि मुद्रास्फीति पर केंद्रीय बैंक के ध्यान देने से आने वाले महीनों में दरों में कटौती की गुंजाइश बन सकती है। टाटा कैपिटल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी राजीव सभरवाल ने कहा कि आरबीआई का सहयोगी रुख और मौजूदा बाजार की स्थिति अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर है।

संक्षिप्त समाचार

अपोलो-8 के अंतरिक्ष यात्री रहे विलियम एंडर्स की विमान दुर्घटना में मौत, बेटे ने दी जानकारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अपोलो-8 के अंतरिक्ष यात्री रहे विलियम एंडर्स की सैन जुआन द्वीप में विमान दुर्घटना में मौत हो गई। उनके बेटे ग्रेग ने इसकी जानकारी दी। 90 वर्षीय एंडर्स अपने विंटेज एयर फोर्स टी-34 मेंटर पर सवार थे। उनका विमान वॉशिंगटन से सैन जुआन द्वीप की तरफ जाने के दौरान पानी में गिर गया। सोशल मीडिया पर विमान दुर्घटना की तस्वीरें सामने आई हैं। यूनाइटेड स्टेट्स कोस्ट गार्ड पैसिफिक नॉर्थवेस्ट के अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार सुबह के 11:45 बजे घटी। बता दें कि विलियम एंडर्स ने 1968 में एक अर्थराइज की अद्भुत तस्वीर ली थी। सोशल मीडिया पर यूजर्स उनकी मौत पर शोक जता रहे हैं। एक यूजर ने एंडर्स द्वारा लिए गए एक तस्वीर को साधा करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। यूजर ने अपने पोस्ट में लिखा, अपोलो-8 के अंतरिक्ष यात्री विलियम एंडर्स को शांति मिले। यह तस्वीर उन्होंने 24 दिसंबर 1968 में खींचा था। एक दूसरे यूजर ने लिखा, इस कठिन समय में मेरी संवेदना विलियम एंडर्स के परिवार के साथ है। एक तीसरे यूजर ने कहा, विलियम एंडर्स को शांति। आप और आपके क्रू ने हमें पहली बार पूरी दुनिया का दर्शन कराया था। हमने एक महान व्यक्ति को खो दिया।

पनामा विश्वविद्यालय के परिसर में बंदूकधारी ने छात्रों के समूह पर की गोलीबारी, एक की मौत

पनामा सिटी , एजेंसी। पनामा विश्वविद्यालय के एक परिसर में शुक्रवार अज्ञात बंदूकधारी ने छात्रों के एक समूह पर गोलीबारी की। इस घटना में एक की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। स्कूल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विश्वविद्यालय के रेक्टर एडुआर्दो फ्लोरेस सी ने एक्स पर बताया कि गोलीबारी की घटना तब हुई जब कृषि विज्ञान के छात्रा राजधानी से करी ढाई सौ किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में वेरागुआस में विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र में फील्ड वर्क कर रहे थे। क्षेत्रीय परिसर के निदेशक पेड्रो समानिएगो वहां मौजूद थे जब गोलीबारी हुई। हालांकि उन्होंने गोलीबारी नहीं देखी। समानिएगो ने कहा कि व्यक्ति सुबह 11 बजे के करीब प्रथम वर्ष के छह छात्रों के एक समूह के पास पहुंचा और बिना एक शब्द कहे गोली चला दी। एक छात्र की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और एक अन्य को गोली लगी और वह घायल हो गया।

पाकिस्तान बोला- भारत के साथ चाहते हैं सहयोगात्मक संबंध, बातचीत के जरिए हो विवादों का समाधान

इस्लामाबाद, एजेंसी। नरेंद्र मोदी के रिकॉर्ड तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद संभालने से एक दिन पहले पाकिस्तान ने शुक्रवार को कहा कि वह भारत सहित भी पड़ोसियों के साथ सहयोगात्मक संबंध बनाना चाहता है और बातचीत के जरिए विवादों का समाधान चाहत है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत की ओर से आ रही मुश्किलों और बयानबाजी के बावजूद पाकिस्तान जिम्मेदाराना तरीके से काम कर रहा है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने हमेशा भारत सहित सभी पड़ोसियों के साथ सहयोगी संबंध बनाने की इच्छा जाहिर की है। हमने जम्मू-कश्मीर के मुख्य विवाद सहित लंबित मुद्दों के समाधान के लिए रचनात्मक बातचीत की हमेशा वकालत की है। भारतीय संसद ने 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था। जिसके बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ अपने राजनयिक संबंधों को कमतर कर दिया था। भारत का कहना है कि वह पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी जैसे संबंध चाहता है और इस बात पर जोर देता रहा है कि इस तरह के संबंध के लिए आतंकवाद और शत्रुता से मुक्त माहौल बनाने की जिम्मेदारी इस्लामाबाद की है। बलोच ने कहा, पाकिस्तान शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में भरोसा करता है। हमें उम्मीद है कि भारत पाकिस्तान और भारत के लोगों के पारस्परिक लाभ के लिए शांति और वार्ता की प्रगति और लंबे समय से चल रहे विवादों के समाधान के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए कदम उठाएगा। मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिए चुने जाने के बाद पाकिस्तान की उम्मीदों के बारे में पूछे जाने पर बलोच ने कहा, यह सवाल जल्दबाजी है, क्योंकि सरकार गठन की प्रक्रिया चल रही है। इसलिए मैं आपके सवाल पर टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हूं।

यूक्रेन की बमबारी में 2 बच्चों समेत 22 नागरिकों की मौत : रूस

मास्को , एजेंसी। यूक्रेनी सेना ने रूस के खेरसॉन के सदोवोये गांव में एक स्टोर पर बमबारी की। इस हमले में कम से कम 22 नागरिक मारे गए। इसकी जानकारी क्षेत्र के गवर्नर व्लादिमीर साल्डो ने दी। न्यूज एजेंसी तास की रिपोर्ट के अनुसार, साल्डो ने बताया कि शुक्रवार को हमले के समय स्टोर के अंदर काफी संख्या में ग्राहक और कर्मचारी मौजूद थे। हमला दो बार किया गया। रिपोर्ट में साल्डो के हवाले से कहा गया, पहला हमला एक फांसीसी हवाई बम से किया गया, और दूसरा अमेरिकी हिमार्स मिसाइल से किया गया। साल्डो ने कहा, पहली बार जब हमला हुआ तो लोग अपने घरों से निकल कर पीड़ितों की मदद के लिए बाहर भागे।

सैन्य सहायता पैकेज में देरी के लिए बाइडन ने मांगी यूक्रेन से माफी, कहा- हम आपका साथ नहीं छोड़ेंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने सैन्य सहायता पैकेज में देरी के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से माफी मांगी। बाइडन ने माफी तब मांगी, जब शुक्रवार को जेलेंस्की के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान अमेरिका ने यूक्रेन के लिए नए सैन्य पैकेज की घोषणा की। उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति से कहा कि आप जैसे लड़ रहे हैं वह अद्भुत है। बता दें कि रूस-यूक्रेन के बीच दो वर्षों से अधिक समय से संघर्ष जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने जेलेंस्की से कहा, आप झुके नहीं हैं। आप जैसे लड़ रहे हैं, वह अद्भुत है। आप ऐसे ही लड़ना जारी रखें। हम आपका साथ नहीं छोड़ने वाले हैं। बाइडन ने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें जो बिल पारित करवाना है, उसके लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहे है।

सैन्य पैकेज में देरी को लेकर बाइडन ने मांगी माफी : सैन्य पैकेज में देरी के लिए उन्होंने यूक्रेन से माफी मांगते हुए कहा, फंडिंग को लेकर क्या परशानी है, मैं इसके लिए माफी मांगता हूं। जिस बिल को हम पारित कराना चाहते थे, उसके लिए हमें परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ ऐसे लोग भी इसमें शामिल थे, जो इसे रोक कर बैठे थे। लेकिन हमने सब ठीक कर दिया है। बाइडन ने आगे कहा, तब से आज तक मैंने छह पैकेज की घोषणा की है। आज मैं विद्युत ग्रिड के पुनर्निमाण के लिए 225 मिलियन अमेरिकी डॉलर के एक अतिरिक्त पैकेज पर भी हस्ताक्षर कर रहा हूं। यूक्रेनी

राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यूक्रेन शांति सम्मेलन के लिए सभी देशों को आमंत्रित किया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रूस द्वारा अपहरण किए गए यूक्रेनी बच्चों को वापस लाने के लिए समय खत्म हो रहा है। इसी के साथ उन्होंने आरोप लगाया कि रूस बच्चों को उनकी मातृभूमि से नफरत करना सिखा रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि पूरी दुनिया एकसाथ आकर सद्भाव के साथ काम करने में सक्षम होना चाहती है।

शांति सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे राष्ट्रपति बाइडन जेलेंस्की ने बताया कि करीब 100 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने इस शिखर सम्मेलन में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। उन्होंने परमाणु सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और अपहरण किए गए यूक्रेनी बच्चों को बचाने पर जोर दिया। अमेरिका के व्हाइट हाउस ने बताया कि राष्ट्रपति जो बाइडन इस सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। उप राष्ट्रपति कमला हैरिस इस सम्मेलन में शामिल होने के लिए अगले हफ्ते स्विट्जरलैंड के लिए रवाना होगी।

दक्षिण कोरिया के कारोबारी को महंगा पड़ा तलाक, सेटलमेंट के तौर पर देने पड़ेंगे 83 अरब रुपये

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के एक अरबपति कारोबारी चे ताई-वॉन को अवैध संबंध रखना बहुत महंगा पड़ा। अवैध संबंधों के कारण हुए तलाक के कारण उन्हें अदालत ने सेटलमेंट के रूप में पूर्व पत्नी को एक अरब डॉलर यानी करीब 83 अरब रुपये सेटलमेंट के रूप में देने का आदेश पारित किया है। इसे देश का सबसे बड़ा डिवोर्स सेटलमेंट माना जा रहा है। ताई-वॉन की कंपनी एस.के. इंक दुनिया की सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर कंपनियों में से एक है। इस कंपनी का बिजनस टेलिकॉम, केमिकल और एनर्जी में भी फैला हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ताई-वॉन की नेटवर्थ करीब चार लाख करोड़ वॉन है। हालांकि कोर्ट के फैसले के बाद कंपनी के शेयरों में करीब नौ फीसदी तेजी आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ताई-वॉन की 35 साल पुरानी शादी करीब एक दशक पहले टूट गई थी। इसकी वजह यह थी कि ताई-वॉन के किसी और महिला के साथ संबंध थे और एक बच्चा भी था। सोल हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि एस.के. ग्रुप के चेयरमैन ताई-वॉन की तलाकशुदा पत्नी रोह सो-यंग उनकी कंपनी में शेयरों की हकदार हैं। निचली अदालत ने 66.5 अरब वॉन के सेटलमेंट को मंजूरी दी थी। फैमिली कोर्ट ने भी रोह की इस दलील को खारिज कर दिया था कि उन्हें कंपनी के शेयरों में एक हिस्सा मिलना चाहिए। जबकि हाईकोर्ट ने इसे कई गुना बढ़ाकर 1.38 लाख करोड़ वॉन यानी करीब एक अरब डॉलर कर दिया। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के भी फैसले को पलटते हुए कहा कि शेयरों को जॉइंट प्रॉपर्टी माना जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि रोह ने एस.के. ग्रुप के बिजनैस और ताई-वॉन की बिजनैस एक्टिविटी को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई थी। कोर्ट ने कहा कि ताई-वॉन की जायदाद में से रोह को करीब 35 फीसदी हिस्सा मिलना चाहिए। हालांकि ताई-वॉन के वकीलों ने कहा कि वे हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील करेंगे क्योंकि कोर्ट ने केवल एक ही पक्ष की दलीलों को सुनकर यह फैसला दिया है। रोह देश की पूर्व राष्ट्रपति रोह ताई-यू की बेटी है। अदालत ने पाया कि रोह ने ताई-वॉन के बिजनैस को नियामकीय बाधाओं से बचाने में मदद की थी। कोर्ट ने कहा कि ट्रायल के दौरान ताई-वॉन के चेहरे पर अपने किए पर कोई पछतावा नजर नहीं आया।

पत्नी मेलानिया से डोनाल्ड ट्रंप की बातचीत सामान्य नहीं, एडल्ट स्टार मामले में फैसले के बाद रिश्ते में तनाव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ने बड़ा खुलासा किया है। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मेरी अपनी पत्नी से बहुत कम बातचीत होती है। दरअसल, लंबे समय से देश में अटकलें थी कि दोनों पति-पत्नी में बातचीत नहीं हो रही है। ट्रंप के गुप्त धन मामले में उनकी पत्नी मेलानिया की टिप्पणी नहीं आई। वे शांत ही रहीं। इस वजह से अटकलों को और हवा मिली। ट्रंप ने यह खुलासा एक टीवी कार्यक्रम में की।

अमेरिकी मीडिया के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में डॉ. फिल के प्राइमटाइम शो में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अपनी हताशाओं के बारे में बात की। बातचीत के दौरान, ट्रंप ने गुप्त धन मामले के बारे में बात की, जिसमें उन्हें दोषी ठहराया गया है। मेलानिया के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कार्यकम में कहा कि मुझे लगता है वे ठीक ही होंगी। मैं ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि यह उनके लिए आसान नहीं है। मुझे लगता है कि अगर वे ठीक नहीं है तो वे मुझे नहीं बताना चाहती। मीडिया के अनुसार, स्टॉर्मी डेनियल्स के साथ ट्रंप के कथित विवादास्पद संबंधों को लेकर मेलानिया काफी असहज रहीं।

यह है मामला : ट्रंप पहले अमेरिकी राष्ट्रपति हैं, जिन्हें अपराधी घोषित किया गया है। हालांकि, ट्रंप ने अपने खिलाफ चलाए जा रहे इस मुकदमे को अपमानजनक और धांधलीपूर्ण बताया। उन पर साल 2016 में व्हाइट हाउस में आने से पहले पूर्व पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स के साथ अपने यौन संबंधों को छिपाने के लिए व्यापारिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने का आरोप है। इस मामले में 34 आरोप, 11 चालान, 12 वाउचर और 11 चेक पेश किए गए।

क्या राष्ट्रपति बन सकते हैं ट्रंप : बता दें, गुप्त धन मामले में अदालत ने ट्रंप को दोषी करार दिया है। ऐसे में यह जानना महत्वपूर्ण है कि अगर ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव से पहले कारावास की सजा होती है तो क्या वे राष्ट्रपति बन सकते हैं। तो इसका जवाब हैं- हां। दोष सिद्ध और सजा के बावजूद ट्रंप राष्ट्रपति बन सकते हैं। कारावास की सजा भी उन्हें व्हाइट हाउस पहुंचने से नहीं रोक सकती है। अमेरिकी संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति बनने के लिए अमेरिकी नागरिक होना महत्वपूर्ण है, जो 14 वर्षों से अमेरिका में ही रह रहा हो। उम्मीदवार की उम्र 35 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। मान लीजिए, अगर ट्रंप जो बाइडन को चुनाव में हरा देते हैं तो उन्हें जेल से ही राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई जा सकती है।

यूक्रेन को मिराज लड़ाकू विमान देगा फ्रांस

पेरिस , एजेंसी। फ्रांस यूक्रेन को मिराज लड़ाकू विमानों की आपूर्ति करेगा और उसके सैनिकों को प्रशिक्षित करेगा। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फ्रांसीसी मीडिया के साथ एक साक्षात्कार में यह बात कही। मैक्रों ने गुरुवार शाम को कहा, हम एक नये सहयोग की शुरुआत करेंगे और मिराज 2000-5एस भेजेंगे। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि फ्रांसीसी नेता ने 4,500 सैनिकों की एक पूरी यूक्रेनी बटालियन को प्रशिक्षित करने का भी वादा किया, जिसे युद्ध के मैदान में तैनात किया जाना है। उन्होंने कहा कि फ्रांसीसी लड़ाकू विमानों की डिलीवरी से तनाव नहीं बढ़ेगा और वादा किया कि इनका इस्तेमाल नागरिकों पर बमबारी करने के लिए नहीं किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, मैक्रों ने यूक्रेन में सैन्य प्रशिक्षकों को भेजने की संभावना से भी इनकार नहीं किया। मिराज 2000 एक फ्रांसीसी बहु-उद्देशीय, एक इंजन वाला चौथी पीढ़ी का लड़ाकू विमान है, जिसे दासो एविएशन द्वारा बनाया गया है। फरवरी के अंत में पेरिस में एक बैठक के दौरान, मैक्रों ने सुझाव दिया था कि यूरोपीय देशों को यूक्रेन में सैनिकों को भेजना चाहिए। लेकिन जर्मनी, ब्रिटेन, स्पेन और इटली सहित कई अन्य यूरोपीय देश उनकी राय से सहमति नहीं हुए। फरवरी में मैक्रों की टिप्पणियों के बाद, रूस ने चेतावनी दी कि यदि नाटो यूक्रेन में सैनिकों को भेजता है तो संगठन और रूस के बीच सीधा संघर्ष शुरू हो सकता है।

मंगल ग्रह पर दिखा बहुत बड़ा रहस्यमयी गड्ढा, हो सकता है इंसानों के रुकने की जगह, वैज्ञानिक हैरान

वाशिंगटन, एजेंसी। स्पेसएक्स के अरबपति संस्थापक एलन मस्क मंगल ग्रह पर जीवन बसाने को लेकर प्रयासरत हैं। उनके इन प्रयासों के बीच मंगल ग्रह पर एक चौंकाने वाला गड्ढा दिखा है। ग्रह पर एक प्राचीन ज्वालामुखी के किनारे दिखे इस रहस्यमयी गड्ढे ने अंतरिक्ष के प्रति जुनून रखने वाले लोगों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। कहा जाता है कि मंगल ग्रह पर धूल भरी आंधी और तापमान में उतार-चढ़ाव आम बात है। लेकिन अब यह गड्ढा कैसे आया, इसको लेकर हर कोई जानने को उत्सुक है।

नासा के मार्स रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर पर तैनात हाई-रिजॉल्यूशन इमेजिंग साइंस एक्सपेरिमेंट कैमरे द्वारा कैप्चर किया गया यह गड्ढा, अब विलुप्त हो चुके अर्सिया मॉन्स ज्वालामुखी के किनारे स्थित है और केवल कुछ मीटर चौड़ा है। अर्सिया मॉन्स ज्वालामुखी को अगस्त 2022 में खोजा गया था। अक्सर ऐसा होता है कि ज्वालामुखी से निकलने वाला लावा धरती पर बड़ी-बड़ी नालियां बना देता है। ज्वालामुखी के किनारों पर विभिन्न छेदों का दिखना आम बात है, लेकिन यह गड्ढा थोड़ा अलग प्रतीत हो रहा है।

हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि ये बड़ा सा छेंद क्या है। लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि यह एक गुफा या कई सारी गुफाओं की ओर ले जाने वाला रास्ता हो सकता है। अगर मंगल ग्रह चंद्रमा या पृथ्वी जैसा निकलता है, तो ये लावा

से बनीं खाली चौड़ी नालियां बंजर पड़े इस ग्रह पर मानव बस्तियों के लिए शरण प्रदान कर सकती हैं। इन नालियों को स्काईलाइट्स कहा जाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर भविष्य में इंसान मंगल ग्रह पर जाते हैं तो इन गड्ढों के अंदर उनकी बस्तियां बसाई जा सकती हैं।

हालांकि, नासा ने गड्ढों में से एक की तस्वीर जारी की है। इसमें एक साइडवॉल दिखाई दे रही है, जो यह दर्शाता है कि यह बेलनाकार है और शायद किसी गुफा की ओर नहीं जाता है।

इस तरह के गड्ढों को %पिट क्रेटर कहा जाता है और हवाई ज्वालामुखी पर ये काफी आम हैं। पृथ्वी पर, ये छह से 186 मीटर तक गहरे होते हैं, जबकि तस्वीर में अर्सिया मॉन्स ज्वालामुखी का गड्ढा 178 मीटर गहरा है। इस तरह के गड्ढे वैज्ञानिकों को आकर्षित करते हैं क्योंकि ये मंगल ग्रह पर पिछले जीवन के बारे में सुराग दे सकते हैं और यह निर्धारित करने में मदद कर सकते हैं कि ग्रह पर अभी भी सूक्ष्मजीवी जीवन मौजूद है या नहीं।

बांग्लादेशी सांसद अनार की हत्या के एक आरोपी को नेपाल ने भारत को सौंपा, लंबे समय से था फरार

काठमांडू , एजेंसी। कोलकाता में बांग्लादेशी सांसद की हत्या का मामला इन दिनों चर्चाओं में हैं। हत्याकांड से जुड़े एक आरोपी को नेपाल ने आज भारत को प्रत्यर्पित कर दिया है। आरोपी बांग्लादेश का नागरिक है। नेपाली मीडिया के अनुसार, नेपाल पुलिस द्वारा संपर्क किए जाने के बाद सोमवार सुबह नेपाल की इंटरपोल शाखा ने मोहम्मद सियाम हुसैन को भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया। बता दें, हत्या के बाद हुसैन नेपाल फरार हो गया था, जिसे नेपाल के सीमावर्ती इलाके से गिरफ्तार किया गया था।

नेपाली मीडिया के अनुसार, बांग्लादेश पुलिस चाहती थी कि हुसैन को उनके हवाले किया जाए लेकिन नेपाल ने उसे भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया। बांग्लादेश की ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) के चार सदस्य हुसैन को लेने काठमांडू गई थी। टीम ने नेपाल पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी से मुलाकात की और उनसे हुसैन को निर्वासित करने का अनुरोध किया लेकिन नेपाल ने उनके अनुरोध को नजरअंदाज कर दिया। क्योंकि नेपाल और बांग्लादेश के बीच ढाका के साथ कोई भी प्रत्यर्पण संधि नहीं है।

इलाज के लिए कोलकाता आए थे बांग्लादेशी सांसद : बांग्लादेशी सांसद इलाज के लिए कोलकाता आए थे। उप उच्चायोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सांसद अजीम 12 मई को कोलकाता पहुंचे थे और शहर के उत्तरी इलाके में बारानगर में अपने दोस्त के घर पर ठहरे थे। 13 मई को वह किसी से मिलने गए लेकिन वापस नहीं लौटे। मामले का खुलासा 18 मई को हुआ, जब बांग्लादेशी सांसद के परिचित गोपाल बिस्वास ने थाने में उनके लापता होने की जानकारी दी। अनार कोलकाता में बिस्वास के घर पर ही रुके थे। बिस्वास ने दावा किया कि सांसद 17 मई से उनके संपर्क में नहीं थे। इसलिए उन्होंने एक दिन बाद गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। उनके फोन से परिवार के सदस्यों को संदेश भेजे गए थे कि वह नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। उनका कोई पता नहीं है।

हनी ट्रैप का मामला आया सामने : पश्चिम बंगाल सीआईडी ने हत्या के पीछे हनी ट्रैप की आशंका जताई है। पुलिस का मानना है कि सांसद को एक महिला न्यू टाउन के एक फ्लैट में प्रलोभन देकर ले गई, जिसके बाद भाड़े के बदमाशों द्वारा उनकी हत्या की गई होगी। वहीं, हिरासत में लिए गए व्यक्ति ने हत्या के मुख्य आरोपियों में से एक से मुलाकात की थी। यह व्यक्ति बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब पश्चिम बंगाल के एक इलाके का निवासी है। पुलिस अधिकारी ने हिरासत में लिए गए व्यक्ति की पहचान बताए बिना कहा कि जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वह व्यक्ति सांसद से क्यों मिला और उन्होंने क्या चर्चा की थी।

जांच से संकेत मिला कि बांग्लादेशी सांसद एक महिला द्वारा बिछाए गए हनी ट्रैप में फंस गए, जो सांसद के दोस्त की भी करीबी थी। ऐसा लगता है कि महिला ने सांसद को न्यू टाउन के फ्लैट में जाने का प्रलोभन दिया था। हमें आशंका है कि वहां पहुंचते ही उनकी हत्या कर दी गई।

शहबाज शरीफ ने चीनी प्रधानमंत्री से की मुलाकात, सीपीईसी कॉरिडोर की रक्षा करने की खाई कसम,

बीजिंग, एजेंसी। चीन और पाकिस्तान ने कसम खाई कि वे विरोधियों से सीपीईसी कॉरिडोर की रक्षा करेंगे। पाकिस्तान ने चीन को आश्वस्त किया है कि वे परियोजना में काम कर रहे चीनी कर्मियों को पूर्ण सुरक्षा प्रदान करेंगे। दरअसल, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अमेरिका के दौरे पर हैं। इस दौरान शुक्रवार को उन्होंने चीनी प्रधानमंत्री ली-कियांग से मुलाकात की। बता दें, शरीफ चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के निमंत्रण पर चीन की यात्रा पर हैं। यहां वे 65 अरब डॉलर की लागत वाले चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के तहत सहयोग बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

कॉरिडोर चीन की बेल्ट एंड रोड पहल का प्रमुख हिस्सा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को एक बयान जारी किया। बयान में कहा गया कि शरीफ और कियांग ने सीपीईसी के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में ग्वादर के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने बलूचिस्तान के ग्वादर को एक क्षेत्रीय आर्थिक केंद्र में बदलने के लिए सभी संबंधित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को समय पर पूरा करने में तेजी लाने पर सहमति व्यक्त की। बयान में आगे कहा गया कि दोनों नेताओं ने सीपीईसी को उसके विरोधियों से भी बचाने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने एक-दूसरे के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त

की। इसके अलावा, प्रधानमंत्री कियांग ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में पाकिस्तान के चुनाव पर प्रधानमंत्री शरीफ को बधाई दी। सीपीईसी कॉरिडोर का भारत करता है विरोध सीपीईसी पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थित ग्वादर बंदरगाह को चीन के शिनजियांग प्रांत से जोड़ता है। भारत इसका विरोध कर रहा है क्योंकि इसे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के माध्यम से बनाया जा रहा है। सीपीईसी को लेकर एक बार जयशंकर ने कहा था कि मुझे लगता है कि तथाकथित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे पर एससीओ की बैठक में एक बार नहीं बल्कि दो बार यह बहुत स्पष्ट कर दिया गया था कि कनेक्टिविटी प्रगति के लिए अच्छी है, लेकिन कनेक्टिविटी किसी देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन नहीं कर सकती है।

ईयू चुनाव के लिए प्रचार करके लौट रहीं प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन पर हुआ हमला, आरोपी गिरफ्तार

कोपेनहेगन, एजेंसी। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेट फ्रेडरिक्सन पर कोपेनहेगन में एक शख्स ने अचानक हमला कर दिया। फिलहाल मेट सदमे में हैं। इस घटना के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। वहीं, हमले की यूरोपीय संघ के प्रमुखों ने निंदा की। आरोपी गिरफ्तार मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि आरोपी ने पीछे से आकर फ्रेडरिक्सन को जोर से धक्का मारा। इससे वे लड़खड़ा गईं। हालांकि कोपेनहेगन पुलिस ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। ईयू के चुनाव से पहले हमला यह हमला यूरोपियन यूनियन (ईयू) चुनाव से ठीक पहले हुआ है। ईयू के चुनाव नौ जून को होने हैं। डेनमार्क पीएम फ्रेडरिक्सन सोशल डेमोक्रेट्स यूरोपीय संघ के प्रमुख उम्मीदवार क्रिस्टेल शाल्डेमोस के साथ प्रचार कर रही हैं। घटना के वक्त वे प्रचार से ही लौट रही थीं। घटना से सदमे में हैं फ्रेडरिक्सन एक मीडिया रिपोर्ट में प्रधानमंत्री कार्यालय के हवाले से लिखा कि फ्रेडरिक्सन इस हमले से सदमे में हैं। घटना के चश्मदीदों मैरी एड्रियन और एना रेवन ने बताया कि एक आदमी दूसरी तरफ से आया और पीएम मेट के कंधे पर जोर से धक्का मारा। धक्का बहुत जोर से लगा था, लेकिन वह गिरने से बच गईं। इसके बाद वह एक कैफे में बैठ गईं। चश्मदीदों ने उस आदमी को लंबा और पतला बताया। साथ ही कहा कि शख्स ने सबकुछ बहुत जल्दी करने की कोशिश की थी, लेकिन सुरक्षा गार्डों ने उसे पकड़ लिया। यूरोपीय राजनेताओं पर हिंसक हमले बढ़े हाल के दिनों में यूरोपीय राजनेताओं पर हिंसक हमले बढ़े हैं। चार जून को मैनहेम में एक संदिग्ध व्यक्ति ने बॉक्स कटर से वार करके फार राइट

अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी पार्टी के एक राजनेता की हत्या कर दी थी। जर्मनी के सेंटर लेफ्ट सोशल डेमोक्रेट्स के यूरोपीय पार्लियामेंट कैंडिडेट मैथियास एके पर भी हमला हुआ था, जिसमें उनके को भी ड्रेसडेन में हुए हमले में गाल और आंख की हड्डी टूट गई थी। 15 मई को हुआ था स्लोवाकिया के पीएम पर हमला बता दें, स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको की पिछले महीने हत्या करने की कोशिश की गई थी। पीएम फीको पर 15 मई को मध्य स्लोवाकिया के हंडलोवा शहर में एक बंदूकधारी ने हमला कर दिया था। हालांकि, अब वह खतरे से बाहर हैं। हमलावर ने उन पर पांच गोलियां दागीं, जिसमें से एक गोली उनके पेट में लगी थीं। पीएम को तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां साढ़े तीन घंटे तक उनकी सर्जरी चली थी। ये हमला तब हुआ जब प्रधानमंत्री हैंडलोवा शहर में एक सांस्कृतिक हॉल के बहार भाषण दे रहे थे।

'मैं केवल उनसे बात करुंगा, जिनके पास असल ताकत', पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सरकार पर साधा निशाना : इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का कहना है कि वे केवल उन्हीं लोगों से बात करेंगे, जिनके पास असल में शक्ति है। अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई के बाद खान ने अदियाला जेल में यह बातें कहीं। पत्रकारों से बात करते हुए खान ने आगे कहा कि सरकार के पास शक्ति नहीं है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, खान का निशाना पाकिस्तानी सेना पर था, जिसे सबसे वहां सबसे ताकतवर कहा जाता है।

इसके अलावा, खान ने कहा कि देश में आर्थिक पतन हो रहा है। स्थिरता के बिना देश में कोई निवेश संभव नहीं है। आगामी बजट से महंगाई और कर्ज बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि देश में राजनीतिक प्रतिशोध चल रहा है। मैं अपने वकीलों की मौजूदगी में ही सिफर मामले में एफआईए को जवाब दूंगा।

डीएसए ए डिवीजन लीग

यंग ब्वायज और यूनाइटेड की जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। प्लेयर ऑफ द मैच दिशान शबीर के दो बेहतरीन गोलों की मदद से यंग ब्वायज एफसी ने जुबा सांघा को 4-1 से हरा कर डीएसए ए डिवीजन लीग में पूरे अंक अर्जित किए। दो गोल सूरज सिंह और डाउंजल ने बांटे। पराजित टीम का इकलौता गोल आशीष शॉ के नाम रहा। नेहरू स्टेडियम में खेले गए एक अन्य मैच में दिल्ली यूनाइटेड ने शिमला यंग

एफसी को 2-0 से पराजित किया। सौरभ दलाल और हिमांशु यादव ने यूनाइटेड के लिए गोल जमाए। यंग ब्वायज ने कागजों पर मजबूत टीम के विरुद्ध अभियान की शुरुआत तेज गति के साथ की और जुबा सांघा की कमजोर रक्षा पंक्ति को आसानी से झकझोरते हुए पहले हाफ में चार गोल की बढ़त बना ली। इससे पहले कि जुबा सांघा के रक्षक कुछ समझ पाते विजेता टीम ने मजबूत बढ़त बना ली। हालांकि दूसरे हाफ में पराजित टीम एक गोल उतार पाई लेकिन तब तक उसकी हार पर मुहर लग चुकी थी। सुदेवा अकादमी के खिलाड़ियों से सजी यंग ब्वायज को दूसरे हाफ में ज्यादा मेहनत करनी पड़ी। इस दौरान पराजित टीम ने कुछ मौके भी गंवाए। एक समय तक शिमला यंग दिल्ली का चैंपियन क्लब था लेकिन अब वह पहले वाली बात नजर नहीं आती। मैच दर मैच खराब फार्म में चल रहे शिमला यंग की अग्रिम पंक्ति ने कुछ आसान मौके भी गंवाए ।

ए ग्रुप हुआ खरतनाक, पाकिस्तान के लिए मुश्किल होगा सुपर 8 में जाना : इरफान पठान

न्यूयार्क (एजेंसी)। भारतीय ऑलराऊंडर इरफान पठान को लगता है कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए टी20 विश्व कप में सफर लगभग खत्म हो गया है। उन्होंने माना कि पाकिस्तान इस सीजन में शानदार क्रिकेट नहीं खेल पाया। यूएसए के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने गलतियां की जिसका खामियाजा उन्हें हार के रूप में चुकाना पड़ा। बता दें कि यूएसए दो मैच जीत चुकी है तो ऐसे में उनके लिए सुपर 8 में जाना आसान हो गया है। उनके आगामी मुकाबले भारत और आयरलैंड के खिलाफ हैं। अगर वह आयरलैंड से जीत गई तो तीन जीत के साथ आगे बढ़ जाएगी। वहीं, पाकिस्तान अगर भारत से हार गया तो उनकी दो हार हो जाएगी। भारत तो आगे सुपर 8 में अमेरिका और कनाडा को हराकर चला जाएगा लेकिन यूएसए की टीम एक जीत दर्ज कर ही पाकिस्तान के लिए मुसीबत खड़ी कर देगी।

इरफान पठान ने एक शो के दौरान इस पर बात करते हुए कहा कि देखिए हम तो मैच जीत चुके हैं आयरलैंड के सामने। पाकिस्तान मैच हारा यूएसए के सामने। अब पाकिस्तान के लिए बाकी मैच जीतना बड़ा मुश्किल हो जाएगा। हमारे लिए बड़ा आराम है।

अफगानिस्तान ने पहली बार न्यूजीलैंड को हराया

गुरबाज के 80 रन, फारूकी ने पहली गेंद पर विकेट लिया, फिर राशिद का मैजिक... मैच एनालिसिस

गयाना, एजेंसी। न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी। इनिंग्स की पहली गेंद और स्टंप्स जमीन पर। अफगान पेसर फजल हक फारूकी ने न्यूजीलैंड बल्लेबाज का फिन एलन का विकेट लेकर टी- 20 वर्ल्ड कप 2024 के एक और बड़े उलटफेर की शुरुआत कर दी थी। ये मैच वेस्टइंडीज के गयाना में प्रोविडेंस स्टेडियम में शनिवार को खेला गया। फारूकी ने पहले ओवर के बाद कीवी बल्लेबाजों को संभलने का मौका नहीं दिया। पावरप्ले में ही 3 विकेट लेकर न्यूजीलैंड के लिए जीत मुश्किल कर दी। मैच की पहली गेंद पर फारूकी ने फिन एलन को बोल्ड कर दिया। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी। अफगानिस्तान के ओपनर्स रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान ने 100 रन की साझेदारी कर स्कोर 159 तक पहुंचाया।अब बारी गेंदबाजों की थी। फजल हक फारूकी ने पावर प्ले और फिर राशिद खान ने मिडिल ओवर्स में 4-4 विकेट लेकर जीत पक्की की। न्यूजीलैंड 75 रन पर ऑलआउट हो गई।

राशिद बतौर कप्तान टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे सफल गेंदबाज

टी-20 वर्ल्ड कप का 14वां मुकाबला रोमांच से भरा था। अफगानिस्तान ने पहली बार न्यूजीलैंड को चारो खानें चित किया और टी-20 वर्ल्ड कप की अपनी तीसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। टी-20 वर्ल्ड कप में बतौर गेंदबाज राशिद खान एक मुकाबले में सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए इस मैच में 4 ओवर में 17 रन देकर 4 विकेट चटकाए। वहीं, इससे पहले 2007 में न्यूजीलैंड के डेनियल विटोरी ने भारतीय टीम के खिलाफ 20 रन देकर 4 विकेट लिए थे। पाकिस्तान के जीशान मकसूद ने भी 2021 वर्ल्ड कप में पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ हुए मैच में ऐसा किया था।

टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश ने श्रीलंका को चटाई धूल...

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 में बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच डलास में रोमांचक और सांसें रोक देने वाला मुकाबला हुआ. मैच अंतिम ओवर्स में जाकर फंस गया. जहां बाजी बांग्लादेश के हाथ लगी, उसने इस मुकाबले को 2 विकेट से अपने नाम किया. श्रीलंका की टूर्नामेंट में लगातार दूसरी हार है, इससे पहले उसे साउथ अफ्रीका ने 6 विकेट से हराया था. इस हार के बाद श्रीलंका के सामने अब टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है. क्योंकि अब एक भी हार उनको सीधे टूर्नामेंट से बाहर कर देगी. वहीं ग्रुप डी के इस मुकाबले में बांग्लादेश का यह पहला मैच था, जहां उसने जीत से शुरुआत की. इस मुकाबले में बांग्लादेश ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. पहले खेलते हुए श्रीलंका की टीम ने 124/9 का स्कोर खड़ा किया था. जवाब में खेलने उतरी बांग्लादेश की टीम ने टारगेट को 6 गेंद शेष रहते हुए 2 विकेट से अपने नाम किया.अनुभवी खिलाड़ी महमूदुल्लाह अंत तक टिके रहे और 16 रन नॉट आउट बनाकर मैच निकाला. श्रीलंका की ओर से पथुम निशंका ने 28 गेंदों पर 47 रन की पारी खेली. वहीं बांग्लादेश की ओर से रहमान ने 4 ओवर में 17 रन देकर 3 विकेट लिए. रहमान ने श्रीलंका के टॉप ऑर्डर की कमर तोड़ी तो दूसरी ओर प्लेयर ऑफ द मैच रिशाद हुसैन ने श्रीलंका की टीम के तीन सबसे मजबूत विकेट लिए.

बांग्लादेश ने ऐसे पलटा मैच, श्रीलंका ने रोक दी थीं सांसें... बांग्लादेश ने रनचेज करते हुए 1-7 ओवर्स के बीच 37/3 का स्कोर बनाया और उनका रनरेट 5.29 था; इसके बाद 8-12 के बीच बांग्लदेशी टीम ने 11 रन प्रतिओवर के हिसाब से 55 रन बनाए और महज एक विकेट गंवाया. वहीं 13-18 ओवर्स में एक बार फिर श्रीलंका ने वापसी की और बांग्लादेश के 22 रन के अंदर 4 विकेट गिरा दिए. ऐसे में लग रहा था कि श्रीलंका की टीम यह मैच जीत लेगी.

इंडिया वर्सेस पाक

कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ ओपन किया तो...

● भारतीय टीम को महामुकाबले से पहले मिली चेतावनी

नईदिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत-पाकिस्तान मुकाबले से पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल ने भारत को उनकी बल्लेबाजी लाइनअप को लेकर चेतावनी जारी की। अकमल के मुताबिक पाकिस्तान के खिलाफ विराट कोहली और रोहित शर्मा को ओपनिंग नहीं करनी चाहिए और हमेशा की तरह किंग कोहली को नंबर 3 पर ही खेलना चाहिए। अकमल के मुताबिक भारत की बल्लेबाजी क्रम अभी सही नहीं है और उन्हें लगता है कि कोहली नंबर 3 के लिए परफेक्ट हैं और वो खेल को खत्म कर सकते हैं जैसा कि उन्होंने अतीत में किया है।

कोहली के लिए नंबर 3 है परफेक्ट

अकमल ने अपने यूटयूब चैनल पर कहा कि मुझे नहीं लगता है कि भारत की बल्लेबाजी क्रम अभी सही है। विराट कोहली नंबर 3 पर आकर दवाब झेल सकते हैं और मैच को खत्म कर सकते हैं और ये टीम इंडिया के लिए महत्वपूर्ण है। रोहित शर्मा के साथ यशस्वी जायसवाल को बल्लेबाजी की शुरुआत करनी चाहिए और कोहली को तीसरे नंबर पर ही आना चाहिए। वहीं अगर भारत रोहित-कोहली को बतौर ओपनर उतारता है तो वो किसी भी वक्त फंस सकते हैं। तीसरे नंबर पर कोहली एक छोर को संभाले रह सकते हैं और खेल को खत्म कर सकते हैं। मुझे लगता है कि कोहली से ओपनिंग करवाकर भारत गलती कर रहा है।

पाकिस्तान के मुकाबले भारत ज्यादा प्रभावी- अकमल ने आयरलैंड पर भारत की 8 विकेट से शानदार जीत की भी सराहना की और बताया कि पाकिस्तान के मुकाबले भारतीय टीम न्यूयॉर्क की परिस्थितियों में अधिक प्रभावी रहेगी। अकमल ने कहा कि भारत आश्वस्त होगा क्योंकि आयरलैंड के खिलाफ बुमराह ने अच्छी गेंदबाजी की और सिराज ने भी अच्छा किया। हार्दिक पांड्या ने भी विकेट लिए और उन्हें एक ही जगह पर तीन मैच खेलने हैं जो उनके लिए अच्छा है।

फ्रेंच ओपन

कार्लोस अल्काराज ने सेमीफाइनल में जानिक सिनर को दी मात

● पहली बार खिताबी मुकाबले में किया प्रवेश

पेरिस, एजेंसी। विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अल्काराज ने सिनर को 2-6, 6-3, 3-6, 6-4, 6-3 से मात दी। रविवार के खेले जाने वाले पुरुष सिंगल्स वर्ग के फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज का सामने चौथी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव और सातवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड में से किसी एक की चुनौती होगी। स्पेन के युवा खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को सेमीफाइनल में जानिक सिनर को हराकर पहली बार वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। अल्काराज इसके साथ ही तीन सतह पर ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। अल्काराज ने 2022 में हार्ड कोर्ट पर यूएस ओपन, 2023 में घासियाले कोर्ट पर विंबलडन जीता था और अब रोलां गैरो में लाल बजरी पर चैंपियनशिप के लिए खेलेंगे। विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अल्काराज ने सिनर को 2-6, 6-3, 3-6, 6-4, 6-3 से मात दी। रविवार के खेले जाने वाले पुरुष सिंगल्स वर्ग के फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज का सामने चौथी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव और सातवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड में से किसी एक की चुनौती होगी।

पिछड़ने के बाद की शानदार वापसी

अल्काराज ने सेमीफाइनल मुकाबले में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। उन्होंनें मैच के दौरान जकड़न और दर्द से निपटने के लिए ब्रेक लेकर अपने ट्रेनर की मदद ली। सिनर ने पहला सेट जीतने के बाद दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त के साथ अच्छी स्थिति में थे, लेकिन अल्काराज ने इसके बाद शानदार वापसी की।

नॉर्वे शतरंज

मैग्नस कार्लसन, जू वेनजुन ने जीते खिताब

स्टावेंजर, एजेंसी। मैग्नस कार्लसन और जू वेनजुन ने नॉर्वे शतरंज में क्रमश : पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीत लिए हैं। कार्लसन और फाबियानो कारूआना ने अंतिम राउंड में अपनी क्लासिकल बाजी ड्रा खेली और विजेता का फैसला आर्मगेडन टाई ब्रेकर से हुआ। कार्लसन ने कारूआना को टाई ब्रेकर में हरा दिया। इस जीत से कार्लसन ने पहले स्थान पर अपना संयुक्त कब्जा सुनिश्चित कर लिया। उन्हें हिकारू नाकामूरा और प्रज्ञाननंदा आर के बीच बाजी के परिणाम का इन्तजार था। नाकामूरा को शीर्ष पर आने के लिए हर हाल में यह बाजी जीतनी थी। लेकिन मैच ड्रा समाप्त हुआ।

सुमित नागल का शानदार प्रदर्शन, एटीपी 100 चैलेंजर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। नागल पेरिस ओलंपिक में सिंगल्स स्पर्धा के लिए क्वालीफाई करने के लिए अपनी रैंकिंग को बेहतर करने की कोशिश कर रहे है। ओलंपिक में पुरुषों का ड्रा 64 खिलाड़ियों का होगा। भारत के शीर्ष रैंकिंग के सिंगल्स खिलाड़ी सुमित नागल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एटीपी 100 चैलेंजर टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। नागल ने विश्व रैंकिंग में 95वें स्थान पर काबिज नागल ने रूस के इवान गखोव को सीधे सेटों में शिकस्त दी। नागल ने रूसी खिलाड़ी को 82 मिनट तक चले मुकाबले में 6-1, 7-6 से हराकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया। नागल ने मैच के बाद कहा, मैं पिछले साल के आखिरी महीनों से अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेल रहा हूं। इससे पहले मैं कूल्हे की सर्जरी के कारण लगभग डेढ़ साल तक खेल से दूर था। साल 2022 के आखिर से मैं बिना परेशानी या दर्द के खेल रहा हूं।

नागल पेरिस ओलंपिक में सिंगल्स स्पर्धा के लिए क्वालीफाई करने के लिए अपनी रैंकिंग को बेहतर करने की कोशिश कर रहे है। ओलंपिक में पुरुषों का ड्रा 64 खिलाड़ियों का होगा। नागल ने फ्रेंच ओपन के पहले दौर में कारेन खाचानोव के हाथों मिली से उबरते हुए 120,000 यूरो (लगभग एक करोड़ आठ लाख रुपये) पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट में अब तब शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने गखोव के खिलाफ पहले सेट में दमदार प्रदर्शन किया। रूस के खिलाड़ी ने दूसरे सेट में वापसी करते हुए नागल को कड़ी टक्कर दी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अहम मौकों पर धैर्य और अनुभव का अच्छा इस्तेमाल कर दबाव को हावी नहीं होने दिया।

प्रियंका चोपड़ा ने

ऑस्ट्रेलिया में शुरू की द ब्लफ की शूटिंग

मशहूर एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी अपडेट फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। इस कड़ी में एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने द ब्लफ की शूटिंग शुरू कर दी है। प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक फोटो शेयर की और कैप्शन में लिखा, लेट्स गो!... डे वन

द ब्लफ की शूटिंग से पहले प्रियंका ने फिल्म के कलाकारों और क्रू के साथ एक यॉट पार्टी का वीडियो शेयर किया था, जिसमें उनकी बेटी मालती मैरी जोनस भी नजर आयीं। वीडियो में प्रियंका अपनी बेटी मालती के साथ मस्ती करती दिखीं। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, जब मैं कोई नया प्रोजेक्ट शुरू करती हूं, तो मेरे लिए यह जानना बहुत जरुरी होता है कि इसे बनाने के लिए साथ आने वाले लोग कैसे हैं। हम अपने परिवार और घरों से दूर, एक साथ बहुत समय बिताते हैं, सोचते हैं, खाते हैं और उस कला में सांस लेते हैं जिसमें हम योगदान दे रहे हैं। फिल्म की कहानी एक पूर्व महिला समुद्री डाकू के ईद-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार प्रियंका ने निभाया है, जो अपने परिवार की रक्षा के लिए एक यात्रा पर निकलती है। द ब्लफ की शूटिंग ऑस्ट्रेलिया में चल रही है। यह फ्रैंक ई. फ्लावर्स द्वारा निर्देशित है। इस फिल्म मशहूर एक्टर कार्ल अर्बन भी हैं। प्रियंका की हेड्स ऑफ स्टेट भी रिलीज होने वाली है, जिसमें जॉन सीना और इदरीस एल्बा लीड रोल हैं। प्रियंका को देसी गर्ल कहा जाता है। बॉलीवुड में उन्होंने कई हिट फिल्में दी, जिसमें बर्फी, डॉन, मैरी कॉम और बाजीराव मस्तानी जैसी मूवीज शामिल है। बॉलीवुड के बाद वह अब हॉलीवुड में अपना जलवा दिखा रही हैं। उन्होंने हॉलीवुड में डेब्यू करते हुए साल 2017 में रिलीज हुई बेवॉच में काम किया। पिछले साल वह रूसो ब्रदर्स की वेब सीरीज सिटाडेल और लव अगेन में नजर आई।

अभिनय के बाद अपनी सुरीली आवाज के लिए तारीफ बटोर रहीं अदा शर्मा

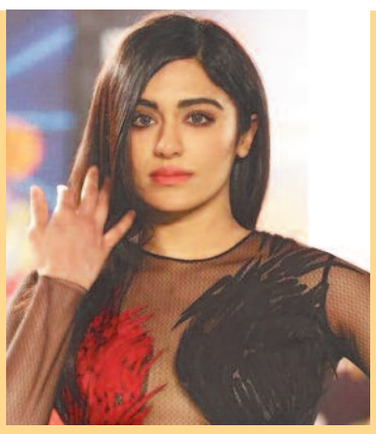

अभिनेत्री अदा शर्मा नए फ्लैट में शिफ्ट हुई हैं। यह वही फ्लैट है, जहां दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत रहा करते थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस घर में अदा ने कई बदलाव कराए हैं। अदा शर्मा ने अपने अभिनय से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है।

1920 से डेब्यू करे के बाद कमांडो 2, कमांडो 3 और सेल्फी जैसी फिल्मों में काम किया। इसके बाद 2023 में फिल्म द केरल स्टोरी ने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया। इस फिल्म में वह शालिनी उन्नीकृष्णन की भूमिका में दिखीं। उनके अभिनय से तो सभी वाकिफ हैं, लेकिन इस वक्त सोशल मीडिया पर अदा की गायिकी की तारीफ हो रही है।

भक्ति विभोर होकर गाया भजन

अदा शर्मा हाल ही में मुंबई में नए अपार्टमेंट में शिफ्ट हुई हैं। यह वही अपार्टमेंट है, जहां दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत रहा करते थे। अभिनेता का निधन इसी घर में हुआ। इसके बाद इस घर को लेकर तमाम अफवाहें फैलीं। काफी वक्त तक इस घर को किराएदार नहीं मिले। मगर, अदा शर्मा ने इस घर में शिफ्ट होने का फैसला लिया।

अभिनेत्री यहां रह रही हैं और उन्हें यहां काफी सकारात्मक ऊर्जा महसूस हो रही है। इस घर से अदा का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे राम भजन गाती दिख रही हैं।

यूजर्स दे रहे अदा को दुआ

अदा शर्मा अपने घर के मंदिर के सामने बैठी नजर आ रही हैं। वह भक्ति विभोर होकर सुरीली आवाज में राम भजन गा रही हैं। सफेद रंग के परिधान में अदा की सादगी भी दर्शकों को प्रभावित कर रही है।

यह वीडियो विरल भियानी ने इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा की है। इस पर यूजर्स अदा की जमकर तारीफ कर रहे हैं। साथ ही उन्हें दुआएं दे रहे हैं कि यह घर उनके लिए सुख-समृद्धि और सौभाग्य लेकर आए।

जूनियर एनटीआर ने ली

देवारा के लिए आरआरआर से भी ज्यादा फीस

खबर है कि देवारा के लिए जूनियर एनटीआर ने पिछली फिल्म त्रक्रक से भी ज्यादा फीस ली है। जूनियर एनटीआर को इस हाई एक्शन मूवी के लिए 60 करोड़ रुपये बतौर फीस मिल रहे हैं। देवारा में जान्हवी कपूर और सैफ अली खान को कितनी फीस मिलने की खबर है . जूनियर एनटीआर के फैंस बड़ी बेसब्री से उनकी नई फिल्म देवारा की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में जूनियर एनटीआर एकदम अलग और खूंखार अवतार में नजर आएंगे, जिसकी झलक टीजर में भी नजर आई थी। इस फिल्म में सैफ अली खान भी हैं और जान्हवी कपूर तेलुगू सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं। इसी बीच जूनियर एनटीआर द्वारा इस फिल्म के लिए ली जा रही फीस चर्चा में बनी हुई है।

जान्हवी कपूर और सैफ अली खान की इतनी फीस

जान्हवी कपूर और सैफ अली खान की फीस को लेकर भी डिटेल सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जान्हवी कपूर देवारा के लिए 5 करोड़ रुपये और सैफ अली खान 13 करोड़ रुपये की फीस ले रहे हैं। हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

कार्तिक ने की तृप्ति के आत्मविश्वास की तारीफ

कार्तिक आर्यन ने 'भूल भुलैया 3' की अपनी सह-कलाकार अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के साथ अपने काम करने के अनुभवों को साझा किया। अभिनेता ने तृप्ति को आत्मविश्वासी बताया और कहा कि उन्हें उनके साथ काम करना पसंद है। कार्तिक आर्यन की आगामी फिल्म चंदू चैंपियन 14 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। कार्तिक आर्यन के प्रशंसक उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'चंदू चैंपियन' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, अभिनेता अपने कई आगामी परियोजनाओं को लेकर काफी व्यस्त चल रहे हैं। कार्तिक 'भूल भुलैया 3' और अनुराग बसु की प्रेम कहानी पर आधारित परियोजना पर तृप्ति डिमरी के साथ भी काम कर रहे हैं। अभिनेता ने एक साक्षात्कार में तृप्ति के साथ अपने काम करने के अनुभवों को साझा करते हुए खुलकर बात की। साक्षात्कार के दौरान तृप्ति के साथ अपने काम के अनुभवों को साझा करते हुए अभिनेता ने कहा, 'मैं भूल भुलैया 3 की शूटिंग कर रहा हूं, जिसमें तृप्ति भी हैं। उनके साथ काम करना एक शानदार अनुभव है। मैं बहुत खुश हूं कि वह इसका हिस्सा हैं। वह बहुत आत्मविश्वासी हैं, जो कि बहुत ही बढ़िया है।'

कार्तिक ने अपनी बातचीत में आगे कहा कि जब आप तृप्ति जैसे कलाकार के साथ काम करते हैं तो इससे आपको मदद मिलती है। उन्होंने कहा, 'इससे सीन और मुझे भी कुछ पलों को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। उनके साथ काम करना बहुत बढ़िया है।'

एक और फिल्म में तृप्ति के साथ नजर आएंगे कार्तिक!

कार्तिक इन दिनों 'भूल भुलैया 3' की शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म में उनके साथ तृप्ति डिमरी और विद्या बालन भी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कथित तौर पर कार्तिक और तृप्ति ने एक और फिल्म को साइन किया है। अफवाह यह भी थी की कार्तिक और तृप्ति अनुराग बसु की 'आशिकी 3' के लिए एक साथ काम करेंगे। हालांकि, भूषण कुमार ने इससे इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि अभी हम 'आशिकी 3' नहीं बना रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भूषण ने आगे कहा, 'इस फिल्म का आशिकी नाम नहीं है। जब हम आशिकी 3 बना रहे थे, तो यह काम नहीं कर रही थी। इसलिए, अब हम एक और रोमांटिक फिल्म बना रहे हैं, जिसे अनुराग दादा निर्देशित कर रहे हैं। कार्तिक और तृप्ति इसका हिस्सा हैं।'

इनसाइड आउट 2 में

राइली की आवाज बनना बेहद मुश्किल : अनन्या पांडे

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे एनिमेटेड फिल्म इनसाइड आउट 2 का हिस्सा बनी हैं। वह फिल्म के हिंदी वर्जन के लिए मेन कैरेक्टर राइली को अपनी आवाज दे रही हैं। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चे की आवाज निकालना वाकई काफी मुश्किल है। मुंबई के जुहू में डिज्नी और पिक्सर की मजेदार सीक्वल इनसाइड आउट 2 के स्पेशल लॉन्च में अनन्या शामिल हुईं। इस दौरान अनन्या ने राइली की आवाज निकालने में आने वाली चुनौतियों के बारे में बात की। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए बचपन का सपना सच होने जैसा था। डिज्नी और पिक्सर ही वो फिल्में हैं, जिन्हें देखकर मैं बड़ी हुई हूं।

लोग कहते हैं कि ये फिल्में बच्चों के लिए हैं, लेकिन जब आप इसे दूसरी बार एडल्ट के रूप में देखते हैं तो आपको बहुत कुछ समझ में आता है। अनन्या ने आगे बताया, सबसे खास बात थी इसकी मानवीयता... हर पल आप लगातार कुछ न कुछ इमोशन महसूस कर रहे होते हैं। मेरे लिए, यह एक चुनौती थी। मैंने ऐसा कुछ पहले कभी नहीं किया था। मैंने सिर्फ फिल्मों में अपनी आवाज दी है।

यहां आकर कुछ ऐसा निभाना, जिसकी पिछली कहानी के बारे में मुझे कुछ नहीं पता, इसलिए यह मेरे लिए एक बड़ी चुनौती थी। अनन्या ने कहा, जब उन्होंने मुझसे राइली का किरदार निभाने के लिए कहा, तो मैंने कहा कि मेरी आवाज क्रैक है, अब मैं बच्चे जैसी आवाज नहीं निकाल सकती। इसलिए, छोटे बच्चे की आवाज निकालना मेरे लिए मुश्किल था। राइली का किरदार निभाते हुए मुझे खुशी हो रही है, क्योंकि इससे मेरे बचपन की कई यादें ताजा हो गईं।

हाल ही में डिज्नी फिल्म्स इंडिया ने सोशल मीडिया पर अनन्या का एक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में अनन्या स्टूडियो में फिल्म के लिए डबिंग करती नजर आईं। डिज्नी और पिक्सर द्वारा निर्मित इनसाइड आउट 2 14 जून को सिनेमाघरों में आएगी।

सिद्धार्थ की अगली फिल्म मिस यू, आर माधवन ने जारी किया पोस्टर

कमल हासन अभिनीत इंडियन 2 इन दिनों दर्शकों में खासी लोकप्रियता पा रही है। यह 28 साल पहले आई कमल हासन की फिल्म इंडियन का सीक्वल है, जिसमें उनके साथ सिद्धार्थ नजर आने वाले हैं। दक्षिण भारत के युवा अभिनेता सिद्धार्थ की अगली फिल्म की चर्चाएँ भी शुरू हो गई हैं। हाल ही में इस फिल्म के पोस्टर को अभिनेता आर.माधवन, निर्देशक लोकेश कनगराज और अभिनेता शिव कार्तिकेयन ने जारी किया है। माधवन ने लिखा, कई अवॉर्ड जीतने वाली चिट्ठा के बाद मेरे प्यारे भाई सिड ने कई सालों के बाद एक प्रेम कहानी शुरू की है। इसके साथ ही शिवकार्तिकेयन ने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, मेरे प्यारे भाई सिद्धार्थ की मिस यू का पहला लुक जारी करते हुए खुशी हो रही है। मिस यू का निर्देशन एन राजशेखर ने किया है और संवाद अशोक आर ने लिखे हैं।

गांठ के कलाकारों के साथ सलोनी बत्रा ने की खूब मस्ती

बॉलीवुड एक्ट्रेस सलोनी बत्रा अपनी अपकमिंग मर्डर मिस्ट्री सीरीज गांठ चैप्टर 1 जमनापार को लेकर काफी चर्चाओं में है। वह इस सीरीज में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने प्रोडक्शन टीम के साथ अपनी बॉन्डिंग के बारे में बात की। टीम के साथ अपने एक्सपीरियंस को शेयर करते हुए सलोनी ने कहा, मुझे ऐसी अद्भुत टीम के साथ काम कर बेहद खुशी हुई। हर एक व्यक्ति अपने काम में माहिर है।

इससे कैमरे के पीछे काम करना आसान हो गया है। उन्होंने कहा, हमारी टीम में गहरी दोस्ती है, हम अक्सर मजाक करते हैं, अलग-अलग टॉपिक पर बात करते हैं, और एक-दूसरे पर जोक्स बनाते हैं। हम खूब मस्ती करते हैं -- जैसे एक साथ दिल्ली के टेस्टी खाने का लुत्फ उठाना और पैक-अप के बाद रिलैक्स करना। उन्होंने आगे कहा, हंसी और रिलैक्स के इन पलों ने एक अलग जोश भरा और फैमिली की तरह माहौल बनाया, जिससे हमने जिस भी प्रोजेक्ट पर काम किया, वह एक सुखद और यादगार अनुभव बन गया। बता दें कि फिल्म की शूटिंग दिल्ली में हुई। इस शो में मानव विज और मोनिका पंवार लीड रोल में हैं।

गांठ का ट्रेलर जारी हो चुका है, जिसमें पुलिस इंस्पेक्टर गदर सिंह और साइकियाट्रिक साक्षी मुर्मू एक साथ मिलकर सामूहिक आत्महत्या मामले को सुलझाते हुए दिख रहे हैं। उन्हें एक घर में सात शव लटके हुए मिले। उनकी जांच में कई पहलू सामने आए, जिनमें गंभीर अपराध, धार्मिक विश्वास, अंधविश्वास और सामाजिक मनोविकृति है।

कनिष्क वर्मा द्वारा निर्देशित, यह सीरीज 11 जून को जियो सिनेमा पर प्रीमियर होगी। सलोनी ने इससे पहले संदीप रेड्डी वांगा की डायरेक्शन में बनी एक्शन क्राइम थ्रिलर एनिमल में रणबीर सिंह की बहन रीत का किरदार निभाया था।

इस फिल्म में रणबीर कपूर, बॉबी देओल, अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना, सुरेश ओबेरॉय और सलोनी बत्रा समेत कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया था।

असीम रियाज ने रोहित शेट्टी से माँगी माफी

'खतरों के खिलाड़ी 14' में असीम रियाज लौट आए हैं। कहा जा रहा है कि शो से निकाले जाने के बाद असीम रियाज को इस बात का एहसास हुआ कि उन्होंने 'खतरों के खिलाड़ी' के सेट पर रोहित शेट्टी, शालीन भनोट और अभिषेक कुमार के साथ झगड़ा करके मूर्खता की। ऐसे में उन्होंने शो के होस्ट रोहित शेट्टी से माफी मांगी और फिर रिएलिटी शो में वापसी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, जब असीम ने रोहित शेट्टी से माफी मांगी तब रोहित को लगा कि असीम को सच में अपने एक्शन पर शर्मिंदगी हो रही है इसलिए उन्होंने अपना एलिमिनेशन का फैसला वापस लेते हुए असीम को एक बार फिर अपने शो में जगह दे दी।

याद दिला दें, रोमानिया में कुछ दिन पहले 'खतरों के खिलाड़ी 14' के सेट पर असीम और रोहित के बीच बहस हो गई थी। दरअसल, असीम ने स्टंट करने से इनकार कर दिया था क्योंकि उन्हें डर लग रहा था। ऐसे में रोहित ने उनसे कहा कि वह इस तरह स्टंट को छोड़ नहीं सकते हैं। असीम बहस करने लगे। उन्होंने कहा कि उन्हें यह स्टंट बहुत जोखिम भरा लग रहा है। ऐसे में रोहित ने उन्हें समझाया कि उनकी टीम ये स्टंट कर चुकी है और ये सब विशेषज्ञों के अंडर में हो रहा है। इसके बाद भी असीम नहीं माने और जब शालीन भनोट और अभिषेक कुमार ने उन्हें इसके लिए मनाने की कोशिश की, तो वह उनके साथ भी बहस करने लगे। ऐसे में रोहित ने उन्हें शो से बाहर का रास्ता दिखा दिया।